हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • गुरुवार • 29.05.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 304 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

केंद्रीय कैबिनेट : किसानों को मोदी सरकार का बड़ा तोहफा, खरीफ फसलों पर बढ़ाई एमएसपी

एजेंसी

नयी दिल्ली : केन्द्र सरकार ने अगले विपणन सत्र के लिए 14 प्रमुख खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसीप) में वृद्धि को मंजूरी दे दी है। सरकार का यह निर्णय किसानों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है। पिछले साल के मुकाबले धान के एमएसपी में 69 रुपये, रागी में 596 रुपये, ज्वार 328 रुपये की वृद्धि की गई है। इसी तरह अरहर (तुअर) में 450 रुपये, उड़द में 400 रुपये की बढ़ोत्तरी की गई है। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 2025-26 के विपणन सत्र के लिए एमएसपी में वृद्धि को मंजूरी दी। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आज जानकारी दी।

वैष्णव ने बताया कि खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना की वृद्धि की गई है। सबसे अधिक वृद्धि नाइजरसीड (रामतिल), रागी, कपास, तिल (सेसमम) में क्रमशः 820, 596, 589, 579 रुपये की गई है।

अनाज के एमएसपी में वृद्धि

प्रमुख अनाजों में धान के एमएसपी को 2300 रुपये से बढ़ाकर 2369 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है, यानी 69 रुपये की वृद्धि हुई है। वहीं, उच्च गुणवत्ता वाले धान के एमएसपी में भी 69 रुपये की वृद्धि हुई है और अब इसका एमएसपी 2389 रुपये प्रति क्विंटल होगा। ज्वार की हाइब्रिड किस्म का एमएसपी 3371 रुपये से बढ़ाकर 3699 रुपये किया गया है, यानी 328 रुपये की वृद्धि हुई है। वहीं, मालदांडी किस्म का नया एमएसपी 3749 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। बाजरा के एमएसपी 2625 रुपये से बढ़ा कर 2775 रुपये किया गया है, यानी 150 रुपये की वृद्धि हुई है। रागी में सबसे ज्यादा 596 रुपये की वृद्धि हुई है और अब इसका एमएसपी 4886 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है। मक्का (मकई) के एमएसपी में 175 रुपये की बढ़ोत्तरी हुई है और अब यह 2400 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगा।

दलहनों का भी एमएसपी बढ़ा

अरहर (तुअर) का एमएसपी 7550 रुपये से बढ़ा कर 8000 रुपये कर दिया गया है, यानी 450 रुपये की वृद्धि। उड़द का एमएसपी 7400 रुपये से बढ़ा कर 7800 रुपये किया गया है, यानी 400 रुपये की बढ़त। मूंग में 86 रुपये की वृद्धि हुई है और अब इसका नया एमएसपी 8768 रुपये प्रति क्विंटल होगा।

तिलहन का भी एमएसपी बढ़ा

मूंगफली के एमएसपी में 480 रुपये की वृद्धि हुई है और अब यह 7263 रुपये प्रति क्विंटल होगा। सूरजमुखी बीज में 441 रुपये की बढ़ोत्तरी के साथ नया एमएसपी 7721 रुपये तय किया गया है। सोयाबीन (पीली किस्म) का एमएसपी 4892 रुपये से बढ़कर 5328 रुपये कर दिया गया है, यानी 436 रुपये की बढ़त। तिल (सेसमम) के एमएसपी में 579 रुपये की वृद्धि की गई है और अब इसका नया मूल्य 9846 रुपये प्रति क्विंटल होगा। नाइजरसीड, जिसे रामतिल भी कहा जाता है, उसके एमएसपी में सबसे अधिक 820 रुपये की बढ़त हुई है, जिससे इसका नया एमएसपी 9537 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है।

सरकार के अनुसार 2014-15 से 2024-25 के बीच धान की खरीद 7608 एलएमटी रही, जो 2004-05 से 2013-14 की तुलना में लगभग 66 प्रतिशत अधिक है। इसी अवधि में सभी 14 खरीफ फसलों की खरीद 7871 एलएमटी रही, जबकि इससे पहले की अवधि में यह केवल 4679 एलएमटी थी। 2014-25 के बीच किसानों को एमएसपी के तहत 16.35 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया गया, जबकि 2004-14 के दौरान यह केवल 4.75 लाख करोड़ था।

किसानों के लिए सस्ती ऋण योजना जारी रहेगी

केंद्र सरकार ने संशोधित ब्याज सब्सिडी योजना (एमआईएसएस) को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जारी रखने की मंजूरी दे दी है। इसका उद्देश्य किसानों को सस्ती दर पर ऋण उपलब्ध कराना है। योजना के तहत किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से 3 लाख रुपये तक के अल्पकालिक ऋण पर 7 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर लागू रहेगी। इसमें सरकार 1.5 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी देगी। वहीं, समय से ऋण चुकाने वाले किसान को 3 प्रतिशत तक की अतिरिक्त छूट दी जाएगी। इसे 'प्रॉम्प्ट रिपेमेंट इंसेंटिव' (पीआरआई) कहा जाता है। इससे किसानों को समय से भुगतान को लेकर प्रोत्साहन मिलेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आज जानकारी दी।

योजना की संरचना या किसी अन्य घटक में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसका लाभ पहले की तरह मिलेगा। सरकार के इस निर्णय से किसानों को खेती में पूंजी की उपलब्धता सुलभ होगी। यह कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने में सहायक होगा।

एक नजर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 10 जून को झारखंड के देवघर आयेंगी

रांची : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 10 जून को झारखंड के देवघर दौरे पर आएंगी। राष्ट्रपति भवन ने उनके दौरे का कार्यक्रम तय कर दिया है। इसकी आधिकारिक सूचना झारखंड के मुख्य सचिव को भेज दी गई है। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। इससे पहले राष्ट्रपति भवन ने 11 जून को देवघर आने की सूचना राज्य सरकार को दी थी, लेकिन अब इसमें बदलाव किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 10 जून को दोपहर तीन बजे देवघर पहुंचेंगी और सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगी।

एसीबी ने रिश्वत लेते रोजगार सेवक को किया गिरफ्तार

गिरिडीह : भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने बुधवार को गिरिडीह के जमुआ प्रखंड के रोजगार सेवक राजेश कुमार को पांच हजार रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। बताया गया कि घूसखोर रोजगार सेवक राजेश कुमार को जमुआ के सकरडीहा से दबोचा गया । मनरेगा योजना में आरोपित एक लाभुक से बकाया भुगतान कि मांग को लेकर पांच हजार का डिमांड किया था । लाभुक ने मामले कि जानकारी धनबाद एसीबी को दी।

वित्त आयोग की टीम के समक्ष राज्य के विकास का रोड मैप रखें : हेमन्त

- मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को अधिकारियों ने 16वें वित्त आयोग की टीम के झारखंड दौरे के मद्देनजर राज्य सरकार की तैयारियों से अवगत कराया। मौके पर वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर भी रहे मौजूद।
- मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री एवं अधिकारियों के बीच राज्य सरकार की ओर से वित्त आयोग के समक्ष की जाने वाली सिफारिशों को लेकर गहन विचार-विमर्श एवं चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कई अहम दिशा-निर्देश दिए।

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन बुधवार को कांके रोड, रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर एवं वरीय अधिकारियों की उपस्थिति में 16वें वित्त आयोग की टीम के झारखंड दौरे के मद्देनजर राज्य सरकार की ओर से की गई तैयारियों से अवगत हुए। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने अवगत कराया कि 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया के नेतृत्व में 11 सदस्यीय टीम 28 मई 2025 से चार दिवसीय दौरे पर झारखंड परिभ्रमण पर पधार रही है।

मुख्यमंत्री के समक्ष अधिकारियों ने यह जानकारी दी कि 16वें वित्त आयोग की टीम का आगामी 30 मई को रांची में राज्य सरकार के सभी मंत्रियों एवं अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होना प्रस्तावित है, इस बैठक में राज्य की वित्तीय स्थिति, प्रबंधन, अनुदान की राशि के खर्च करने का विवरण, केंद्रीय सहायता राशि का उपयोग सहित कई अन्य विषयों पर जानकारी ली जाएगी। राज्य सरकार की ओर से 16वें वित्त आयोग की टीम के जिज्ञासा से संबंधित पूरी तैयारी की गई है। राज्य सरकार द्वारा सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में हो रहे विकासात्मक कार्यों की भी पूर्ण जानकारी वित्त आयोग को दी जाएगी। वित्त आयोग की टीम के समक्ष कृषि कार्य हेतु राज्य में सिंचाई जल संग्रहण, विद्यार्थियों में क्वालिटी एजुकेशन, आम जनमानस को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करना, इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यटन के क्षेत्र में बढ़ावा राज्य सरकार की प्राथमिकता होगी। इस निमित्त सभी सेक्टर के आउटपुट पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत की जाएगी। बैठक में राज्य सरकार 16वें वित्त आयोग की टीम को एक ज्ञापन (मेमोरेंडम) सौंपेगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वित्त आयोग की टीम के समक्ष राज्य के विकास का रोडमैप रखें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि राज्य के भीतर शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकास की रफ्तार तेज हो, इस उद्देश्य के साथ हमारी सरकार निरंतर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि राज्य में कई ऐसे सेक्टर हैं, जिस पर अधिक फोकस रखने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्त आयोग के समक्ष राज्य सरकार की सिफारिश ऐसी हो, जिससे सभी वर्ग-समुदाय के लोगों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को वित्त आयोग के समक्ष राज्य सरकार की ओर से कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों को रखने संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि 29 मई को 16वें वित्त आयोग की टीम देवघर परिभ्रमण पर रहेगी, जहां बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में पूजा-अर्चना के पश्चात प्रमंडल स्तरीय स्थानीय निकाय (अर्बन एवं रुरल बॉडी) प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेगी। 30 मई को रांची में स्थानीय निकायों, ट्रेड इंडस्ट्री, चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात करेगी। इसके बाद राज्य सरकार के सभी मंत्रियों एवं अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई है। इस बैठक में राज्य की वित्तीय स्थिति, आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। 30 मई को ही वित्त आयोग की टीम झारखंड के प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी बातचीत करेगी। वित्त आयोग की टीम 31 मई को रांची से दिल्ली के लिए रवाना होगी।

बैठक में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, मुख्य सचिव अलका तिवारी, वित्त विभाग के सचिव प्रशांत कुमार, विशेष सचिव वित्त विभाग बी. राजेश्वरी सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

लूटा गया ट्रक तो मिला लेकिन नक्सली साथ ले गए 1500 किलो विस्फोटक

एजेंसी

राउरकेला : नक्सलियों द्वारा लूटे गए विस्फोटक से भरे ट्रक को ओडिशा में पुलिस ने बरामद कर लिया है। हालांकि उसमें मौजूद 200 पेटी जेलेटिन यानी विस्फोटक गायब है। नक्सली भारी मात्रा में विस्फोटक लेकर फरार हो गए हैं। पुलिस ने नक्सलियों की तलाश को तेज कर दिया है। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के केलबांग थाना क्षेत्र में नक्सलियों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया था। इस 200 पेटियों में करीब डेढ़ टन विस्फोटक सामग्री थी, जिसे लूट लिया गया है। यह ट्रक राउरकेला के बांको पत्थर खदान की ओर जा रहा था, जब सुंदरगढ़-राउरकेला सीमा पर लगभग 23 हथियारबंद नक्सलियों ने ड्राइवर को बंधक बनाकर ट्रक को सारंडा के घने जंगल में ले गए। घटना के बाद ड्राइवर को कुछ घंटों में रिहा कर दिया गया, लेकिन ट्रक और विस्फोटकों का अब तक पता नहीं चला। झारखंड और ओडिशा पुलिस ने हाई अलर्ट जारी कर सारंडा जंगल में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है। घने जंगल और रात के समय के कारण सुरक्षाबलों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यह घटना नक्सलियों की सक्रियता और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाती है।

नक्सलियों द्वारा लूटे गए विस्फोटक से भरे ट्रक को पुलिस ने बरामद कर लिया है। सारंडा के घने जंगल में यह ट्रक बरामद हुआ है। हालांकि उसमें मौजूद 200 पेटी जेलेटिन यानी विस्फोटक गायब है। नक्सली भारी मात्रा में विस्फोटक लेकर फरार हो गए हैं। पुलिस ने नक्सलियों की तलाश को तेज कर दिया है। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के केलबांग थाना क्षेत्र में नक्सलियों ने इस बड़ी वारदात को अंजाम दिया था। इस 200 पेटियों में करीब डेढ़ टन यानी 1500 किलो विस्फोटक सामग्री थी, जिसे लूट लिया गया है। बड़ा सवाल यह है कि आखिरी घने जंगलों में यह नक्सली कहां गायब हो गए हैं। यह ट्रक राउरकेला के बांको पत्थर खदान की ओर जा रहा था, जब सुंदरगढ़-राउरकेला सीमा पर लगभग 23 हथियारबंद नक्सलियों ने ड्राइवर को बंधक बनाकर ट्रक को सारंडा के घने जंगल में ले गए। घटना के बाद ड्राइवर को कुछ घंटों में रिहा कर दिया गया, लेकिन ट्रक और विस्फोटकों का अब तक पता नहीं चला।

तीन दिन में पांच राज्यों का दौरा करेंगे पीएम मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिनों तक देश के पांच राज्यों का लगातार दौरा कर वहां की जनता को सौगात दे रहे हैं। इसी कड़ी में पीएम मोदी लगातार पांच राज्यों के दौरे पर रहेंगे। वह तीन दिन के अंदर पांच अलग-अलग राज्य जाएंगे, जहां कई रैलियां और सभाओं को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी 29 मई को सबसे पहले सिक्किम जाएंगे, जहां वह 'सिक्किम@50: जहां प्रगति उद्देश्य से मिलती है और प्रकृति विकास को पोषित करती है' कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

सिक्किम में प्रधानमंत्री मोदी कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उनका उद्घाटन करेंगे। इनमें नमची जिले में 750 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाला 500 बिस्तरों का नया जिला अस्पताल, गंगटोक जिले के संगखोला में अटल अमृत उद्यान में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा की स्थापना, सिक्किम के 50 वर्ष पूरे होने पर स्मारक सिक्का, स्मृति सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया जाएगा। इस दौरान प्रधानमंत्री एक सभा को भी संबोधित करेंगे।

इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी उसी दिन दोपहर 2:15 बजे अलीपुरद्वार और कूचबिहार जिलों में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) परियोजना की आधारशिला रखेंगे। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल को कई अन्य योजनाओं की सौगात देने के बाद प्रधानमंत्री बिहार रवाना होंगे। 29 अप्रैल को ही प्रधानमंत्री पटना एयरपोर्ट के नए बने यात्री टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे। करीब 1200 करोड़ रुपए की लागत से बना यह नया टर्मिनल हर साल 1 करोड़ यात्रियों को संभाल सकता है। प्रधानमंत्री 1410 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से बिहटा एयरपोर्ट के नए सिविल एन्क्लेव की आधारशिला भी रखेंगे। बिहटा, पटना के पास एक शैक्षणिक केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है जिसमें आईआईटी पटना और प्रस्तावित एनआईटी पटना परिसर है।

30 मई को प्रधानमंत्री काराकाट में 48,520 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। क्षेत्र में बिजली के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देते हुए प्रधानमंत्री औरंगाबाद जिले में 29,930 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली नबीनगर सुपर थर्मल पावर परियोजना, चरण-क्क (3*800 मेगावाट) की आधारशिला रखेंगे, जिसका उद्देश्य बिहार और पूर्वी भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इससे औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के अवसर पैदा होंगे और क्षेत्र में सस्ती बिजली उपलब्ध होगी। क्षेत्र में सड़क और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री एनएच-119ए के पटना-आरा-सासाराम खंड को चार लेन का बनाने, वाराणसी-रांची-कोलकाता राजमार्ग (एनएच-319बी) और रामनगर-कच्ची दरगाह खंड (एनएच-119डी) को छह लेन का बनाने और बक्सर और भरौली के बीच एक नए गंगा पुल के निर्माण सहित विभिन्न सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे. इसके बाद पीएम मोदी यूपी दौरे पर रवाना होंगे। यहां वह लगभग 20,900 करोड़ रुपए की कई परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। पीएम मोदी कानपुर के सीएसए ग्राउंड में एक जनसभा भी करेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी 31 मई को मध्य प्रदेश के दौरे पर जाएंगे। सीएम मोहन यादव ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर बताया कि पीएम मोदी 31 मई को भोपाल में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर आयोजित महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम और महिला सम्मेलन में सहभागिता करेंगे।

वहीं मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के मुताबिक, 31 मई को पीएम मोदी का मध्य प्रदेश दौरा है। यहां वह वर्चुअली इंदौर मेट्रो ट्रेन की सौगात देंगे। सतना और दतिया में नव निर्मित एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे।

मणिपुर में सरकार बनाने की कवायद तेज एनडीए ने राज्यपाल को सौंपा समर्थन पत्र

एजेंसी

इंफाल : मणिपुर से बड़ी खबर आ रही है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, मणिपुर में सरकार गठन की कवायदों ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। भाजपा नीत एनडीए के 10 विधायक सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए इंफाल में राजभवन पहुंचे हैं। भाजपा के आठ, एनपीपी के एक और एक निर्दलीय विधायक ने राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मुलाकात की। उन्होंने दावा किया कि उनके पास 44 विधायकों का समर्थन है। मणिपुर में विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए बुधवार को राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को समर्थन का औपचारिक पत्र सौंपा और मौजूदा राजनीतिक अनिश्चितता के बीच एक स्थिर शासन विकल्प प्रदान करने की अपनी तत्परता दोहराई। राज्यपाल से मिलने के बाद विधायक राधेश्याम ने कहा, 'हमारे पास 44 विधायकों का समर्थन है और सभी भाजपा विधायक जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व करने वाली सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। हम राज्यपाल से हमारे बहुमत पर विचार करने और त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं। राज्यपाल से दावे की समीक्षा करने निर्दलीय विधायक निशिकांत सिंह ने कहा, 'ज्यादातर लोग चाहते हैं कि एक लोकप्रिय सरकार बने और यही कारण है कि हम राज्यपाल से मिलने यहां आए हैं। हमने अन्य बातों पर भी चर्चा की, जैसे कि लोकप्रिय सरकार बनने के बाद राष्ट्रपति शासन का कामकाज पहले जैसा नहीं रह सकता। मुख्य रूप से मुख्य मुद्दा एक लोकप्रिय सरकार का गठन था। राज्यपाल की प्रतिक्रिया भी अच्छी थी।' उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि जल्द ही सरकार का गठन हो जाएगा।

एक नजर

विभावि में स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकन प्रारंभ

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए चांसलर पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थी 29 मई से आवेदन कर सकेंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 21 जून, संध्या 6:00 बजे होगा। नामांकन की मेधा सूची प्रकाशित करने की प्रस्तावित तिथि 25 जून है। यह सूची का निर्धारण 12 वीं या समकक्ष परीक्षा में प्राप्त अंक तथा आरक्षण नियमावली के आधार पर किया जाएगा। आवेदन शुल्क ?300 निर्धारित किया गया है। सभी आवेदकों को निर्देश दिया गया है वह नियमित रूप से विश्वविद्यालय का वेबसाइट विजिट करते रहे ताकि उन्हें अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त होती रहे। आवेदक केवल अपने मेजर के विषय के आधार पर आवेदन करेंगे। अन्य विषयों का आवंटन महाविद्यालय में नामांकन के उपरांत किया जाएगा।

इमरान प्रतापगढ़ी से मिले साजिद

हजारीबाग : हजारीबाग कांग्रेस कमिटी अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष सह कांग्रेस नेता साजिद अली खान ने राज्यसभा सांसद सह कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष जनाब इमरान प्रतापगढ़ी के झारखंड आगमन पर एंव इटकी (रांची)मे मंगलवार को आयोजित जय हिंद सभा कार्यक्रम मे साजिद अली खान शमिल होकर हजारीबाग अल्पसंख्यक की ओर से जय हिंद सभा कार्यक्रम का प्रतिनिधित्व किया। इस अवसर पर साजिद अली खान ने इमरान प्रतापगढ़ी से मुलाकात कर झारखण्ड के ज्वलंत मुद्दो से उन्हे अवगत कराया और प्रदेश मे हो रहे लगातार मौब लिंचिंग पर सख्त कानून बनाने का मांग किया। साथ ही साथ वक्फ संसोधित बिल के खिलाफ जिस प्रकार से कांग्रेस पार्टी ने और विशेष कर इमरान प्रतापगढ़ी ने जिस प्रकार से मुसलमानो का वक्फ मामले मे पक्ष रखा वो काबिलेतारीफ है इसके लिए साजिद अली ने इमरान प्रतापगढी को मुबारकबाद दिया। जय हिंद सभाः कार्यक्रम मे मुख्य रूप से निसार खान,आबिद अंसारी, दरगाही खान,जमशेद खान, शाहिद शेख, दिलदार अंसारी, परवेज आलम, सोहेल अंसारी, शस्लीम, जावेद अंसारी, इत्यादि मुख्य रूप से शामिल हूए।

समर कैंप में सुरेखा स्कूल के बच्चों ने खूब की मस्ती

चौपारण : सुरेखा प्रकाश भाई पब्लिक स्कूल बहेरा में बुधवार को समर कैम्प का आयोजन किया गया। बच्चों ने समर कैम्प में खूब की मस्ती। समर कैंप में कई तरह की गतिविधियां शामिल थीं, जिसमे योग और एरोबिक्स कैंप की शुरूआत योग और एरोबिक्स सेशन से हुई, जिसने छात्रों को उत्साहित और ऊजार्वान बना दिया। आग के बिना खाना फूड विथाउट फायर छात्रों ने स्टॉल लगाए और खाद्य पदार्थ बेचे, जिससे उनके उद्यमशीलता कौशल और आत्मविश्वास का प्रदर्शन हुआ। संगीत और कला कैंप में संगीत प्रतियोगिताएं, रंगोली बनाना और पेंटिंग प्रतियोगिताएं शामिल थीं, जिससे छात्रों को अपनी रचनात्मकता व्यक्त करने का मौका मिला। खेल कैंप में टग ऑफ वार रस्सा खींच लेग क्रिकेट, शॉर्ट बाउंड्री क्रिकेट और शिक्षकों और छात्रों के बीच शॉर्ट बाउंड्री क्रिकेट मैच हुए, जिससे टीम वर्क और खेल भावना को बढ़ावा मिला।

डीसी ने की मनरेगा योजना की समीक्षा बैठक, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में मनरेगा योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उपायुक्त ने मनरेगा के अंतर्गत संचालित योजनाओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने विशेष रूप से उन प्रखंडों की पहचान की जिनका प्रदर्शन अपेक्षा से कम रहा है। उन्होंने इस पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए संबंधित बीपीओ, एई एवं रोजगार सेवकों को 15 दिनों के भीतर कार्य में सुधार लाकर संतोषजनक प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही, अधिकारियों को नियमित क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं की भौतिक प्रगति की निगरानी करने तथा ससमय डेटा अद्यतन करने के निर्देश भी दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि मनरेगा योजना न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने का माध्यम है, बल्कि यह क्षेत्रीय विकास को भी गति प्रदान करती है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे अधिक से अधिक मानव दिवस सृजन पर ध्यान केंद्रित करें तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करें। उन्होंने सबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि योजना की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए और समय पर श्रमिकों को उनकी मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निरीक्षण की प्रक्रिया को और अधिक सशक्त एवं नियमित बनाते हुए कार्यों में पारदर्शिता लाने पर भी बल दिया। बैठक के अंत में उपायुक्त ने कहा कि मनरेगा योजनाओं के माध्यम से हमें ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास एवं रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार प्रयासरत रहना होगा।

इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय, हजारीबाग के बेहतरीन प्रदर्शन से जिले का बढ़ा है मान : डीसी

हजारीबाग : झारखंड एकेडमी काउंसिल, झारखंड द्वारा 10वीं परीक्षा का परीक्षा फल जारी हो गया है। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने ने परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि इस परिक्षा में इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय,हजारीबाग की बेटियों ने कमाल कर दिखाया है। विशेष रूप से गीतांजलि ने 493 अंक (98 .60 प्रतिशत) प्राप्त कर राज्य में अव्वल स्थान प्राप्त किया है, जिससे जिले का मान बढ़ा है। साथ ही सर्वोच्च दस की सूची में इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय, हजारीबाग के 14 बच्चियां शामिल है जो अत्यंत गर्व का विषय है। उपायुक्त ने सभी विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और लगन की सराहना की,जिसके परिणामस्वरूप उन्हें शानदार सफलता हासिल हुई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विद्यार्थी भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहेंगे और अपने साथ-साथ जिले का नाम भी रोशन करेंगे। उपायुक्त ने परीक्षा में सफल हुए सभी छात्र छात्राओं के माता पिता को भी बधाई और शुभकामनाएं दी है।

हजारीबाग के नव पदस्थापित पुलिस अधीक्षक ने किया पदभार ग्रहण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग के नए पुलिस अधीक्षक के रूप में अंजनी अंजन ने आज अपना पदभार ग्रहण किया। कल झारखंड सरकार द्वारा जारी किए गए अधिसूचना के बाद आज उन्होंने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। वहीं हजारीबाग के निवर्तमान पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने नए पुलिस अधीक्षक का स्वागत बुके देकर किया। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि हजारीबाग वासियों में सुरक्षा को लेकर आश्वस्त करने के लिए निर्बाध तरीके से कार्य करता रहूंगा। वहीं उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को धन्यवाद देते हुए कहा कि इतने पुराने जिला का पुलिस अधीक्षक के रूप में जो उन्होंने योगदान देने के लिए भेजा है उनके भरोसे पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा। 1931 से यह जिला बना हुआ है जो कि झारखंड में अपना काफी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। क्राइम एवं विभिन्न तरह की अवैध चीजों पर हमारी पुख्ता नजर रहेगी। हजारीबाग वासियों को इन चीजों से आश्वस्त कर देना चाहता हूं ताकि उन्हें किसी भी तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े साथ ही जनता से भी सहयोग की अपेक्षा चाहता हूं।

श्री चित्रगुप्त मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों ने पूर्व डीसी नैंसी सहाय को दी भावभीनी विदाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिले की पूर्व उपायुक्त नैंसी सहाय को उनके उल्लेखनीय कार्यकाल के लिए श्री चित्रगुप्त मंदिर ट्रस्ट, हजारीबाग के सदस्यों ने भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर ट्रस्ट की ओर से उन्हें अंगवस्त्र और कलम भेंट कर सम्मानित किया गया। विदाई समारोह के दौरान ट्रस्ट के प्रमुख सदस्य अनुपम सिन्हा, अधिवक्ता राज प्रकाश, सुभम प्रकाश, अनुज सिन्हा सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। ट्रस्ट के सदस्यों ने नैंसी सहाय के प्रशासनिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनका कार्यकाल न केवल शांतिपूर्ण रहा, बल्कि विकास की दृष्टि से भी उल्लेखनीय रहा है। उनके कार्यों को हजारीबागवासी लंबे समय तक याद रखेंगे। उन्होंने बिना किसी विवाद के जिले में कई महत्वपूर्ण योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया और जनहित में उत्कृष्ट कार्य किया। नैंसी सहाय ने अपने तीन वर्ष तीन माह के कार्यकाल के दौरान हजारीबाग जिले को कई उपलब्धियाँ दीं। उन्होंने लोकसभा, विधानसभा और पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न कराया। इसके साथ ही, उन्होंने चार बार रामनवमी जैसे संवेदनशील पर्व को भी सफलतापूर्वक संचालित किया, जो प्रशासनिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण माने जाते हैं। प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों की मेजबानी भी उन्होंने जिले में बखूबी निभाई और उच्चस्तरीय प्रबंधन का प्रदर्शन किया। उनके नेतृत्व में जिले में विभिन्न सरकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया गया, जिससे आम जनता को सीधे लाभ प्राप्त हुआ। ट्रस्ट के सदस्यों ने कहा कि नैंसी सहाय का सहज, संवेदनशील और कर्तव्यनिष्ठ स्वभाव प्रशासन और आम जनता के बीच एक सेतु का कार्य करता रहा। उनका योगदान जिले के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित हुआ है।

दहेज उन्मूलन समिति क्षत्रिय महासभा बंगांवां परगना की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : दहेज उन्मूलन समिति क्षत्रिय महासभा उत्तरी छोटा नागपुर के बैनर तले क्षत्रिय महासभा बंगांवां परगना की एक आपातकालीन महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को क्षत्रिय धर्मशाला बरही में संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता परगना अध्यक्ष बसंत सिंह ने की और संचालन कैलाशपति सिंह ने किया। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग जिला अध्यक्ष दिनेश्वर सिंह उपस्थित थे। घंटों चली इस मैराथन बैठक में क्षत्रिय समाज के विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में मुख्य रूप से क्षत्रिय धर्मशाला बरही के अधूरे भवन निर्माण कार्य को पूरा करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। जिला अध्यक्ष दिनेश्वर सिंह ने इसे समाज की पहली प्राथमिकता बताते हुए सभी को एकजुट होकर कार्य को शीघ्र पूरा करने का आह्वान किया। केंद्रीय उपाध्यक्ष शंभूनाथ सिंह ने कहा कि मेरे खून का एक-एक कतरा क्षत्रिय समाज के उत्थान के लिए समर्पित है। धर्मशाला निर्माण का कार्य हमारी अस्मिता और एकजुटता का प्रतीक है, इसे हर हाल में पूरा करना होगा। बैठक के दौरान धर्मशाला निर्माण को लेकर आने वाली चुनौतियों का डटकर सामना करने का संकल्प लिया गया। कामेश्वर सिंह ने कहा, धर्मशाला निर्माण के अधूरे कार्य को पूरा करने में आने वाली सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए हम सब दृढ़ संकल्पित हैं। बैठक में उपस्थित प्रमुख लोगों में जिला अध्यक्ष दिनेश्वर सिंह, केंद्रीय उपाध्यक्ष शंभूनाथ सिंह, कामेश्वर सिंह, बसंत सिंह, सत्येंद्र कुमार सिंह, शंभू सिंह, कैलाशपति सिंह, सत्येंद्र सिंह, विनय सिंह, उपेंद्र सिंह, दिगंबर सिंह और सूरज सिंह समेत क्षत्रिय समाज के कई अन्य सदस्य शामिल हुए।

विद्यार्थी केंद्रीय पुस्तकालय का लाभ ले : कुलपति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग में चांसलर्स लेक्चर सीरीज के तहत पाँचवा व्याख्यान झारखंड का भू-विज्ञान एवं भूआकृति विषयक पर बुधवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर चंद्र भूषण शर्मा उपस्थित हुए। कार्यक्रम की शुरूआत भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. सरोज कुमार सिंह के स्वागत अभिभाषण एवं विषय प्रवेश से हुआ। इसमें इन्होंने बताया कि झारखण्ड के कोल्हान क्षेत्र विश्व का प्राचीनतम भूखण्ड का प्रतिनिधित्व करता है। कुलपति ने आयोजन की सलाह ना करते हुए विश्वविद्यालय की वर्तमान विधि व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु दृढ़ संकल्पना जाहिर की। साथ हीं उन्होंने भूगोल के उपस्थित छात्रों को पुस्तकालय जाने तथा हॉस्टल में नामांकन कराने के लिए प्रेरित किया। विनोबा भावे विश्वविद्यालय को पूरे झारखंड में उत्कृष्ट विश्वविद्यालय बनाने के लिए भी दृढ़ संकल्पित होकर काम करने पर बल दिया। बतौर मुख्य वक्ता रांची विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ जितेंद्र शुक्ला ने जियोलॉजी और ज्योमोरफोलॉजी पर चर्चा झारखंड के विशेष संदर्भ में की। उन्होंने चट्टानों के निर्माण की प्रक्रिया को अलग-अलग भू-वैज्ञानिक कालखंडों के अनुसार विस्तार से बताया। भू-वैज्ञानिक कालखंडों में निर्मित इन चट्टानों पर दीर्घ अवधि तक बाह्य बलों के प्रभाव पड़ने से बनने वाले विभिन्न स्थलाकृतियों यथा टॉर्स (बड़े शिलाखण्ड जो एक दूसरे पर रखे प्रतीत होते हैं), गुम्बदाकार पहाड़ियाँ, झरना, घाटियों को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया।

सांस्कृतिक पहचान के साथ आस्था और विश्वास का महापर्व है मंडप पूजा : रोशन लाल चौधरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव गांव प्रखंड अंतर्गत कि सुदरवर्ती पंचायत आंगो क्षेत्र के ग्राम उरेज गांव में शिव मंडा पर्व का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष में भव्य मेला एवं संस्कृति नागपुरी आर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया। अध्यक्षता रमन गंझू के द्वारा किया गया। उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक रोशन लाल चौधरी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि शिव पार्वती के आस्था का पर्व मंडा पूजा क्षेत्र के लोगों की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान बनी हुई हैशयह आस्था और विश्वास का प्रतीक है जलते अंगारों में चलकर लोग अपने अटूट आस्था का परिचय देते हैं। साथी उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में मैं 20 वर्षो से आना-जाना कर रहा हूं। मैं इस क्षेत्र के एक-एक समस्या से अवगत हूं। क्षेत्र का चौमुखी विकास करूंगा साथी सुख समृद्धि की कामना करता हूं। वह आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य कालेश्वर गंझू ने कहा कि इस गांव में वर्षो से मंडा पूजा होते आ रहा है हम सब ने एक दूसरे के सहयोग से इसको भव्य रूप दिया गया। और बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र का सबसे बड़ा मेला का आयोजन क्षेत्र के लोगों के सहयोग किया जाता है। पूजा एवं मिले में सहयोग करने वालों लोगों का आभार प्रकट करता हूं। वहीं मुखिया नीलम मिंज ने कहा कि मंडा पूजा हम सब का एक पारंपरिक त्यौहार है। जिसमें लोग शिव और पार्वती की पूजा करते हैं। यह उरेज मेला क्षेत्र का एक बहुत प्रसिद्ध मेला है। मंडा मेला देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे जिसमें स्थानीय लोगों के साथ-साथ क्षेत्र के आस-पास के दर्जनों गांव के लोग शामिल हुए। मेले में गुंज म्यूजिकल ग्रुप संस्कृतिक नागपुरी आर्केस्ट्रा का लोगों ने खूब आनंद लिया। वहीं गायक इग्नेश कुमार, मजबूल खान, नितेश कच्छप, सतीश कुमार, सुमन गुप्ता आदि के एक से बढ़कर एक आधुनिक नागपुरी एंव ठेठ नागपुरी गानों में रात्रि 27 जून से लेकर 28 जून 7:00 बजे सुबह तक लोग थे थिरकते नजर आए।वही मास्टर राजू, तमन्ना आदि के नृत्य पर लोगों ने लुत्फ उठाया और झूमते नजर आए। लोगों ने पारंपरिक व्यंजनों, मिठाइयां, झूले आदि का खूब आनंद लिया। भीड़ बहुत काफी थी पर कमेटी के लोगों ने काफी सूझबूझ के साथ पूजा एवं मेल को संपन्न कराया। मौके पर मुख्य रूप से विधायक रोशन लाल चौधरी, आजसू पार्टी की केंद्रीय सदस्य कालेश्वर गंझू, मुखिया निलंब मिंज, पंचायत समिति सदस्य संगीता कुमारी, मुखिया प्रतिनिधि संजय महतो एंव महेंद्र मांझी, पंसस प्रतिनिधि मुनेश्वर गंझू, समाजसेवी शिबू महतो, दिनेश कुमार, महमूद खान, बलदेव गंझू, राजू मुंडा, कपूरी ठाकुर सहित हजारों लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

कर्णपुरा महाविद्यालय में व्यापक घोटाले की जांच की मांग को लेकर ग्रामीणों कुलपति से की मुलाकात

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के कई गांवों के प्रतिनिधियों ने विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति से मिलकर उन्हें बुके भेंट कर स्वागत किया। और कर्णपुरा डिग्री महाविद्यालय से जुड़ी गम्भीर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के मामलों पर संज्ञान लेने की मांग की। ग्रामीणों ने कुलपति को सौंपे ज्ञापन में बताया कि कर्णपुरा डिग्री कॉलेज में डिग्री वितरण, नियुक्तियां, समिति गठन और सरकारी अनुदान में बड़े पैमाने पर फजीर्वाड़ा हुआ है। वहीं साथ ही साथ करोड़ों रुपये की सरकारी राशि का गबन किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले से स्थापित कर्णपुरा इंटर महाविद्यालय की भूमि, भवन, शिक्षक, शिक्षिकाएं और कर्मचारी आदि को डिग्री कॉलेज के रूप में प्रस्तुत कर विश्वविद्यालय से अवैध रूप से मान्यता प्राप्त की गई है। इतना ही नहीं महाविद्यालय की मान्यता के लिए फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से मात्र 4 डिसमिल भूमि को 1 एकड़ 4 डिसमिल दिखाया गया जो सीधा दस्तावेजी अपराध है। ग्रामीणों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों को चिह्नित किया जाए और उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। कुलपति महोदय ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि सभी बिंदुओं की गंभीरता से जांच करवाई जाएगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। इस प्रतिनिधिमंडल में पूर्व मुखिया बसंत नारायण सिंह, अनिरुद्ध कुमार दांगी, मोहम्मद इब्राहिम, सोनू इराकी, पारस कुमार साहू, अक्षय पांडे, आशीष यादव, सतीश कुमार दास समेत कई प्रमुख ग्रामीण नागरिक उपस्थित थे। ग्रामीणों ने कुलपति के आश्वासन पर संतोष जताया और उम्मीद व्यक्त किया है कि विश्वविद्यालय प्रशासन निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से कार्रवाई करेगा, ताकि शिक्षा की गरिमा बनी रहे और भ्रष्टाचार पर लगाम लगे। उक्त आशय की जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सोनू इराकी के द्वारा दिया गया।

सिकरी में मंडा पूजा व मेला 4 एवं 5 जून को

बड़कागांव : सिकरी में मंडा पूजा व मेला 4 एवं 5 जून को होगा। बुधवार को शिव भक्तों द्वारा शिव मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना के पश्चात गांव भ्रमण के लिए निकले। पाठ भगत बुधन महतो, फूल भगत जीबलाल महतो, पाठ बजनिया गणपत राम सहित सात शिवभक्त पूरे गांव में श्रद्धा भक्ति के साथ शिव भजन करते हुए भिक्षाटन हेतु गांव भ्रमण के लिए निकले। पूजा समिति के अध्यक्ष ने बताया कि 3 जून को शिव भक्तों द्वारा संझत और धूरलोटन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। 4 जून को शिव भक्त उपवास रहेंगे और शाम में मंदिर प्रांगण में मेले का आयोजन किया जाएगा। रात्रि में शिव भक्त दहकते हुए अंगारों पर चलकर आस्था व भक्ति का परिचय देंगे। 5 जून सुबह में भक्तों के द्वारा 51 फीट ऊंचे लट्ठे से परिक्रमा के बाद मेले व मंडा पूजा का समापन किया जाएगा। 4 जून रात्रि में बंगाल के कलाकारों द्वारा छऊ नृत्य का आयोजन किया जाएगा। मौके पर पंडित वासुदेव पांडेय, अध्यक्ष फूलचंद गिरी, कोषाध्यक्ष अनुज कुमार, सचिव अरुण कुमार, प्रभु महतो (मुखिया), कृष्ण सिंह, अशोक गुप्ता, पृथ्वीराज गुप्ता, नारायण महतो, कामेश्वर महतो, तुलसी राणा, कुलेश्वर ठाकुर, शिव भक्त बुधन महतो, जिबलाल महतो, गणपत राम, बिजली महतो, चमन बैठा सहित दर्जनों ग्रामीणों के द्वारा पूजा में सहयोग किया जा रहा है।

जैक का माध्यमिक परीक्षा का रिजल्ट जारी हजारीबाग का राज्य में मिला सातवां स्थान

हजारीबाग : मंगलवार को झारखंड एकेडमिक काउंसिल से जारी दसवीं के परीक्षा परिणाम में 94 .64 प्रतिशत के साथ हजारीबाग जिला सातवें स्थान पर रहा। इस परीक्षा में इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय, हजारीबाग की बेटियों ने अपना दबदबा कायम रखते हुए झारखंड में अपना डंका फि र एक बार बजा दिया। इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय, हजारीबाग की छात्रा गीतांजलि ने कुल 493 (98 .6) अंक लाकर स्टेट टॉपर होने का गौरव प्राप्त किया। गीतांजलि मूल रूप से गढ़वा जिले की भवनाथपुर की रहने वाली हैं। इनके पिता पारा टीचर हैं। गीतांजलि डॉक्टर बनने का सपना देखती हैं। टॉपर की सूची में भी इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय, हजारीबाग के ही कुल 14 छात्राओं ने स्थान हासिल कर जिले के नाम रोशन किया। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने जैक द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम के बाद परीक्षा में उत्तीर्ण सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों सहित जिले के सभी वरीय अधिकारियों को बधाई दी साथ ही परीक्षा में सफल हुए सभी छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने परीक्षा में किसी कारण से असफल हुए विद्यार्थियों को निराश न होने के साथ ही उन्हें दोगुनी जोश के साथ श्रम करने की सलाह दी ताकि सफलता उनके कदम चूमे।

नौ दिवसीय श्री श्री 1008 मां भगवती प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का कलश यात्रा के साथ हुआ शुभारंभ

बरही : बरही प्रखंड के चलंगा गांव में नौ दिवसीय श्री श्री 1008 माँ भगवती प्राण प्रतिष्ठा सह श्रीमद भागवत कथा एवं शतचंडी महायज्ञ का भव्य शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ। इस भव्य आयोजन की शुरूआत कलश यात्रा के साथ हुई, जिसमें बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने मुख्य जजमान को कलश प्रदान कर कलश यात्रा का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान पूजा कमिटी के पदाधिकारियों ने विधायक श्री यादव का अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया। विधायक मनोज यादव ने कहा कि इस पावन अवसर पर शामिल होना मेरे लिए अत्यंत सौभाग्य की बात है। यह यात्रा हम सभी को धार्मिक और आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि माँ भगवती की कृपा से हम सभी का जीवन मंगलमय और सुखदायी हो। साथ ही, उन्होंने यज्ञ आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में शांति और समृद्धि का संदेश देते हैं। बताते चलें कि पूरे चलंगा गांव और आसपास के क्षेत्रों में नौ दिनों तक चलने वाले इस आयोजन को लेकर भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। कलश यात्रा में विधायक मनोज कुमार यादव के अलावा जीप उपाध्यक्ष किशुन यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, मुखिया संघ अध्यक्ष विजय यादव, बरसोत मुखिया मोतीलाल चौधरी, अशोक यादव और मुन्ना यादव सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। सभी ने इस धार्मिक यात्रा को लेकर अपनी श्रद्धा और भक्ति को प्रकट किया।

रांची के छात्रों ने 2024-2025 ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विश्व के सबसे बड़े ओलंपियाड साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा आयोजित इंटरनेशनल ओलंपियाड परीक्षा 2024 - 25 में रांची के तीन छात्रों ने इंटरनेशनल रैंक प्राप्त किया है। जवाहर विद्या मंदिर की तविशा शर्मा ने इंटरनेशनल सोशल स्टडीज ओलंपियाड में पहली रैंक प्राप्त कर ,इंटरनेशनल गोल्ड रैंक और प्रमाण पत्र प्राप्त किया। इसी के साथ - साथ जवाहर विद्या मंदिर की अनाबिया हुसैन ने भी इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड में दूसरी रैंक प्राप्त किया, इंटरनेशनल सिल्वर मैडल और प्रमाण पत्र प्राप्त किया। वही उसी जवाहर विद्या मंदिर की नंदिनी सिन्हा ने भी इंटरनेशनल हिंदी ओलंपियाड में इंटरनेशनल ब्रोंज मैडल और प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए तीसरी रैंक प्राप्त किया। इस वर्ष के एसओएफ ओलंपियाड में 72 देशों के लगभग लाखों छात्रों ने भाग लिया, जिसमें रांची के 43700 से अधिक छात्र शामिल थे। जवाहर स्कूल, सेंट थॉमस स्कूल सहित रांची के उल्लेखनीय स्कूल प्रतिभागियों में शामिल थे। साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन ने दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में 2024-25 ओलंपियाड परीक्षाओं के टॉपर छात्रों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के 750 से अधिक छात्र और शिक्षक मौजूद थे। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जे.के महेश्वरी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस वर्ष 222 छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। इंटरनैशनल रैंक-1 पर आने वाले 74 छात्रों को 50,000 रुपये और गोल्ड मेडल, इंटरनैशनल रैंक-2 के विजेताओं को 25,000 रुपये और सिल्वर मेडल, जबकि इंटरनैशनल रैंक-3 के छात्रों को 10,000 रुपये और ब्रॉन्ज मेडल प्रदान किए गए। इस के साथ साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन ने शिक्षकों को भी सम्मानित किया। समारोह में छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश जे.के माहेश्वरी ने कहा कि आज की पीढ़ी को ज्ञान के साथ-साथ संस्कारों से भी सशक्त करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। शिक्षा के साथ-साथ उन्हें संस्कार देने की भी आवश्यकता है, जिससे वे राष्ट्रनिमार्ता बन सकें। जो लोग अपने भीतर शिक्षा का प्रकाश लेकर चलते हैं, वे कभी भी अधिक समय तक अंधकार में नहीं रहते साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन के संस्थापक निदेशक महाबीर सिंह ने बताया कि 2024-25 की ओलंपियाड परीक्षा में 72 देशों के 4000 शहरों की 96,499 से अधिक स्कूलों के लाखों छात्रों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि एसओएफ के पिछले 27 वर्षों से बच्चों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने का कार्य कर रहा है। ओलंपियाड में शामिल होने वाले छात्रों को उनकी योग्यता के अनुसार अंतरराष्ट्रीय, राज्य और स्कूल स्तर पर रैंक दी जाती है।

एक नजर

मारवाड़ी युवा मंच समर्पण शाखा ने की गौ सेवा

रांची : मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा ने बुधवार को हरमु रोड गौशाला में गौ सेवा की। समर्पण शाखा की अध्यक्ष पूजा अग्रवाल की अध्यक्षता में हर महीने की अमावस को गौ सेवा की जाती है। इसी क्रम में गौ सेवा का कार्यक्रम किया गया। मौके पर समर्पण शाखा की अध्यक्ष पूजा अग्रवाल ने कहा कि गौ माता की सेवा से बड़ी कोई सेवा नहीं है । इसलिए शाखा की ओर से समय-समय पर गौ सेवा की जाती है। सेवा कार्य पूर्व अध्यक्ष विनिता बिहानी की ओर से की गई। मौके पर गौ माता को पालक, हरी सब्जी, रोटी सहित अन्य सामाग्री खिलाई गई। गौ सेवा प्रभारी निकिता जालान ने गौ सेवा की सारी तैयारियां सुचारू रूप से की। कार्यक्रम में अध्यक्ष पूजा अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष विनिता सिंघानिया, सौम्या सामोता सहित अन्य सदस्य मौजूद थी। यह जानकारी संस्था की मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने दी।

छोटे बच्चों को निशाना बना छिनतई करने वाले गिरोह के 3 सदस्य गिरफ्तार

रांची : छोटे बच्चे को निशाना बनाने वाले गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार हुए हैं। एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस गिरोह के तीन सदस्य को गिरफ्तार किया है। जिनमें रोशन कुमार, अभिषेक सिंह और सतीश कुमार सोनी शामिल है। बुधवार की देर शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसएसपी ने बताया कि 27 मई को सूचना प्राप्त हुई कि विद्यानगर रोड नं0-3 कार्मेल हॉस्टल के नजदीक संत मेरी स्कूल के पास से स्कूटी में तीन लड़के सवार होकर एक छोटे बच्चे के गले से लॉकेट छीन कर भाग गये। जिसके बाद कोतवाली डीएसपी और सुखदेवनगर थाना के सीसीटीवी फुटैज की जांच के बाद छापामारी कर दो युवक को गिरफ्तार किया गया। इनकी निशानदेही इरगु रोड कुम्हार टोली स्थित भोला सन्स एंड ज्वेलर्स नामक दुकान से इस कांड में छिनतई की गई सोने जैसा लॉकेट एवं अन्य कांडों में छिनतई की गई लॉकेटों को बरामद किया जिसे विधिवत जप्त किया एवं छिनतई की गई समानों की खरीद बिक्री करने वाले सोनार सतीश कुमार सोनी को गिरफ्तार किया गया।राज्य ब्यूरो, रांची। राज्य में एक जुलाई से शराब की खुदरा दुकानों का संचालन उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। झारखंड राज्य बिवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) के अधीन राज्य में चल रही खुदरा दुकानों का संचालन प्लेसमेंट एजेंसियों के माध्यम से कराया जा रहा है।

झामुमो ने पार्टी का पक्ष रखने के लिए बनाया 11 सदस्यों का पैनल

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बुधवार को विभिन्न समाचार माध्यमों पर पार्टी का पक्ष रखने के लिए 11 पदाधिकारियों को अधिकृत करते हुए पैनल बनाया है। पार्टी की ओर से जिन पदाधिकारियों को अधिकृत किया गया है उनमें डॉ सरफराज अहमद गिरिडीह, मिथिलेश ठाकुर, पंकज मिश्रा, विजय हांसदा साहेबगंज, महुआ माजी रांची, विकास कुमार मुंडा रांची, नीलम मिश्रा धनबाद, प्रो अशोक कुमार सिंह, रांची, मनोज यादव पूर्वी सिंहभूम, तनुज खत्री रांची और धीरज दुबे गढवा का नाम शामिल है।

आईएएस विनय चौबे और गजेंद्र सिंह से पूछताछ के लिए दो दिनों की मिली रिमांड

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार आईएएस अधिकारी विनय चौबे और गजेंद्र सिंह से भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम दो दिनों तक गहन पूछताछ कर सकेगी। रिमांड की अवधि 29 मई, गुरुवार सुबह 10:00 बजे से शुरू होगी, जो 31 मई, शनिवार को सुबह 10:00 बजे समाप्त हो जाएगी। उसके बाद दोनों आरोपियों को एसीबी कोर्ट में पेश किया जाएगा। इससे संबंधित एसीबी की याचिका पर सुनवाई करने के बाद कोर्ट ने विनय चौबे और गजेंद्र सिंह से पूछताछ के लिए दो दिनों की रिमांड देने का फैसला सुनाया। एसीबी ने इनसे पूछताछ के लिए सात दिनों की पुलिस रिमांड अदालत से मांगी थी। दरअसल, 20 मई को विनय चौबे और तत्कालीन संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह को करीब 38 करोड़ रुपए के शराब घोटाला मामले में एसीबी की टीम ने गिरफ्तार किया था। छत्तीसगढ़ में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद रांची एसीबी ने मामले में वर्ष 2024 में प्रारंभिक जांच (पीई) दर्ज की थी। आरोप सही पाए जाने पर मामले में विजिलेंस ने क्रम संख्या 9/2025 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में नई उत्पाद नीति बनी थी। यह छत्तीसगढ़ के मॉडल के तर्ज पर बनाई गई थी। राज्य में छत्तीसगढ़ के सिंडिकेट हावी थे। थोक शराब की बिक्री पर छत्तीसगढ़ के सिंडिकेट का कब्जा था।

सरना विरोधी हैं कांग्रेस-झामुमो नहीं चाहते पेसा कानून : आजसू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आजसू पार्टी ने आरोप लगाया है कि झामुमो और कांग्रेस सरना आदिवासियों का हित नहीं चाहते, इसी कारण हेमंत सरकार पेसा कानून (पंचायत अनुसूचित क्षेत्र विस्तार अधिनियम, 1996) को हुबहू लागू नहीं कर रही है। पार्टी ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि हेमंत सरकार पेसा कानून के संबंध में 2019 और 2024 के चुनावों में किए गए वायदों को पूरा नहीं कर रही है। इससे सरना आदिवासी समुदाय में गहरा असंतोष है। आजसू पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत और प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि झामुमो और कांग्रेस सरना आदिवासी विरोधी एजेंडा पर कार्य कर रहे हैं। पूर्व में भी दोनों का इतिहास रहा है कि दोनों दलों ने झारखंड की भोली भाली जनता को छलने का काम किया और वर्ष 1993 में झारखंड आंदोलन की सौदेबाजी कर झारखंड राज्य निर्माण नहीं होने दिया था। उन्होंने कहा कि शराब और बालू माफिया के दबाव में झामुमो और कांग्रेस पेसा कानून को हुबहू लागू नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी मांग करती है कि हेमंत सरकार तत्काल पेसा कानून को लागू करे और झारखंड पंचायत राज अधिनियम, 2001 में आवश्यक संशोधन करे। आजसू नेताओं ने कहा कि हेमंत सरकार पेसा कानून लागू करने में पूरी तरह विफल रही है, जो सरना आदिवासी समुदायों के स्वशासन और रूढ़िवादी अधिकारों की रक्षा के लिए बनाया गया था। यह कानून आदिवासियों को जल, जंगल और जमीन पर स्वामित्व के साथ-साथ उनकी सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को संरक्षित करने का अधिकार देता है।

डॉ अविनाश व डॉ गीता मिला लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अमेरिका के न्यू जर्सी में आयोजित बिहार-झारखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका के स्वर्ण जयंती समारोह और ग्लोबल कॉन्क्लेव में रांची जिला के मूल निवासी डॉ अविनाश गुप्ता और उनकी पत्नी डॉ गीता गुप्ता को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें भारत और अमेरिका में स्वास्थ्य सेवा, समाज सेवा और सामुदायिक उत्थान के क्षेत्र में उनके अद्वितीय योगदान के लिए दिया गया। वह वर्तमान में नई जर्सी में रहते हैं। इस मौके पर उपस्थित पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने उन्हें बधाई दी। गुप्ता दंपति ने झारखंड के सुदूरवर्ती आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल हेल्थ क्लिनिक के माध्यम से हजारों जरूरतमंदों को निःशुल्क चिकित्सा सेवा, दवाएं, ब्लड टेस्ट, ईसीजी और एक्स-रे जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराईं। उन्होंने 115 से अधिक स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से 10,000 से अधिक रोगियों का उपचार किया है। भारत में उन्होंने 10 बेड कोविड केयर सेंटर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और एंबुलेंस देकर कई ज़िंदगियां बचाईं हैं। अमेरिका में श्री सिद्धिविनायक मंदिर और भारतीय सांस्कृतिक केंद्र के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने 150 करोड़ रुपयों से अधिक राशि सामुदायिक कार्यों के लिए एकत्र की। डॉ गुप्ता ने फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशंस के अध्यक्ष के रूप में अमेरिका में सबसे बड़े भारत दिवस परेड का आयोजन किया जो भारतीय संस्कृति का प्रतीक बन गया है। डॉ अविनाश बिजाना और मोनमाउथ मेडिकल सेंटर - साउदर्न कैंपस के भी अध्यक्ष रह चुके हैं। वर्तमान में वे ओसियन काउंटी बोर्ड ऑफ हेल्थ के सदस्य हैं।

असहाय मंदबुद्धि व्यक्ति को लाया गया सद्गुरु कृपा आश्रम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

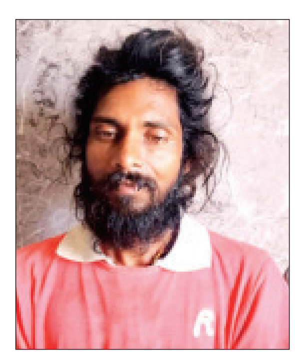

रांची : प्रणामी ट्रस्ट के अंतर्गत काम कर रही सामाजिक संस्था श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम, पुंदाग में चल रहे मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रित लोगों की निःशुल्क सेवा संस्था जनवरी 2024 से लगातार कर रही है। अपना घर आश्रम के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल और प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि दो दिन पूर्व एक मंदबुद्धि व्यक्ति को आश्रम में बुधवार को लाया गया जो मानसिक रोगी है। आश्रम की टीम को फोन से सूचना मिली की कांके रोड में एक लावारिस अवस्था में मंदबुद्धि व्यक्ति घूम रहा है। आश्रम की टीम ने उसे पिठौरिया से रेस्क्यू करके आश्रम लाया। इसके बाद रिंची हॉस्पिटल में उसकी मेडिकल जांच कराई गई। बाद सद्गुरु कृपा अपना घर में लाया गया। उस व्यक्ति का नाम और पते की कोई जानकारी नहीं मिली है। आश्रम कमेटी ने उसका नाम संतोष कुमार रखा है।

आश्रम की टीम को सूचना मिलने पर समय-समय पर जरूरतमदों को रेस्क्यू किया जाता है। आश्रम में रह रहे इन सभी निराश्रितों को गुरुजी सदानंद जी महाराज के सहयोग से घर जैसा माहौल देने की कोशिश की जाती है। प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि अभी सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में 37 दिव्यांग और निराश्रितों का समुचित देखभाल और सेवा की जा रही है।

विदेशी धर्म मानने वालों के प्रभाव में पेसा कानून लागू नहीं कर रही हेमंत सरकार : रघुवर दास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रघुवर दास ने बुधवार को कहा कि हेमंत सोरेन सरकार विदेशी धर्म मानने वालों के दबाव में राज्य में पेसा कानून लागू नहीं कर रही। एक सरना समाज के मुख्यमंत्री होने के बावजूद राज्य का जनजाति समाज अपनी पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था से वंचित है। उन्होंने कहा कि झारखंड के वीर महानायकों, जिनमें धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, सिदो कान्हू, पोटो और हो ने अंग्रेजों से इसी स्वशासन की व्यवस्था के लिए लड़ाईयां लड़ी, संघर्ष किया ,अपने बलिदान दिए। लेकिन आज की राज्य सरकार पेसा कानून लागू नहीं करके उनका अपमान कर रही है। दास बुधवार को प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि 1996 में देश में पेसा कानून लागू किया। इसके तहत सभी राज्यों ने पेशा नियमावली बनाई। लेकिन अगर झारखंड को देखा जाए, तो हेमंत सरकार पार्ट वन और टू के इतने वर्ष बीत जाने के बाद भी एक सरना मुख्यमंत्री होने के बावजूद राज्य में पेसा कानून लागू नहीं हुआ है। क्या पेसा कानून लागू होने से हेमंत सरकार को खतरा है। क्या इस डर से लागू नहीं कर रहे कि सरकार गिर जाएगी। रघुवर दास ने कहा कि झारखंड सरकार ने जुलाई 2023 में पेसा नियमावली प्रारूप को प्रकाशित कर पंचायती राज विभाग द्वारा आम लोगों एवं संस्थाओं से प्रतिक्रिया मांगी। इसके बाद मंतव्य के साथ नियमावली प्रारूप विधि विभाग को भेजी गई। महाधिवक्ता ने 22 मार्च 2024 को नियमावली प्रारूप पर अपनी सहमति दी और कहा कि नियमावली को सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के न्यायिक आदेशों के अनुरूप बनाया गया है। इतना ही नहीं इस संबंध में क्षेत्रीय सम्मेलन में भी गहन विचार-विमर्श हुआ, जिसमें भारत सरकार के साथ-साथ झारखंड ,ओडिशा ,छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश के प्रतिनिधि शामिल हुए और सभी ने पेसा प्रारूप नियमावली पर सहमति दी। दास ने आगे कहा कि जब सारी वैधानिक प्रक्रिया पूरी हो चुकी है तो फिर आखिर कौन सी शक्ति है जो इसे लागू होने से रोक रही है। क्या विदेशी धर्म को मानने वालों को नुकसान और सरना धर्म को फायदा होने वाला है, इसलिए इसे लागू नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विदेशी धर्म मानने वाले इस संबंध में लगातार भ्रम फैला रहे हैं। ऐसे लोगों ने समिति बनाकर 2010 से 2017 तक कानून को चुनौती दी। इसे पांचवीं अनुसूची वाले राज्य में नहीं, बल्कि छठी अनुसूची में लागू करने की मांग की, लेकिन उच्चतम न्यायालय ने इसे खारिज करते हुए पांचवीं अनुसूची के तहत लागू करने का आदेश दिया।

संक्षिप्त खबरें

मोर्चा ने राज्यपाल को जेपीएससी परीक्षा में हुई धांधली का सौंपा साक्ष्य

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग की ओर से ली गई 11वीं से 13वीं सिविल सेवा मुख्य परीक्षा परिणाम में हुई धांधली का साक्ष्य झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने राज्यपाल को सौंपा। मोर्चा के उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो ने छात्र मंडली के साथ बुधवार को राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात कर उक्त परीक्षा में हुई अनियमितता के साक्ष्य सौंपा। राज्यपाल से मिलने के बाद राजभवन के समक्ष मीडिया से बात करते हुए देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि संविधान के आर्टिकल 15 और 16 के कोटिवार आरक्षण का उल्लंघन किया जा रहा है। जारी नियुक्ति विज्ञापन की कंडिका 3 (ग) और झारखंड सरकार गजट, झारखंड संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा- 2023 के मुख्य परीक्षा नियमावली 19 (ख) की अवहेलना की गई है। उन्होंने राज्यपाल से जारी नियुक्ति विज्ञापन की शर्तों के अनुसार रिजल्ट के साथ कट ऑफ मार्क जारी करने, कोटिवार प्राप्तांक के साथ रिजल्ट प्रकाशित करने और इच्छुक छात्रों को अतिशीघ्र उत्तर पुस्तिका एवं मार्कशीट आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड करने की मांग की। मौके पर राज्यपाल ने आयोग को जवाब तलब करने का सकारात्मक आश्वासन दिया। छात्र शिष्टमंडली में देवेंद्रनाथ महतो, आशीष कुमार महतो, योगेश चंद्र भारती, बिरसा उरांव, तीर्थ कुमार सहित अन्य शामिल रहे।

नायक को पद्मश्री सम्मान मिलना आदिवासी-मूलवासियों के लिए गौरव का क्षण : नायक

रांची : हटिया निवासी महावीर नायक को पद्मश्री सम्मान मिलना झारखंड की सांस्कृतिक विरासत और आदिवासी-मूलवासी समाज के लिए गौरव का क्षण है। यह बातें आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने बुधवार को प्रतिक्रिया में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही। उन्होंने कहा कि यह न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि नागपुरी संस्कृति और आदिवासी-मूलवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दिलाने का प्रतीक है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से दिया जाने वाला यह सम्मान हम सभी के लिए गर्व का विषय है। नायक ने कहा कि महावीर नायक झारखंड के गौरव हैं। नायक झारखंड के प्रसिद्ध ठेठ नागपुरी गायक हैं। इन्हें भिनसरिया राग के राजा के रूप में जाना जाता है। नायक को यह समान देकर केंद्र सरकार ने देश के गली- कूचों में रहकर संस्कृति, लोक काव्य और समाप्त हो रही कला संस्कृति पुनर्जीवित करनेवालों कलाकारों को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान न केवल महावीर नायक की कला और समर्पण का सम्मान है, बल्कि यह नागपुरी संस्कृति, झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आदिवासी-मूलवासी समाज को सींचने की कोशिश है।

समर कैंप में छात्राओं ने सीखा जूडो कराटे

रांची : अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, रांची शाखा की ओर से शिवनारायण मारवाड़ी कन्या पाठशाला में आयोजित समर कैंप के तीसरे दिन बुधवार को नेशनल कराटे टीम के कोच सुनील किस्पोट्टा ने कक्षा सात और आठवीं की बालिकाओं को जूडो कराटे की बारीकियां सिखाई। उन्होंने बताया कि मौजूदा दौर में बच्चियों की आत्मरक्षा के लिए जूडो कराटे की शिक्षा अति आवश्यक है। जूडो कराटे की शिक्षा से छात्राएं निडर और स्वालंबी बनेंगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में रूपा अग्रवाल, अलका सरावगी, अंशु नेवटिया, मधु सर्राफ, सरिता अग्रवाल, उर्मिला पाड़िया, रीना सुरेखा, कमला विजयवर्गीय, बबीता नारसरिया, रीता केड़िया सहित अन्य, का योगदान रहा। यह जानकारी मीडिया प्रभारी रीना सुरेखा ने दी।

रघुवर बताएं उनके समय में क्यों नहीं बनी पेसा नियमावली : विनोद

रांची : पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास की ओर से हेमंत सरकार पर लगाए गए आरोपों पर सत्तासीन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भाजपा और रघुवर दास आदिवासी समाज के मुद्दों को लेकर केवल राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं, न कि समाधान देना। विनोद पांडेय ने कहा कि रघुवर दास को पेसा कानून की याद अब आ रही है, जबकि उनके पूरे शासनकाल में इस दिशा में एक भी ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने पूछा कि यदि उन्हें आदिवासी समाज की इतनी ही चिंता थी तो 2014 से 2019 के दौरान भाजपा सरकार ने पेसा कानून लागू क्यों नहीं किया। भाजपा नेता बताएं कि उन्होंने राज्यसभा, लोकसभा, विधानसभा आखिर कहीं पर सरना आदिवासी धर्म कोड या पेसा नियमावली के लिए कोई पहल नहीं की। उन्होंने कहा कि भाजपा को आदिवासियों के स्वशासन से नहीं, बल्कि सत्ता से मतलब है। झामुमो महासचिव ने कहा कि भाजपा को पेसा कानून की मूल भावना से नहीं, बल्कि इसे अपने एजेंडे के अनुसार मोड़ने में रुचि है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार पेसा नियमावली को लेकर गंभीरता से काम कर रही है और तमाम वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद अब अंतिम स्तर पर प्रक्रिया हो रही है। उन्होंने कहा की मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्वयं आदिवासी हैं, सरना धर्म को मानने वाले हैं और भाजपा को यह रास नहीं आता। इसलिए वह समाज को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। पांडेय ने भाजपा पर आदिवासी समाज को विदेशी धर्म और मूल धर्म के नाम पर बांटने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह वही भाजपा है, जो आदिवासियों को ईसाई बताकर उनकी नागरिकता, रोजगार और अधिकारों को संदेह के घेरे में खड़ा करती रही है।

बिहार जनता खान मजदूर संघ के महामंत्री रणविजय सिंह का यूनियन के लोगों ने किया स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : बिहार खान मजदूर संघ के बैनर तले धनबाद के कोयला नगर में मजदूर मिलन समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार मजदूर संघ के महामंत्री रणविजय सिंह मौजूद रहे । जिनका गर्म जोशी से स्वागत बिहार मजदूर संघ के लोगों ने किया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रणविजय सिंह ने कहा कि धनबाद में हो रहा है आउटसोर्स मजदूर से जुड़ी हुई जितनी भी समस्या चाहे वह नियोजन हो या फिर विस्थापन से जुड़ा हुआ मामला , यूनियन एकता के साथ मजदूरों के हित के लिए खड़ा है । और जितने भी आउटसोर्स धनबाद जिले में संचालित किया जा रहे हैं इसका पुरजोर विरोध आने वाले समय में किया जाएगा । आगामी 20 जुन को पांच यूनियन मिलकर जोरदार प्रदर्शन करेंगे । और साथी मजदूरों के हिस्से जुड़े हुए जितने भी समस्या है उसे रखने का काम करेंगे । बिहार मजदूर संघ और उनसे जुड़े हुए लोगों की जो भी परेशानियां है उसे कैसे जल्द से जल्द दूर किया जाए उसको लेकर दूसरी बार आज मजदूर मिलन समारोह का आयोजन कोयला भवन में किया गया है । हम सब एक रणनीति बनाकर आगे के अपने रणनीति को तय करेंगे । ताकि मजदूरों के हित में जो भी कार्य है वह पूरा किया जा सके। श्री सिंह का स्वागत कोयला भवन मुख्य द्वार पर मनोज राम और उनके सैकड़ो साथियों ने किया एवं श्री सिंह ने बाबा भीम राव अंबेडकर एवं सभी महापुरुषों के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और श्री सिंह और सैकड़ो कार्यकताओं पथ यात्रा कर कार्यक्रम स्थल पहुंचे जहां श्री सिंह का स्वागत रमेश सिंह,सत्येंद्र सिंह और संघ के सैकड़ो अधिकारियों ने किया आपको बता दे कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बिहार मजदूर संघ से जुड़े हुए लोग मौजूद रहे और बिहार मजदूर संघ और उनसे जुड़े हुए कर्मियों की जन समस्या से एक दूसरे को अवगत किया गया । और साथ ही आने वाले भविष्य में कैसे मजदूरों के हित में कार्य किया जाए उसको लेकर वातार्लाप हुई।मौके पर सैकड़ो लोगों ने दूसरे यूनियन को छोड़कर बिहार जनता खान मजदूर सदस्यता ली। सदस्यता लेने वाले लोगों का स्वागत महामंत्री ने फूलमाला पहनाकर किया। मौके पर बालेश्वर पाठक, सत्येंद्र सिंह, बबलू कुमार, खुर्शीद आलम, पंचू सिंह, महेश कुमार साव, रविंद्र सिंह, भोला साहनी, अरुण पासवान, प्रीतम रवानी, छोटू सिंह, विशाल सिंह, रवि सिंह, विनोद रवानी, अमीर रहीस, सुदर्शन अमन कुमार, मो मुस्तकीम एवं सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एक नजर

कसमार में पकड़ा गया अजगर सांप

बोकारो : कसमार प्रखंड के खैराचातर ग्राम में पकड़ा गया विशालकाय अजगर सांप। बीएसएल के सर्प मित्र और वन विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद गांव में पकड़ा जहां रिहायशी इलाका से इस सांप को पकड़ा गया और बोरा में भरकर दूर जंगल में छोड़ा गया। बताते चले की इन दिनों वारिश लगातार हो रही है और सांप के बिल में पानी भर जाने के कारण सांप के लगातार रिहायशी इलाकों में विचरण करते हुए देखा जा रहा है। पिछले दिनों सांप के काटने से चास प्रखंड के मिर्धा गांव की रहनेवाली एक महिला की मौत हो चुकी है। इस अजगर सांप के पकड़े जाने के बाद लोगो ने राहत की सांस ली है। ये अजगर सांप एक घर के बागान में कुंडली मारकर बैठा हुआ था जिसकी सूचना ग्रामीणों ने वन विभाग को दिया जिसके बाद वन विभाग की टीम ने सर्प मित्र एमपी पांडे को दिया जिसने कड़ी मशक्कत के बाद सांप का रेस्क्यू करते हुए जंगल में छोड़ा।

इंजीनियर बनना चाहती है कोमल कुमारी

चास : प्रखंड श्री महावीर जी उच्च विद्यालय प्लस टू बिजुलिया के कोमल कुमारी पिता खोकन तिवारी (ऊसरडीह) ने विद्यालय में सेकंड टॉपर प्राप्त कर विद्यालय समाज व परिवार का नाम रोशन किया है । कोमल कुमारी ने कहा की मै इंजीनियर बनकर देश की सेवा करना चाहता हूं । कोमल कुमारी ने कहा की किसी भी विद्यार्थी को पहले अपने सिलेबस को पूरा कर लगातार अभ्यास करना चाहिए तभी सफलता मिलेगी। आगे पढ़ाई में पूरा मेहनत करेंगे और इंजीनियर बनकर देश की सेवा करेंगे। पिता खोकन तिवारी इलेक्ट्रो स्टील वेदांत में प्राइवेट कंपनी मे कार्य करते हैं। माँ रिकुं देवी ग्रहणी है। माता-पिता विद्यालय शिक्षक और कोचिंग के शिक्षक मनजीत तिवारी के दिशा निर्देश मैं पढ़ाई कर सफलता प्राप्त की है। इनकी सफलता पर अजय तिवारी, जितेंद्र नाथ तिवारी, लक्ष्मी देवी, इन्द्रजीत तिवारी, दिपीका कुमारी, आयुष, प्रोफेसर सत्यवान उपाध्याय, मुखिया भारो देवी, पुर्व मुखिया सुधांशु राजवार, उमेश कुमार साह, आदि लोगों ने बधाई दी हैं।

77 वर्ष की आयु में समाज सलाहकार की माता का निधन, जताया शौक

बोकारो : क्षेत्रीय राजपूत समाज जोन पांच बोकारो के सलाहकार जगपति सिंह के 77 बर्षो माता सावित्री देवी का निधन मंगलवार को पैतृक गांव गोपीनाथ पुर हो गया। निधन की खबर सुनकर गाँव समाज के लोग पहुंचे तथा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। समाज केन्द्रीय अध्यक्ष जनमेजय सिंह, महामंत्री शीरिष सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष सुरेन्द्र नाथ सिंह, संगठन मंत्री रधुनाथ सिंह,प्रवक्ता राधेश्याम सिंह, रमेश कुमार सिंह,कोषाध्यक्ष रामचरित सिंह, अंकेक्षक रामविलास सिंह, जोनल अध्यक्ष निपु सिंह, प्रभाष सिंह, सुचीन सिंह, मानिक सिंह, अतुल प्रसाद सिंह, सहित केन्द्रीय, जोनल व ग्रामीण कमेटी के पदाधिकारी- सदस्यों ने शौक जताया है।

धनबाद के नए एसएसपी प्रभात कुमार ने लिया पदभार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद के नए एसएसपी प्रभात कुमार ने बुधवार को धनबाद के सातवें एसएसपी के रूप में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर निवर्तमान एसएसपी हृदीप पी जनार्दनन ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। वहीं पदभार ग्रहण करने के बाद एसएसपी ने मीडिया से कहा कि लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अग्रिम पुलिसिंग पर विशेष ध्यान केंद्रित रहेगा। जिससे आम लोग पुलिस के पास आसानी से पहुंच सकेंगे। पुलिस की उपस्थिति अब सड़कों के साथ हर चौक चौराहे पर दिखेगी। धनबाद पुलिस टीमवर्क बनाकर 24 घंटे जनता की सेवा के लिए तत्पर रहेगी। वहीं निवर्तमान एसएसपी ने कहा कि यहां की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास किया है। संगठित अपराध पर काबू करने में पुलिस ने कामयाबी हासिल की है। कहा नए एसएसपी के नेतृत्व में भी वैसा ही काम जारी रहेगा। मौके पर सिटी एसपी अजीत कुमार, डीएसपी शंकर कामती, नौशाद आलम, सुमित कुमार के अलावा सभी एसडीपीओ, सभी थाना प्रभारी मौजूद थे।

महिला वस्त्र निर्माण गारमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली श्री धर्मस्थला मंजूनाथेश्वर शिक्षण ट्रस्ट एवं केनरा बैंक द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान सिल्ली में 31 दिवसीय महिला वस्त्र निर्माण गारमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम का उदघाटन समारोह दीप प्रज्वलित कर, मुख्य अतिथि अमिता राही टूटी बीपीएम जे एस एल पी एस सिल्ली राँची के द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न प्रखंड सिल्ली, बुंडू , बूरमु , से आए 35 प्रशिक्षणाथीयों ने भाग लिया। मुख्य अथिति ने यह संदेश दिया की आप सभी लोग मन से और संस्थान में रहकर प्रशिक्षण प्राप्त करे क्योंकि आज के दौर में बिना स्किल्स के व्यक्ति बेकार है । आप सभी को टेलरिंग के क्षेत्र में प्रक्षिक्षण लेकर अपना खुद का स्वरोजगार करे। वित्तीय सहायता के लिए महिला समिति भी आप के शाथ है लोन देने के लिए । यहां पर व्यक्तित्व विकास का भी प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि आप अपना स्वरोजगार बेहतर तरीका से कर सकते है। रुडसेट संस्थान के निदेशक संजीत कुमार ने यह कहा कि आज के दौर में महिलाएं टेलर बहुत कम देखने को मिलता है, आप अच्छे से प्रशिक्षण लेकर अपना स्वयं का स्वरोजगार करे और आप बेहतर तरीका से कार्य करे,और आप एक सफल उद्यमी बने। मंच का संचालन वरिष्ट संकाय अनिल कुमार ने किया। मौके पर डीएसटी शोभा देवी, दशरथ कुमार महतो, महेश रुहिदास, उपस्थिति रहे।

स्टील प्लांट में मृत कर्मचारियों के आश्रितों ने की बैठक, प्रबंधन से स्थाई नियोजन की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो मृत कर्मचारी आश्रीत संघ की सप्ताहीक बैठक आज टु टेंन्क गार्डन में बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता सकील अहमद एवं संचालन बाबु जी माझी ने की संघ के सकील अहमद ने आश्रीतों को सम्बोधित करते हुए कहा विगत दिनांक 17/05/25 को संघ के दो प्रतिनीधी मुख्य महाप्रबंधक (ल्फ) एवं कार्मिक के वरीय अधिकारियों के साथ वार्ता हुई। जिसमें आश्रीतों के चार सुत्री मांग पर नियम संगत प्रावधान के तहत चर्चा की गई जिसमें वरिय अधिकारीयो से नियम संगत प्रवधान के तहत प्रस्ताव रखा गया जिसमें मुख्य महाप्रबंघक ल्फ ने अस्वस्त करते हुए उन्होंने 15 दिनों के अन्दर स्थाई नियोजन के तहत चार सुत्री माँग पर अगली बैठक तय की गई है जो की 02/06/25 को होना है बोकारो मृत कर्मचारी आश्रीत संघ मृख्य महाप्रबंधक ल्फ से माँग करती है की स्थाई नियोजन हेतु तत्काल कार्रवाई करते हुऐ अपने मृत कर्मचारी के परिवार को न्याय देने का काम करें अभी तक आश्रीत संघ संयम का परिचय देते आई है परंतु फिर से नियोजन पर प्रबंधन ठोस कदम नहीं उठाती है तो लोकतांत्रिक आन्दोलन करने के लिए हमें संविधान इजाजत देती जो हम सभी आश्रित कभी भी किसी भी दिन करने लिए तैयार है मुख्य रूप से -: सम्भु कुमार, सत्यजीत कुमार, अशोक कुमार, मुन्ना कुमार, सोहन माँझी, अर्जुन हजाम, शिवधनी माझी, पानमती कुमारी, बासमती कुमारी भागवती कुमारी, फुलमनी कुमारी, शशीकांत कुमार, घाशी मांझी, सेंकड़ों आश्रित मौजुद थे।

झामुमो कार्यकर्ता करेंगे पीडीएस दुकानों की निगरानी : मंटू यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड मुक्ति मोर्चा ने पीडीएस दुकानों पर पारदर्शी राशन वितरण सुनिश्चित करने की पहल की है। झामुमो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव के नेतृत्व में झामुमो के एक प्रतिनिधि मंडल ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खलको से मुलाकात की और जून माह में तीन महीने का राशन एक साथ वितरित किए जाने के प्रशासनिक निर्णय का स्वागत किया। झामुमो नेता मंटु यादव ने बताया कि प्रत्येक पीडीएस दुकान पर झामुमो के दो महिला और दो पुरुष कार्यकर्ता निगरानी के लिए तैनात रहेंगे, जो वितरण प्रक्रिया की बारीकी से निगरानी करेंगे। कार्यकताओं को निर्देश दिया गया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि राशन लेने के बाद ही कार्डधारी अंगूठा लगाएं। अक्सर देखा गया है कि दुकानदार पहले अंगूठा लगवा लेते हैं, लेकिन बाद में पूरा राशन नहीं देते। झामुमो ने स्पष्ट किया है कि अगर किसी दुकानदार द्वारा गड़बड़ी की जाती है तो उसकी शिकायत प्रशासन से की जाएगी और कार्रवाई की मांग की जाएगी। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने भी आम जनता से अपील की है कि किसी भी तरह की अनियमितता की सूचना तुरंत विभाग को दें ताकि समय रहते उचित कदम उठाया जा सके। प्रतिनिधि मंडल में चास नगर अध्यक्ष प्रमोद तापड़िया, महानगर कोषाध्यक्ष मिथुन मंडल, चास नगर सचिव भागीरथ शर्मा, सदानंद गोप, अशोक हेंब्रम, शंभू गुप्ता इत्यादि।

बिरहोर जाति प्रमाण पत्र में हो रही परेशानी अबुआ आवास योजना से भी वंचित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खलारी : खलारी प्रखंड स्थित विधायक कार्यालय में जनसमस्याएं सुनने पहुंचे विधायक प्रतिनिधि मोनू रजक से मैक्लुस्कीगंज क्षेत्र की कई महिलाएं मिलीं और उन्होंने अपनी समस्याएं उनके समक्ष रखीं। महिलाओं ने बताया कि बिरहोर समुदाय के लोगों को जाति प्रमाण पत्र बनवाने में विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनके बच्चों की शिक्षा में बाधा उत्पन्न हो रही है।महिलाओं ने यह भी बताया कि उन्होंने डीसी कार्यालय रांची तक भी अपनी बात रखी, लेकिन अब तक समाधान नहीं मिल सका है। इसके अलावा, उन्होंने अबुआ आवास योजना से वंचित रहने की शिकायत भी की। महिलाओं का कहना था कि योजना का लाभ उनके गांव तक नहीं पहुंच पाया है और दैनिक जीवन में कई अन्य समस्याओं से भी उन्हें जूझना पड़ रहा है। मिलने पहुंची महिलाओं ने विधायक प्रतिनिधि से आग्रह किया कि जनप्रतिनिधि स्वयं गांव आकर वस्तुस्थिति देखें और समाधान सुनिश्चित करें। इस दौरान महिलाओं में सरकार व प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश देखा गया। मौके पर खलारी प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष साबिर अंसारी, मो. बसीर अंसारी एवं मो. जाकीर अंसारी भी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

सड़क पर पड़े असहाय बुजुर्ग दंपत्ति का इलाज कराकर पवित्रम सेवा परिवार ने पहुंचाया वृद्धाश्रम

धनबाद : पवित्रम सेवा परिवार के सदस्यों ने बीते दिन बुजुर्ग दंपत्ति को वृद्धाश्रम पहुंचाकर मानवता की एक मिसाल कायम की है। कोलकाता निवासी 70 वर्षीय कन्हैया अग्रवाल व उनकी 65 वर्षीय पत्नी संतोष अग्रवाल को वृद्धाश्रम पहुंचाया। बुजुर्ग दंपत्ति की 3 बेटियां हैं। लेकिन पारिवारिक कारणों से कोई इनकी देखभाल नहीं करता है। बुरी हालत में भूइंफोड़ मंदिर के पास सड़क पर गिरा देख पवित्रम सेवा परिवार के सदस्यों ने पहले एसएनएमसीएच में भर्ती करवाया। इनके परिवार के लोगों से बात की। संस्था ने कृष्णा अग्रवाल, सुशील सांवरिया, कृष्ण जिंदल के माध्यम से इनके परिवार के साथ सामंजस्य बनाने का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हुआ। इलाज के बाद बुजुर्ग दंपत्ति को पवित्रम के संस्थापक अजय भरतिया के नेतृत में सत्य प्रकाश मानव, गायत्री देवी, राकेश खण्डेलवाल, प्रेम पासवान, बप्पी बाउरी,संजय सिंघल, प्रेम पासवान व मीडिया प्रभारी बप्पी बाउरी ने बुजुर्ग दंपत्ति को लालमणि वृद्धाश्रम पहुंचाया।

बीएसएल सीएसआर के तहत बिशुनपुर गांव में निःशुल्क मेडिकल कैंप, 225 मरीजों का इलाज

बोकारो : बुधवार को बोकारो स्टील प्लांट (इरछ) के सीएसआर विभाग की पहल पर बालीडीह के परिक्षेत्रीय गाँव बिशुनपुर में नि:शुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में कुल 225 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर मुफ्त दवाएं वितरित की गईं। मधुमेह, ब्लड प्रेशर, मलेरिया, हीमोग्लोबिन आदि की जांच की गई। नेत्र परीक्षण के बाद 14 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए बोकारो जनरल अस्पताल रेफर किया गया। कैंप में बीजीएच के डॉक्टर साकेत मिश्रा, डॉ ममता (शिशु रोग), डॉ जया (स्त्री रोग), डॉ सुशील कुमार (नेत्र), डॉ नीलम (दंत), डॉ अफसार आलम (सर्जरी), डॉ विनोद (चर्म रोग) समेत विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ शामिल रहे। कैंप के सफल आयोजन में बीएसएल के महाप्रबंधक (सीएसआर) श्री बी बनर्जी, श्री एस सी तिवारी, संजीव सिंह, संतोष कुमार और पीरामल स्वास्थ्य की मेडिकल टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

संत जेवियर्स स्कूल बोकारो में दस दिवसीय समर कैंप का हुआ आयोजन

बोकारो : हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बोकारो के सेंट जेवियर्स विद्यालय में ग्रीष्मकालीन शिविर का एक भव्य आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम 16 मई 2025 से 27 मई 2025 तक चला और इसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस कार्यक्रम में लगभग 500 बच्चों की भागीदारी रही। गर्मी की छुट्टियों में आयोजित यह शिविर बच्चों के लिए केवल खेल और मस्ती का साधन नहीं होता बल्कि यह उन्हें जीवन की अनमोल शिक्षाएँ देने वाला एक सुंदर अनुभव बन जाता है। विद्यार्थियों को खेलकूद के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया, जैसे झ्र फुटबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, खो-खो, कराटे। इस वर्ष दो और खेलों कबड्डी और स्विमिंग को जोड़ा गया। इसके अलावा अन्य गतिविधियों का भी आयोजन किया गया जैसे म्यूजिक, कर्सिव लिखावट और जुंबा। विद्यालय द्वारा आयोजित यह ग्रीष्मकालीन शिविर में विद्यालय के प्रधानाचार्य महोदय फादर अरुण मिंज, एस.जे. ने कहा कि यह समर कैंप बच्चों के योग्यता को उभारने में वास्तविक रूप से सहायता करता है। खेल और अन्य गतिविधियां शरीर को तंदुरुस्त रखती हैं और मानसिक तनाव को भी दूर करती हैं। बच्चों को मोबाइल, टीवी आदि से दूर रखकर प्रकृति और असली जीवन से जोड़ती है। फादर अरुण ने बताया कि जिस प्रकार जल मछली के जीवन के लिए मायने रखती है उसी प्रकार से हर विद्यार्थी के जीवन में शारीरिक गतिविधि अत्यन्त महत्वपूर्ण है जो कि विद्यार्थियों को आगे बढ़ने में सक्षम बनाता है। दस दिनों से चल रहे इस समर कैंप में विद्यालय द्वारा हर खेल के विशेषज्ञ को बुलाया गया था जिन्होंने विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया। इस कार्यक्रम का सफलता का श्रेय विद्यायल प्रबंधन के साथ-साथ वरिष्ठ खेल शिक्षक शशि सर एवं अमृत लता को जाता है। समापन समारोह में विद्यालय के प्रधानाचार्य फॉदर अरुण मिंज, एस० जे० के साथ प्लस टू के उप-प्रधानाचार्य श्री देवाशीष गुप्ता एवं हाई स्कूल के उप-प्रधानाचार्य श्री दीपक चौधरी मौजूद रहे ।

विधायक ने किया बंडु का दौरा, कई योजना का किया शिलान्यास व उदघाटन

खलारी : बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक रोशनलाल चौधरी ने बुधवार को पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र के निकटवर्ती बुण्डु पंचायत का दौरा किया।इस दौरान स्थानीय भाजपा और आजसु के कार्यकताओं ने विधायक रोशनलाल चौधरी का जोरदार तरीके से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कई योजना का शिलान्यास एवं उद्घाटन भी किया। जानकारी के मुताबिक जल संसाधन विभाग की राज्य संपोषित योजना मद से स्वीकृत बुंडू पंचायत अंतर्गत खपिया मध्यम सिंचाई योजना के जीर्णोद्धार कार्य का उन्होने शिलान्यास किया।वही बुंडू पंचायत के अंतर्गत भगत मोड बाजारटांड एवं दूधीगड़ा टोला में 100 केवीए का दो ट्रांसफार्मर का विधिवत फीता काटकर एवं नारियल फोड़कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल एवं बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही फूल मालाओ एवं ढोल नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस संबंध में विधायक रोशनलाल चौधरी ने कहा कि बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी पंचायत के मोहल्ला और टोला में विकास कार्य को आगे बढ़ाना उनकी प्राथमिकता है।

एक नजर

पलाश आजीविका दीदी कैफे का हुआ उद्घाटन

ईचागढ़ : बुधवार को कुकडू प्रखंड कार्यालय परिसर में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के तहत पलाश आजीविका दीदी का उद्घाटन हुआ। इस कैफे का संचालन माँ तारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जाएगा, जो ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करेगा। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो, कुकडू सीओ सत्येंद्र नारायण पासवान और प्रखंड प्रमुख प्रतिमावाला पातर ने फीता काटकर इस पहल की शुरूआत की। जानकारी देते हुए जेएसएलपीएस के कुकडू प्रखंड के बीपीएम अमित कुमार दुबे ने बताया कि दीदी कैफे में स्थानीय और पारंपरिक व्यंजनों के साथ-साथ नाश्ता, भोजन और अन्य खाद्य पदार्थ किफायती दामों पर उपलब्ध होंगे। वहीं जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो ने कहा कि यह पहल न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करेगी, बल्कि प्रखंड कार्यालय आने वाले लोगों को स्वच्छ और किफायती भोजन की सुविधा भी उपलब्ध होगा।

मुख्यमंत्री राहत कोष से ईलाज के लिए गुरा कालिंदी को मिला एक लाख का चेक

ईचागढ़ : प्रखंड क्षेत्र के गौरांगकोचा निवासी गुरा कालिंदी के पांच बर्षीय पुत्री आनन्दा कालिंदी लीवर की समस्या से ग्रसित है। चिकित्सको द्वारा अबिलंब ऑपरेशन की सलाह दी गई है। इस बात को गुरा कालिंदी नें विधायक सविता महतो को बताया और ईलाज में मदद करने का आग्रह किया। विधायक सविता महतो ने मामले को गंभीरता से लेकर मुख्यमंत्री राहत कोष से आनन्दा कालिंदी के ईलाज के लिए एक लाख रुपये का चेक उनके पिता गुरा कालिंदी को सौंपा। उक्त बात कि जानकारी झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलु महतो नें दी।

जिला स्तरीय संविधान बचाओ कार्यक्रम में गूंजा लोकतंत्र का स्वर

संविधान में प्रदत्त अधिकार का संरक्षण हमारी पहली जिम्मेदारी : कालीचरण मुंडा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : नगर भवन में बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा संविधान बचाओ अभियान के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अगुवाई जिला अध्यक्ष डेविड तिर्की ने किया। जबकि मंच संचालन जिला परिषद सदस्य जोसिमा खाखा एवं बिपिन पंकज मिंज ने किया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के प्रदेश सचिव एवं प्रदेश सह प्रभारी डॉ. सीरिबेला प्रसाद उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बंधु तिर्की, सांसद कालीचरण मुंडा, सिमडेगा विधायक एवं सिमडेगा जिला संगठन प्रभारी भूषण बाड़ा, कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी, जिला पर्यवेक्षक रमा खलखो उपस्थित थे।कार्यक्रम में शामिल लोगों ने संविधान की प्रस्तावना पढ़कर इसकी रक्षा का संकल्प लिया। अतिथियों का स्वागत जिलाध्यक्ष डेविड तिर्की ने किया। वहीं धन्यवाद ज्ञापन मनोज जायसवाल ने किया। मौके पर महिला कार्यकारी अध्यक्ष सीमा सीता एक्का, जिला कांग्रेस कमेटी के सभी पदधारी, महिला, युवा एवं प्रखंड कमेटी के पदधारी, सभी विंग के कार्यकर्ता एवं पदधारी उपस्थित थे। मौके डॉ. सीरिबेला प्रसाद ने कहा कि भारत का संविधान हमारे लोकतंत्र की आत्मा है। आज जब लोकतंत्र पर खतरा मंडरा रहा है, तब हमें एकजुट होकर इसे बचाने का संकल्प लेना होगा। कांग्रेस पार्टी हमेशा से संविधान की रक्षक रही है और रहेगी। झारखंड की माटी में जन्मे आदिवासी समुदायों ने हमेशा न्याय और हक की लड़ाई लड़ी है। आज भी वही भावना हमें प्रेरित करती है।

संविधान सिर्फ एक किताब नहीं, यह हमारी पहचान है: बंधु तिर्की

बंधु तिर्की ने कहा कि आज का दिन सिर्फ सभा करने का नहीं, बल्कि संविधान की रक्षा के लिए जनजागरण फैलाने का है। संविधान सिर्फ एक किताब नहीं, यह हमारी पहचान, हमारा हक और हमारा भविष्य है। भाजपा सरकार इसे कमजोर करने की साजिश कर रही है, हमें एकजुट होकर इसका विरोध करना होगा। सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि कांग्रेस बार-बार संविधान की भावना के खिलाफ लिए जा रहे फैसलों का विरोध करता रहा है। संविधान ने हमें जो अधिकार दिए हैं, उनका संरक्षण हमारी पहली ज़िम्मेदारी है। इसके लिए कांग्रेस लंबी लड़ाई लड़ रही है जो जारी रहेगी।

जनता को गुमराह कर रही है भाजपा : भूषण बाड़ा

सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि इस मिट्टी ने हमें अधिकारों के लिए लड़ना सिखाया है। संविधान ने हमें शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार का हक दिया है। लेकिन आज यही अधिकार छीने जा रहे हैं। जनता को गुमराह किया जा रहा है। हमारा कर्तव्य है कि हम गांव-गांव जाकर लोगों को सच बताएं। भूषण बाड़ा ने कहा कि हमारा संगठन इस अभियान को गांव-गांव तक ले जाएगा। यह लड़ाई सिर्फ कांग्रेस की नहीं, आम जनता की है। संविधान हमारे पूर्वजों की कुबार्नी से बना है, हम इसे मिटने नहीं देंगे।

सिमडेगा के 20वें एसपी के रूप में मो अर्शी ने किया पदभार ग्रहण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : सिमडेगा जिले के 20 वें एसपी के रूप में मो अर्शी ने आज समाहरणालय स्थित एसपी कार्यालय में निवर्तमान एसपी सौरभ से पदभार लिया। नए एसपी मो अर्शी ने आज जिले के 20वें एसपी के रूप में पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान एसपी सौरभ ने एसपी मो अर्शी को पदभार सौंपा। इसके पूर्व इन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मो अर्शी 2012 बैच के आईपीएस हैं। हजारीबाग झारखंड सशस्त्र बल समादेष्टा से आईपीएस मो अर्शी का तबादला सिमडेगा एसपी के रूप में हुआ है। पदभार ग्रहण कर उन्होंने कहा सिमडेगा को अपराध मुक्त रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि छोटी बड़ी किसी भी समस्या के लिए वे 24 घंटे सिमडेगा की जनता के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने कहा कि जिले की विधि व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि जिले में अपराध नियंत्रण उनकी प्राथमिकता होगी। इसके लिए उन्हें आम लोगों से सहयोग की अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि यहां की भौगोलिक स्थिति से अवगत होंगे। उसके बाद अपराध नियंत्रण की रूपरेखा तय कर उस पर अमल करेंगे। उन्होंने जिले के सभी चुनौतियों से निपटने के लिए अपने अधीनस्थ सहकर्मियों से सहयोग की अपेक्षा की। निवर्तमान एसपी सौरभ ने जिले वासियों सहित सभी लोगों का अपने कार्यकाल में सहयोग देने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि सिमडेगा वासियों का भरपूर प्यार और साथ मिला है। उन्होंने जिले की जनता से अपील की है कि आगे भी सिमडेगा की जनता पुलिस का सहयोग कर जिले में शांति स्थापित रखने में मदद करें।

डीसी ने सदर अस्पताल का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : डीसी कंचन सिंह ने सदर अस्पताल, सिमडेगा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के सभी वार्डों का भ्रमण करते हुए मरीजों को मिलने वाली चिकित्सा सुविधाओं, स्वच्छता, दवा वितरण, भोजन व्यवस्था और भर्ती प्रक्रिया की विस्तृत समीक्षा की।उन्होंने कहा कि जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जाएंगे ताकि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। निरीक्षण के दौरान उनके साथ सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, एनडीसी समीर रेनियर खलखो, महिला एवं पुरुष चिकित्सक, स्वास्थ्य विभाग के कर्मी एवं एएनएम ट्रेनिंग स्कूल की छात्राएं उपस्थित थीं।उन्होंने ने कुपोषण उपचार केंद्र का भी निरीक्षण किया और वहां कुपोषित बच्चों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बताया कि बच्चों की माताओं को स्वेटर बुनाई सहित अन्य प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त किया जा सके। उपायुक्त ने इस प्रकार की गतिविधियों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की बात कही। एएनएम ट्रेनिंग स्कूल के निरीक्षण के क्रम में पुराने भवन को ध्वस्त करने के लिए प्रस्ताव समर्पित करने और नए बने भवन को जल्द हस्तांतरित कराने हेतु भवन निर्माण विभाग को पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा अस्पताल की क्षतिग्रस्त बाउंड्री वाल की मरम्मत के लिए भी प्रस्ताव शीघ्र भेजने को कहा। निरीक्षण के उपरांत सदर अस्पताल के सभागार में एक स्वागत समारोह आयोजित किया गया, जिसमें स्वास्थ्य विभाग की ओर से उपायुक्त का स्वागत किया गया। एएनएम छात्राओं द्वारा स्वागत गान प्रस्तुत किया गया। विद्यालय की प्राचार्या ने उपायुक्त को पौधा भेंट कर उनका अभिनंदन किया। समारोह को संबोधित करते हुए वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. बेला एक्का ने अस्पताल की उपलब्ध सुविधाओं, शिक्षकों की कमी और संसाधनों की सीमाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि गंभीर मरीजों को बेहतर इलाज हेतु रांची रेफर किया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

अंचलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक, कर्मियों को दिए कई आवश्यक निर्देश

सरिया(गिरिडीह) : सरिया प्रखण्ड मुख्यालय स्थित अंचल कार्यालय में सीओ सन्तोष कुमार ने बुधवार को अंचल कर्मियों के साथ एक समीक्षा बैठक की है वहीं नव पदस्थापित प्रधान सहायक विकास कुमार का सबों ने स्वागत किया है। बैठक के दौरान सभी जन आवेदनों का ससमय निष्पादन, जनसूचना एवं जनसेवा अधिकार एक्ट के अनुसार निर्धारित समय सीमा में कार्यों को निष्पादित करने एवं राजस्व रशीद कटवाने के लिए क्यू आर कोड के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करने की सुविधा से आम लोगों को अवगत कराने के निर्देश कर्मियों को दिए हैं। अंचल कर्मियों को स्पष्ट लहजे में चेतावनी देते हुए इन्होंने कहा कि जन आवेदनों के निष्पादन में कोई लेट लतीफी या किसी तरह के रिश्वत व अवैध वसूली की शिकायत नहीं होनी चाहिए, शिकायत मिलने के स्थिति में वैसे कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बाबत सीओ सन्तोष कुमार ने बताया कि कर्मियों के साथ बैठक कर समीक्षा की गई है। जिसमें कई आवश्यक निर्देश कर्मचारियों को दिए हैं, वहीं जन आवेदनों के निष्पादन में कोई लेट लतीफी न हो इसके लिए भी निर्देशित किया गया है, सभी कम्प्यूटर ऑपरेटरों के बीच अलग-अलग जिम्मेवारी सौंपी गई है ताकि आम लोगों के काम सहूलियत से हो सके। बैठक में विकास कुमार, विशाल कुमार, अनिल चौधरी समेत सभी कर्मचारी मौजूद थे।

चिचाकी स्टेशन में रुकेगी इस्लामपुर-पटना हटिया एक्सप्रेस, लोगों ने सांसद-विधायक को दिया धन्यवाद

सरिया(गिरिडीह) : सरिया प्रखंड के चिचाकी रेलवे स्टेशन पर इस्लामपुर-पटना हटिया एक्सप्रेस के ठहराव की स्वीकृति मिल गयी है । इसकी जानकारी स्थानीय सांसद सह केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी व बगोदर विधायक नागेन्द्र महतो ने सोशल मीडिया के माध्यम से दी। भाजपा नेता हेमलाल उर्फ छोटू मंडल ने बताया कि चिचाकी क्षेत्र के लोगों की यह बहुप्रतीक्षित मांग थी। विधायक नागेंद्र महतो चिचाकी रेलवे स्टेशन में इस्लाम पुर पटना हटिया ट्रेन की ठहराव के माँग को लेकर केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्री सह कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी व केंद्रीय रेल मंत्री के ओ.एस.डी से मुलाकात कर ट्रेन ठहराव की मांग किए थे। जिसके फलस्वरूप आज चिचाकी स्टेशन पर उक्त ट्रेन ठहराव की स्वीकृति मिली। केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्री सह कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी व बगोदर विधायक नागेंद्र महतो चिचाकी रेलवे स्टेशन पर इस ट्रेन के ठहराव को लेकर प्रयासरत थे।

झारखण्ड सरकार
कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी, सिमडेगा।

सिमडेगा जिला के अल्पकालीन बन्दोबस्ती के लिए खुला डाक द्वारा करने हेतु सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि सिमडेगा जिला के विभिन्न प्रखण्डों में अवस्थित राजस्व जलकरों की वित्तीय वर्ष 2025–26 से 2027–28 (1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2028) तक के लिए अल्पकालीन बंदोबस्ती अधोहस्ताक्षरी की उपस्थिति में खुले डाक द्वारा दिनांक– 13.06.2025 को 12:00 बजे अपराह्न में अपर समाहर्त्ता, सिमडेगा/जिला मत्स्य पदाधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय कक्ष में किया जाएगा।

क्र0 सं0	जलकरों का नाम	ग्राम	पंचायत	प्रखण्ड	खाता सं0	प्लॉट सं0	रकबा सं0	जल क्षेत्र	सुरक्षित जमा राशि	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	गरजा तालाब	गरजा	गरजा	सिमडेगा	3025	-	1.08	0.80	17000.00	
2	तामड़ा तालाब	तामड़ा	तामड़ा	सिमडेगा	2275	-	1.08	0.80	51000.00	
3	लट्ठाखम्हान तालाब	लट्ठाखम्हान	लट्ठाखम्हन	ठेठईटांगर	-	948, 949	1.00	0.80	12000.00	

डाक की शर्तें:– डाक में भाग लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति को डाक बोली के पूर्व सुरक्षित जमा राशि का 20 प्रतिशत, प्रतिभूति राशि के रूप में जमा करना होगा। डाक समाप्त होने पर उच्चतम डाक वक्ता को छोड़कर बाकी प्रतिभागियों की प्रतिभूति राशि वापस कर दी जाएगी एवं उच्चतम डाक वक्ता की प्रतिभूति राशि उच्चतम डाक की राशि में समायोजित की जाएगी। डाक में भाग लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति को अपना पहचान पत्र लाना अनिवार्य है। अल्पकालीन बन्दोबस्ती की अवधि तालाब/जलकर के अभ्युक्ति कॉलम के अनुसार होगी। डाक की स्वीकृति के पश्चात् उच्चतम डाक वक्ता को संबंधित एकरानामा करना अनिवार्य है एवं अद्योहस्ताक्षरी से परवाना प्राप्त किये बिना उक्त जलकर में उच्चतम डाक वक्ता कोई कार्य नहीं करेंगे। बंदोबस्त तालाब का निबंधन, निबंधन कार्यालय द्वारा निर्धारित राशि का स्टॉम्प शुल्क देकर निबंधन कराना अनिवार्य है। निबंधन के पश्चात् ही कार्यालय से परवाना निर्गत किया जाएगा। अद्योहस्ताक्षरी को किसी भी समय किसी भी बोली को बिना कारण बताये रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

जिला मत्स्य पदाधिकारी
सिमडेगा।

PR.NO.353701 Simdega(25-26):D

कार्यालय, जिला शिक्षा पदाधिकारी, राँची
शिक्षा विभाग परिसर, पो0–कोर्ट कम्पाउण्ड, राँची–834001,
फोन– 2215544, ईमेल न0–rmsaranchi0651@gmail.com

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

उप–विकास–आयुक्त, रांची, के ज्ञापांक 423(ii)/वि0 दिनांक 20.05.2025 के आदेशानुसार माननीय विधायक श्री सुरेश कुमार बैठा, काँके विधानसभा, रांची क्षेत्र अन्तर्गत आने वाले माध्यमिक विद्यालयों, बेसिक विद्यालय के कुल–20 (बीस) विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों के ज्ञानोपार्जन एवं उनके बौद्धिक विकास हेतु पुस्तकों की सूची तथा राशि उपलब्ध कराई गई है। माननीय विधायक, काँके द्वारा अनुशंसित बहुपयोगी पुस्तकों के क्रय/आपूर्ति हेतु प्रतिष्ठित पुस्तक प्रकाशकों/आपूर्तिकर्ताओं/पुस्तक विक्रेताओं से दिनांक 13.06.2025 के अपराह्न 03.00 बजे तक मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता संबंधित पुस्तकों की सूची किसी भी कार्यदिवस को (कार्यालय अवधि में) अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। निर्धारित तिथि एवं समय के बाद प्राप्त निविदाऐं स्वीकृत नहीं की जाएगी। निर्धारित तिथि एवं समय तक प्राप्त मुहरबंद निविदाऐं दिनांक 14.06.2025 को अपराह्न 03.00 बजे गठित समिति के समक्ष अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में खोली जाएगी। जिसमें निविदादाता अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते हैं।

1. सभी निविदाऐं द्विलिफाफा प्रणाली (Double Envelope System) के अनुसार डाली जाएगी।
2. निविदादाता एक लिफाफे पर साफ–साफ शब्दों में "तकनीकी बीड" लिखकर उसमें मांगे गए सारे कागजात और प्रमाण पत्र (जमानत राशि का ड्राफ्ट) डालेंगे एवं उसे मुहरबंद कर तथा उस पर अपना नाम एवं पता साफ–साफ लिखेंगे।
3. दूसरे लिफाफे पर साफ–साफ शब्दों में "वितीय बीड" अंकित करेंगे। उस लिफाफे में केवल पुस्तक का दर अंकित करेंगे और उसे लिफाफा में डालकर मुहरबंद करेंगे। उस लिफाफा में दर के अलावे कोई अन्य कागजात नहीं डाला जाएगा। उस लिफाफे पर भी अपना नाम एवं पता साफ–साफ लिखेंगे।
4. तकनीकी बीड एवं वितीय बीड दोनों मुहरबंद लिफाफे को तीसरे लिफाफे में डालकर उस लिफाफे को बंद करेंगे और उस पर साफ–साफ लिखेंगे "पुस्तक हेतु निविदा" लिफाफे पर अपना नाम, पता एवं दूरभाष संख्या अंकित करेंगे, तथा अधोहस्ताक्षरी के नाम से मुहरबंद लिफाफा निबंधित डाक या स्पीड पोस्ट से अथवा व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर भेजेंगे/जमा करेंगे।
5. पहले तकनीकी बीड खोली जाएगी और निविदादाताओं की उपस्थिति में ही उनका तकनीकी बीड मूल्यांकन किया जाएगा। जिन निविदादाताओं को तकनीकी रूप से योग्य पाया जाएगा, उन्हीं का वितीय बीड खोला जाएगा।

(क) तकनीकी निविदा की शर्तें :–
1. निविदा के साथ 25,000/– (पच्चीस हजार) रूपये का बैंक ड्राफ्ट जमानत की राशि के रूप में जमा कराना होगा, जो जिला शिक्षा पदाधिकारी, रांची के पदनाम से देय होगा।
2. कम से कम तीन वर्षों का I.T.R. (Income Tax Return) एवं पैन नंबर की छाया प्रति देना होगा।
3. निविदादाता का नाम काली सूची में दर्ज नहीं होने का नोटरी का सत्यापित अद्यतन शपथ–पत्र देना होगा।
4. पुस्तकों की गुणवत्ता हेतु निविदादाता I.S.O. प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से जमा करेंगे।
5. निविदादाता का पिछले तीन वर्षों में औसतन टर्न ओवर एक करोड़ या अधिक का होना अनिवार्य है।
6. पूर्व में सांसद/विधायक निधि से झारखण्ड राज्य अंतर्गत पुस्तकों की आपूर्ति कार्यादेश की छायाप्रति यदि उपलब्ध हो तो संलग्न करनी होगी। ताकि प्राथमिकता दिया जा सके।
7. अनुशंसित पुस्तकों की सूची में से कम से कम 100 पुस्तकें नमूना के लिए जमा करने होंगे।
8. आपूर्तिकर्त्ता को संबंधित पुस्तकों के प्रकाशक द्वारा पुस्तकों की आपूर्त्ति करने का प्राधिकार पत्र जमा करना अनिवार्य होगा।

(ख) वितीय निविदा की शर्तें :–
1. वितीय निविदा के लिफाफे में निविदादाता आपूत्ति की जानेवाली पुस्तकों की दर एवं उस पर छूट की दर प्रतिशत में अंकित करेंगे।

(ग) सामान्य शर्तें :–
1. जिनकी निविदा स्वीकृत की जाएगी उन्हें आपूत्ति आदेश मिलने पर 30 दिनों के अन्दर पुस्तक की पूर्ण सेट सहित पुस्तक आपूर्तिकत्ता संबंधित विद्यालय को आपूर्त्ति कर प्राप्ति रसीद प्राप्त करनी अनिवार्य होगी। आपूतिकर्ता को अलग से परिवहन एवं मजदूरी की राशि देय नहीं होगी। साथ ही ट्रान्सपोटेशन में किसी भी प्रकार के नुकसान एवं क्षतिपूर्ति की जिम्मेवारी आपूर्त्तिकर्त्ता की होगी।
2. अग्रिम देने की बाध्यता नहीं होगी तथा आपूर्तिकर्ता को पुस्तकों की आपूर्ति के पश्चात् राशि का भुगतान हेतु निर्णय लिया जायेगा।
3. किसी भी समय बिना कारण बताए निविदा को रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
4. किसी भी तरह कर विवाद होने पर न्यायिक क्षेत्र रांची होगा।
5. पुस्तकों की सूची की जानकारी के लिए रांची जिला के बेबसाईट www.nicranchi.in पर देखा जा सकता है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी,
राँची

PR 353751 (Human Resource Developement) 25-26 (D)

राजकीयकृत उच्च विद्यालय बचरा का मैट्रीक परीक्षा में रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

खलारी : सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के राजकीयकृत उच्च विद्यालय बचरा ने माध्यमिक वार्षिक परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए गौरवपूर्ण सफलता अर्जित की है। कुल 163 विद्यार्थियों में से 149 ने सफलता प्राप्त की,जिससे विद्यालय का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 91.5 प्रतिशत रहा। केवल 14 विद्यार्थी असफल घोषित किए गए। स्कुल के 61 विद्यार्थी प्रथम,83 विद्यार्थी द्वितीय और पांच विद्यार्थी तृतीय स्थान पर रहे। यह प्रदर्शन विद्यालय की शिक्षण गुणवत्ता और छात्र-छात्राओं की मेहनत का परिणाम है। विद्यालय स्तर पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र प्रिंस कुमार रहे, जिन्होंने अंक 87.2 प्रतिशत प्राप्त किए। इसके अलावा मोजिहिदा प्रवीण 81.4 प्रतिशत,शोभा कुमारी 80.6 प्रतिशत,रुद्र कुमार गुप्ता 80 प्रतिशत, पूजा कुमारी 79.6 प्रतिशत, मानसी कुमारी 79.4 प्रतिशत, रिया कुमारी 79.2 प्रतिशत,कुमार नारायण 78.2 प्रतिशत,शालिनी कुमारी 77.8 प्रतिशत और प्राची कुमारी 76.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। विद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी छात्र-छात्राओं,शिक्षकों एवं अभिभावकों को बधाई दी है। विद्यालय ने भविष्य में और भी बेहतर प्रदर्शन का संकल्प लिया है।

खेती की तकनीकी सीखकर महिला किसान ने उगाया स्वीट कॉर्न

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड के पोखरिया पंचायत के चुनीडीह गांव की महिला किसान तनुश्री गोस्वामी ने कृषि विभाग के आत्मा परियोजना के बीटीएम सुशील कुमार आत्मा और एटीएम चैताली दत्ता से संपर्क करके क्षेत्र में चल रहे वर्ष 2024 -25 में विभाग के द्वारा मिलने वाले डेमोंस्ट्रेशन स्वीट कॉर्न बीज को एक बड़े खेत में लगाकर अच्छा उत्पादन किया। वही फसल के उत्पादन ओर गुणवत्ता में भी अच्छा परिणाम दिखा। उन्होंने बताया कि आत्मा के सलाह से सरसों की भी खेती की जिसमे अच्छा मुनाफा हुआ। वही आत्मा से जुड़कर परंपरागत खेती को भी तकनीकी रूप देने का प्रयास किया। जिसमें काफी मुनाफा दिखा। महिला किसान तनुश्री गोस्वामी बताती हैं कि ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार करना एक बड़ी समस्या है।इसमें भी एक महिला के लिए कही काम करना एक चुनौती भरा होता है।मैंने आत्मा परियोजना से जुड़कर अपने पति राजकुमार गोस्वामी के सहयोग से उन्नत खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एई योजना के तहत स्वीट कॉर्न क्रॉप का डेमोंस्ट्रेशन किया। जिसका उत्पादन बेहतर मिला। बाजार की के कारण पहले चिंता हुई। फिर आत्मा के सहयोग से कुछ प्रखंड कर्मियों से संपर्क हुआ और उन्होंने ही मेरे उत्पादन को खेत से ही खरीदारी करने की बात कही। अब जमशेदपुर में भी इस महंगे उत्पाद को बेचने का अवसर मिल रहा हैं।लगता हैं बहुत जल्द इसकी मांग क्षेत्र में भी बढ़ेगी। मेरे खेत के उत्पादन को देखकर आसपास के अन्य गांव के किसान भी इस खेती को करने के लिए उत्साहित हो रहे हैं। आत्मा परियोजना की उप निदेशक गीता कुमार ने बताया कि जो भी जागरूक किसान खेती के लिए अपनी रुचि दिखाएंगे। उन्नत खेती करने में आत्मा उनका सहयोग करने को तैयार हैं।

आरटीसी सिंगपुर मुरी के विद्यार्थियों का जैक बोर्ड में रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली/मुरी : प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी माध्यमिक बोर्ड परीक्षा में आर टी सी पब्लिक स्कूल सिंगपुर मुरी के छात्र छात्राओं का प्रदर्शन बेहतरीन रहा । किशोर कुमार महतो ने 484 अंक प्राप्त कर झारखण्ड राज्य में आठवाँ स्थान , राँची जिले में चौथा स्थान तथा सिल्ली प्रखण्ड में प्रथम स्थान प्राप्त किया । सूरज कुमार साहू ने 480 अंक प्राप्त कर झारखण्ड राज्य में बारहवाँ स्थान राँची जिले में सातवाँ स्थान तथा प्रखण्ड में दूसरा स्थान प्राप्त किया। अंजली कुमारी 479 अंक प्राप्त कर झारखण्ड राज्य में तेरहवाँ स्थान राँची जिले में आठवाँ स्थान तथा प्रखण्ड में तीसरा स्थान प्राप्त की।राजीव कुमार और पवन कुमार 474 अंक,काजल कुमारी और रश्मि कुमारी 472 अंक, सीमा कुमारी 470 अंक,प्रियंका कुमारी 468 अंक,पूजा कुमारी 467अंक, प्रियंका कुमारी 466 अंक,पूजा कुमारी 464 अंक,महेश 463 अंक,धारा 462 अंक,निर्मला 461 अंक प्राप्त किए। कुल 217 विद्यार्थी इस बार परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिनमें से 201 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी तथा 16 विद्यार्थियों ने द्वितीय श्रेणी हासिल किए। विद्यालय का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा। विद्यालय के इस परीक्षाफल के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर पूर्व सांसद राम टहल चौधरी ने छात्र छात्राओं के सफलता पर बधाई दिए और भविष्य में भी मेहनत कर नए मंजिलों को प्राप्त करने की आशीर्वाद दिए । मौके पर विद्यालय के निदेशक शोभाराम महतो ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों के अटूट मेहनत और शिक्षक शिक्षिकाओं का सराहनीय मार्गदर्शन को दिए। उन्होंने बताया कि सुदुर्वर्ती ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के पास सभी सुविधाएं उपलब्ध ना होने के बावजूद भी विद्यालय में नियमित उपस्थित होकर ये शिक्षा ग्रहण करते हैं। उन्होंने बच्चों को उनकी सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। और उज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्राचार्य तुलसीदस महतो ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि अभिभावक हमेशा विद्यालय पर जो भरोसा दिखाते हैं,उनके विश्वास को जीतने की ओर यह एक और कदम है। विद्यालय का रिजल्ट शत प्रतिशत होने का तथा झारखण्ड राज्य में भी अपना स्थान बनाने के लिए सारा श्रेय बच्चों की मेहनत,शिक्षक शिक्षिकाओं की कर्मठता और अभिभावकों के एकजुट प्रयास को जाता है।

जैक बोर्ड में बुद्धा पब्लिक स्कूल का रिजल्ट रहा शत प्रतिशत

सिल्ली : झारखंड एकेडमिक काउंसिल का परिणाम मंगलवार के दिन घोषित किया गया जिसमें बुद्धा पब्लिक स्कूल का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा। विद्यालय के मनीष महतो ने 90 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय टॉपर रहे। निर्मल महतो 88.7 प्रतिशत अंक लाकर दूसरा स्थान एवं ऋषभ सिंह 87.2 प्रतिशत अंक लाकर तीसरा स्थान पर रहे। वहीं विमल मुंडा 76.2 प्रतिशत, कुणाल महतो 75 प्रतिशत, धीरज महतो 78.2 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यार्थियों की सफलता पर विद्यालय के निदेशक रणधीर कौशिक ने विद्यार्थियों का बेहतर प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त किया और शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त कर कहा कि शिक्षकों और विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था के कारण ही बेहतर परिणाम संभव हो पाया। उन्होंने विद्यार्थियों को आगे और बेहतर करने की प्रेरणा देते हुए शुभकामनाएं दी। इसी क्रम में विद्यालय के प्राचार्य वी सुधीर राव ने कहा कि भविष्य को बेहतर बनाने के लिए सही मार्गदर्शन,सहयोग एवं समाझदारी के साथ आगे बढ़े। विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं अंजली कुमारी, राहुल भद्रा, नकुल बड़ाईक,गोविंदर सिंह, प्रतिमा देवी,सुषमा सिंह हर्षा कुमारी, प्रेमचंद, प्रिया दुबे, जितेंद्र महतो,सुमंत कुमार, लंकेश्वर,विपुल राय,राकेश एवं सुमंत ने भी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

सात शव और सबसे बड़ा सवाल

आखिरकार हर किसी को छोड़कर तो सब कुछ यहीं जाना है। ऐसे में यदि किसी जरूरतमंद की सहायता कर दी जाए, तो हम वैसे अपराध से बच सकते हैं, जिससे प्रवीण मित्तल और उनके अपने नहीं बच सके। हरियाणा के पंचकूला में प्रवीण मित्तल और उनके परिवार के छह सदस्यों की सामूहिक आत्महत्या ने यह बड़ा सवाल सभ्य समाज के सामने खड़ा किया है। यह पंक्तियां लिखते हुए हाथ कांप रहे हैं और मन बार-बार वहीं लौट जाता है-उस बंद दरवाजे के पीछे, जहां हर उम्र की उम्मीद दम तोड़ चुकी है। उस दृश्य को केवल सामूहिक आत्महत्या कह देना एक आसान है। असल में यह एक सामूहिक सामाजिक विफलता है, जिसमें हम सब-पड़ोसी, रिश्तेदार, संस्थाएं और सरकारें कहीं न कहीं सहभागी हैं। यह चुप्पियों की चीत्कार का है। जब कोई आत्महत्या करता है, तो वह सिर्फ जीवन नहीं खोता, वह समाज से हार जाता है। वह संकेत देता है कि उसने बहुत पुकारा, बहुत झेला, बहुत सहा... और फिर थककर खामोशी चुन ली। प्रवीण मित्तल और उनका परिवार भी शायद चुप नहीं था, बस उनकी आवाजों को हमने अनसुना कर दिया। करीबी लोग यह भी कह सकते हैं उसने कभी नहीं बताया। यह सही भी हो सकता है। मगर सोचिये, हो सकता है कि शायद इसलिए नहीं बताया कि हर बार जब वह टूटा तो हम सब अपने-अपने मोबाइलों में व्यस्त थे। शायद इसलिए नहीं बताया कि गरीबी, कर्ज, और विफलता को अब भी हम शर्म से जोड़ते हैं, सहानुभूति से नहीं। कहीं न कहीं हम सब थोड़े-थोड़े दोषी हैं। हर आत्महत्या के पीछे कोई एक कारण नहीं होता, बल्कि एक सामाजिक ढांचा होता है-जिसमें व्यक्ति आर्थिक रूप से टूटता है। भावनात्मक रूप से अकेला पड़ता है और फिर आत्मसम्मान की चादर ओढ़कर चुपचाप चला जाता है। यह घटना भी कुछ वैसी ही है। एक व्यापारी जो कभी आत्मनिर्भर था वह बैंक और साहूकारों के बोझ में दबकर खत्म हो गया। उसके बच्चे, जो दुनिया देखना चाहते थे, अपने भविष्य को ही दफन कर बैठे। सवाल यह भी है कि क्या कोई भी पड़ोसी, रिश्तेदार या दोस्त इतना पास नहीं था कि उसकी पीड़ा जान सके? मौन को भी अपराध समझा जाता है। हम अकसर अपराध को केवल 'किया हुआ' समझते हैं-पर सच यह है कि जो समय पर कुछ नहीं करते, वे भी अपराध में सहभागी होते हैं। अगर एक दोस्त, एक भाई, एक ग्राहक, एक पड़ोसी-समय पर एक बात भी कह देता, चलो, कुछ करते हैं, तो शायद इन सात लोगों के कीमती जीवन को बचाया जा सकता था। सोचना यह है कि क्या आत्महत्या एक विकल्प है? तो इसका उत्तर है कि नहीं, पर कभी-कभी लगती है। हमारे देश में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी कमजोरी माना जाता है। आर्थिक संकट को 'कर्मों की सजा' समझ लिया जाता है। और मदद मांगना तो जैसे अपराध है। एक खुद्दार व्यक्ति जब हार मानता है, तो इसका मतलब है कि उसने हिम्मत नहीं हारी, बल्कि समाज से उम्मीद ही छोड़ दी। सवाल यह भी है कि क्या इस परिवार को आत्महत्या से रोका जा सकता था? इसका जवाब है-हां। बिल्कुल-हां। इस हां के नेपथ्य में कहा जा सकता है कि अगर सरकारी योजनाएं ठीक से काम कर रही होतीं। अगर कर्ज माफी की प्रक्रिया मानवीय होती। अगर पड़ोसियों में संवेदना होती। अगर कोई रिश्ता इतना सजीव होता कि दरवाजा खटखटा देता। इसलिए आप सबसे आग्रह है कि संवेदनशील बनें। अगली बार जब कोई चुप हो, तो उसका हाल जरूर पूछें। यह जरूरी नहीं कि आप लाखों रुपये दें पर एक कंधा, एक बात, एक रास्ता बहुत बड़ा सहारा हो सकता है। यह भी कि संकट में अपनों को न छोड़ें, जब कोई तकलीफ में हो, तो उससे दूरी न बनाएं। यही वो समय होता है जब सबसे अधिक साथ की जरूरत होती है। सरकार और प्रशासन से मांग करें कि आत्महत्या की घटनाओं की सिर्फ जांच न हो। उनसे सबक लेकर सामाजिक सुरक्षा ढांचा और मजबूत किया जाए। अपने बच्चों को सिखाएं कि हार इनसान को नहीं, इनसान हार को बदल सकता है। इस घटना का दूसरा पहलू बेहद आपत्तिजनक है। वह यह है कि मीडिया ने इसे खूब चलाया। खूब भुनाया। हर चैनल पर हेडलाइन थी- सात लोगों की सामूहिक आत्महत्या से हड़कंप। सुसाइड नोट में लिखी दर्दनाक बातें।

'दीनी तालीम के नाम पर बच्चों से छल करते अवैध मदरसे'

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में एक पंथ को माननेवालों की मजहबी शिक्षा से किसी को कोई आपत्ति नहीं हो सकती और न ही कभी होनी चाहिए। किंतु जब बात देश के सुनहरे भविष्य की हो और उस भविष्य को यदि मजहबी तालीम के नाम पर सीमित रखने, उसकी बुद्धि के विकास को षड्यंत्रपूर्वक रोकने का प्रयास हो, तब जरूर देश के हर नागरिक को अपने पंथ, रिलीजन, धर्म और मजहब से ऊपर उठकर इसे आड़े हाथों लेने में गुरेज नहीं करना चाहिए। देश में एक बार फिर ऐसे ही हालात बनते दिखे हैं। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में 'मदरसा शिक्षा' को लेकर देश में होनेवाले विमर्श ने जोर पकड़ा है। इसे लेकर कई विचारधाराएं भी हैं। बच्चों का विषय होने पर स्वभाविक है कि सहमति के बिन्दु खोजना होंगे, लेकिन बात जब 'जमीयत उलेमा-ए-हिंद' जैसी संस्थाओं की आ जाए। ये इस्लामिक संस्थाएं सरकारी जिम्मेदारियों से बचने की सलाह दें और देश के भविष्य को मजहब के नाम पर सीमित रखने की कोशिश करें, तब फिर तमाम प्रश्न खड़े होते हैं कि आखिर हम यह कैसा भारत गढ़ रहे हैं?

अब सामने आए इस नए मामले में 'जमीयत उलेमा-ए-हिंद' का निर्णय कि वह गैर मान्यता प्राप्त मदरसों को जबरन बंद कराए जाने के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाएगी विवाद का विषय बन गया है। इसके विरोध में कई आवाजें देशभर से उठी हैं, जो 'जमीयत' के इस कदम को संविधान और मुस्लिम विरोधी बता रही हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य एवं पूर्व में राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष रहे प्रियंक कानूनगो कहते हैं, 'इस संगठन के मौलवी नहीं चाहते हैं कि बच्चे आधुनिक शिक्षा से जुड़ें। कट्टर पंथ को कायम रखने के लिए वे चाहते हैं कि कौम के बच्चे आधुनिक पढ़ाई से मरहूम रहें। कोई भी धर्म नहीं कहता कि बच्चों को इल्म से दूर रखा जाए। लेकिन यहां जमीयत की गैर मान्यता प्राप्त मदरसों को चलाने की जिद वास्तव में यह बताती है कि ये वही लोग हैं जो पसमांदा मुसलमानों एवं अन्य कई मुसलमानों को गरीबी में रखकर अपना राज कायम रखना चाहते हैं। प्रियंक कानूनगो मदरसा शिक्षा के संबंध में एनसीपीसीआर के अपने पुराने अनुभव को साझा करते हुए बताते हैं, 'पिछले साल मदरसा एक्ट पर सुप्रीम कोर्ट का जो फैसला आया है, उसमें न्यायालय ने भी अपने कंक्लूजन में ये बात बड़ी स्पष्टता से कही है कि राइट टू एजुकेशन एक्ट, जो आर्टिकल 21(ए) संविधान के द्वारा बच्चों को दिया गया है, उसकी समानता के साथ ही धार्मिक शिक्षा दी जाएगी। ऐसे में स्वभाविक है कोई भी सरकार ये अवश्य देखेगी कि बच्चे स्कूल जा रहे हैं अथवा नहीं। मुस्लिम बच्चे दीनी तालीम लें कोई नहीं रोक रहा, लेकिन अवैध मदरसों के नाम पर उन्हें आधुनिक शिक्षा जो उन बच्चों का अपना मौलिक अधिकार भी है, उससे कैसे दूर किया जा सकता है? यदि उन्हें आधुनिक शिक्षा से दूर किया गया है या गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के माध्यम से किया जा रहा है तो स्वभाविक है, कोई भी राज्य सरकार होगी वह इन मदरसो पर कार्रवाई करेगी।

कानूनगो ने यह भी बताया कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग में रहते हुए उन्होंने पाया कि मान्यता प्राप्त मदरसे तक में आरटीई एक्ट 2009 के अनुरूप सिलेबस चलता हुआ नहीं मिला है। मदरसों में राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद द्वारा अनिवार्य योग्य शिक्षकों की कमी है। धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों की अनदेखी करते हुए ये बड़ी तादात में पाया गया कि वहां हिंदू और अन्य गैर-मुस्लिम बच्चे इस्लामी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। यह हाल जब मान्यता प्राप्त मदरसों का हो सकता है, तब गैर मान्यता प्राप्त या अवैध मदरसों को चलाए रखने की अनुमति कोई भी लोककल्याणकारी राज्य सरकार कैसे दे सकती है।

सर्वोच्च न्यायालय की अधिवक्ता एवं राष्ट्रीय जागरण अभियान की संस्थापक व राष्ट्रीय समन्वयक सुबुही खान 'जमीयत उलेमा-ए-हिंद' की गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के मामले को लेकर कोर्ट जाने के निर्णय को अनुचित ठहराती हैं। वे कहती हैं, 'यह दर्भाग्य है भारत में मुसलमानों का कि उन्हें ऐसी लीडरशिप नहीं मिली, जो अपने ही बच्चों का और अपनी कौम के भविष्य की चिंता करे। किसी भी बच्चे का दिमाग और उसका चरित्र बचपन में दी गई शिक्षा से ही बनता है। लेकिन यहां उन्हें बचपन में ही मुख्यधारा से दूर करने के प्रयास हुए हैं और अधिकांश बच्चों को मदरसा शिक्षा से जोड़ दिया गया। जिसमें कि 'जमीयत उलेमा-ए-हिंद' का गैर मान्यता प्राप्त मदरसों को संचालित करने का समर्थन करना बहुत गलत है, क्योंकि जिसकी मान्यता नहीं या जो मान्यता लेना नहीं चाहते, स्वभाविक है उसमें बहुत अवैध काम होते हैं। ऐसे स्थलों पर बच्चों के साथ कई अवराध होते हैं और उन?हें शिक्षा के नाम पर कट्टरवादी बना दिया जाता है।'

सुबुही का कहना है, 'इन स्थलों पर न सरकार का कोई हस्तक्षेप रहता है और न पढ़े लिखे मुस्लिम समाज का। जबकि जो मान्यता प्राप्त मदरसे हैं, उन्हें सरकार से आर्थिक मदद भी मिलती है। दूसरी ओर आज हमारी सरकारें मदरसों को मॉडेर्नाइज करने की दिशा में काम कर रही हैं। एनसीईआरटी का सिलेबस भी लागू करने की बात कही जा रही है। स्वभाविक है सरकार की नजर होने पर वहां अपराध होने की संभावना कम रहेगी। वास्तव में जो लोग अवैध मदरसों के नाम पर अपनी दुकानें चलाते हैं, अवैध धंधे करते हैं उन्हें ही गैर मान्यता प्राप्त मदरसों पर की जा रहे सरकारी एक्शन को लेकर परेशानी हो सकती है। कोई भी मुसलमानों का नेता जो बच्चों का भला चाहेगा वह यही इच्छा रखेगा कि अवैध मदरसे नहीं चलना चाहिए।

इसी तरह से इस्लाम के विद्वान जमात उलेमा ए हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना सुहैब कासमी गैर मान्यता प्राप्त मदरसों की वकालत करने पर जमीयत उलेमा-ए-हिंद संगठन को बुरी तरह घेरते हैं। मौलाना सुहैब कासमी ने कहा, ये वह संस्था है जो पिछले 70 सालों से मुसलमान को देश के अंदर नेगेटिव अंदाज में तैयार कर रही है। आप इस संस्था के प्रदेशों के अध्यक्षों से बात कीजिए, आपको पता चल जाएगा कि ये मुसलमानों का इस्तेमाल अपने स्वार्थ के तौर पर करते चले आ रहे हैं। इनकी एक ही सोच है कि हिन्दुस्तान में मुसलमान परेशान दिखेगा तो इन्हें विदेशों से फंडिंग मिलती रहेगी। यह दुनिया के देशों में जाकर यही बताते हैं कि भारत में मुसलमान बहुत परेशान हैं, उनसे मस्जिद छीनी जा रही हैं। मदरसे बंद कि जा रहे हैं, हम उनको पढ़ा रहे हैं, इसलिए आप हमें पैसा दीजिए। ये पूरा ड्रामा चंदेवाजी और जकात इकट्ठा करने के लिए हो रहा है।

मौलाना सुहैब का कहना है, ये वही लोग हैं, जिन्होंने कई मदरसों को कभी रजिस्टर्ड नहीं होने दिया। मुसलमानों को पहले भी और आज भी यह कहकर भड़काया कि रजिस्टर करेंगे तो सरकार इन पर कब्जा कर लेगी। जो रजिस्टर्ड हुए हैं उनमें भी यह लोग यही कहते रहे और समझाने का प्रयास करते हैं कि तुम्हें रामायण और गीता पढ़ाई जाएगी। तुम्हारा ईमान छीन लिया जाएगा, इसलिए सरकार से दूर रहो। यदि यह दूर रहेंगे तो हिसाब नहीं देना पड़ेगा। यह सारा मामला सरकार को हिसाब नहीं देने का है। सुहैब कासमी इतना कहकर ही नहीं रुकते, वे बहुत स्पष्टता से कहते हैं कि 'जमीयत उलेमा-ए-हिंद' और पर्सनल लॉ बोर्ड इनके जो भी मौलवी हैं, उनका एक गठजोड़ बन गया है। ये सभी इस्लाम की सेवा के नाम पर अलग-अलग संस्थान चला रहे हैं, और इन संस्थाओं के माध्यम से यह पूरी दुनिया को दिखाते हैं कि देखो; भारत देश के अंदर मुसलमान पिट रहा है। यह भारत की विश्व में नकारात्मक छवि बनाने का काम करते हैं ताकि अधिक से अधिक चंदा इकट्ठा किया जा सके। अभी भी यह दुनिया को यही दिखा रहे हैं । एक तरफ हमारे संसदीय प्रतिनिधिमंडल (डेलिगेशन) पूरी दुनिया में बात कर रहे हैं और पाकिस्तान की सच्चाई, उसके आतंकवाद को बेनकाब कर रहे हैं तो दूसरी तरफ इन संगठनों के लोग घूम रहे हैं जो यह बता रहे हैं कि मुसलमान भारत में मारा जा रहा है, प्रताड़ि?त है, वह बर्बाद हो गया।

महाराणा प्रताप : शौर्य, बलिदान एवं साहस का अमिट आलेख

ललित गर्ग

हमारा देश भारत जिसे आस्था और विश्वास, शौर्य एवं शक्ति, बहादुरी और साहस, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की वीरभूमि कहा जाता है, जहां की सभ्यता और संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृति में शुमार है, जिसका अनुसरण संपूर्ण विश्व करता है। भारत की भूमि महान योद्धाओं की भूमि रही है, जिन्होंने भारत की एकता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे ही एक वीर एवं साहसिक योद्धा एवं सच्चे भारतीय महानायक थे महाराणा प्रताप, जो राजपूतों के सिसोदिया वंश से संबंध रखते थे। महाराणा को भारत का प्रथम स्वतंत्रता सेनानी भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कभी अकबर के सामने समर्पण नहीं किया। मुगल साम्राज्य के विस्तार के विरुद्ध उनके प्रबल प्रतिरोध ने उन्हें भारतीय इतिहास में अमर बना दिया है। हल्दीघाटी के युद्ध में अकबर की विशाल सेना का सामना करते हुए उन्होंने जो वीरता दिखाई, वह आज भी शौर्य, पराक्रम, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की प्रेरणा देती है। उनके जीवन की घटनाएं गौरवमय इतिहास बनी है। वे एकलौते ऐसे महान् राजपूत योद्धा थे, जिन्होंने अकबर को चुनौती देने का साहस ही नहीं दिखाया बल्कि युद्ध के मैदान में लोहे के चने चबवाये।

महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ में हुआ था। जो हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि थी। जो इस वर्ष 29 मई को मनाई जाएगी। युवावस्था में ही महाराणा प्रताप ने तलवारबाजी, घुड़सवारी और युद्धनीति में महारत हासिल कर ली थी। उनकी जन्म जयंती न केवल उनके जन्म का उत्सव है, बल्कि उनके आदर्शों, विरासत और भारत की सांस्कृतिक धरोहर में दिए गए उनके अमूल्य योगदान का सम्मान भी है। महाराणा प्रताप और मुगल सम्राट अकबर के सेनापति राजा मानसिंह के बीच 8 जून 1576 में हल्दीघाटी का युद्ध हुआ था। महाराणा प्रताप ने लगभग 20 हजार सैनिकों के साथ 85 हजार की मुगल सेना से बहुत ही साहस, शौर्य, पराक्रम एवं बहादुरी के साथ सामना किया। दोनों सेनाओं के बीच गोगुडा के नजदीक अरावली पहाड़ी की हल्दीघाटी शाखा के बीच यह युद्ध हुआ। इस लड़ाई को हल्दीघाटी के युद्ध के नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस युद्ध में न तो अकबर जीत सका और न ही राणा हारे। मुगलों के पास सैन्य शक्ति अधिक थी तो राणा प्रताप के पास जुझारू शक्ति की कोई कमी नहीं थी। उन्होंने आखिरी समय तक अकबर से संधि की बात स्वीकार नहीं की और मान-सम्मान के साथ जीवन व्यतीत करते हुए लड़ाइयां लड़ते रहे।

इस युद्ध में उनका प्रिय घोड़ा चेतक भी वीरगति को प्राप्त हो गया, लेकिन इसके बाद भी महाराणा प्रताप ने हार नहीं मानी और युद्ध जारी रखा। मुगल शासक अकबर ने मेवाड़ पर अपना अधिकार स्थापित करने की भरपूर कोशिश की। लेकिन महाराणा प्रताप ने कभी भी अकबर की अधीनता को स्वीकार नहीं किया और जीवन भर मुगलों के खिलाफ स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए संघर्ष करते रहे। उनका परिवार बहुत ही कठिन परिस्थितियों में रहा। वे कई सालों तक जंगलों, गुफाओं और पहाड़ियों में रहे। उन्होंने पेड़ों की छाल से बने साधारण कपड़े पहने और जंगली फल और जड़ें खाईं। उनकी पत्नी और बच्चे कभी-कभी घास की रोटी खाते थे। फिर भी, उन्होंने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया या मुगलों के साथ समझौता नहीं किया। उनके शौर्य और वीरता की कहानी को आज भी बहुत ही गर्व के साथ याद किया जाता है। राजस्थानी भाषा के ख्यात कन्हैयालाल सेठिया की प्रसिद्ध राजस्थानी कविता 'पातल और पीथल' हल्दीघाटी युद्ध के बाद की घटनाओं पर आधारित राणा प्रताप के जीवन में आई कठिनाइयों और उनके संघर्ष को दर्शाती है।

आजाद भारत में महाराणा प्रताप जैसे शूरवीरों के त्याग एवं बलिदान, शौर्य एवं पराक्रम को विस्मृत करने की चेष्टायें व्यापक पैमाने पर हुई है। हमने इन असली महानायकों को भूलाकर अकबर एवं औरंगजेब जैसे आक्रांताओं को नायक बनाने की भारी भूल की है, नायक अकबर नहीं महाराणा प्रताप हैं, उन्होंने औरंगजेब को घुटने टेकने पर मजबूर किया और घुट-घुट कर मरने पर मजबूर किया। सनातन धर्म को नष्ट करने की साजिश करने वाले भारत के नायक कैसे हो सकते? अकबर हो या औरंगजेब, हिन्दुओं एवं हिन्दू राष्ट्र के प्रति सबकी मानसिकता एक ही थी- भारत की सनातन परंपरा को रौंदने के लिए तमाम षड्यंत्र रचना एवं भारत की समृद्ध विरासत को लूटना। इसके विपरीत, महाराणा प्रताप ने अपने बलिदान से सनातन संस्कृति की रक्षा की। ये राष्ट्रनायक हमारी असली प्रेरणा हैं।

भारतीय इतिहास में जितनी महाराणा प्रताप की बहादुरी की चर्चा हुई है, उतनी ही प्रशंसा उनके घोड़े चेतक को भी मिली। कहा जाता है कि चेतक कई फीट ऊंचे हाथी के मस्तक तक उछल सकता था। कुछ लोकगीतों के अलावा हिन्दी कवि श्यामनारायण पांडेय की वीर रस कविता 'चेतक की वीरता' में उसकी बहादुरी की खूब तारीफ की गई है। जब मुगल सेना महाराणा के पीछे लगी थी, तब चेतक उन्हें अपनी पीठ पर लादकर 26 फीट लंबे नाले को लांघ गया, जिसे मुगल फौज का कोई घुड़सवार पार न कर सका। मेवाड़ की जनजाति 'भील' कहलाती है। भीलों ने हमेशा हर संकट एवं संघर्ष के क्षणों में महाराणा प्रताप साथ दिया। एक किवदंती है कि महाराणा प्रताप ने अपने वंशजों को वचन दिया था कि जब तक वह चित्तौड़ वापस हासिल नहीं कर लेते, तब तक वह पुआल यानी घास पर सोएंगे और पेड़ के पत्ते पर खाएंगे। आखिर तक महाराणा को चित्तौड़ वापस नहीं मिला। उनके वचन का मान रखते हुए आज भी कई राजपूत अपने खाने की प्लेट के नीचे एक पत्ता रखते हैं और बिस्तर के नीचे सूखी घास का तिनका रखते हैं।

महाराणा प्रताप का बचपन भील समुदाय के साथ बिता, भीलों के साथ ही वे युद्ध कला सीखते थे, भील अपने पुत्र को कीका कहकर पुकारते है, इसलिए भील महाराणा को भी कीका नाम से पुकारते थे। महाराणा प्रताप का दिल और दिमाग ही नहीं, बल्कि उनका शरीर भी साहसी एवं लोह समान था। कहा जाता है कि महाराणा प्रताप 7 फीट 5 इंच लंबे थे। वह 110 किलोग्राम का कवच पहनते थे, वह 25-25 किलो की 2 तलवारों के दम पर किसी भी दुश्मन से लड़ जाते थे। महाराणा प्रताप एक महान पराक्रमी और युद्ध रणनीति कौशल में दक्ष थे। उन्होंने मुगलों के बार-बार हुए हमलों से मेवाड़ की रक्षा की। उन्होंने अपने पूरे जीवन में कभी भी अपनी आन, बान और शान के साथ समझौता नहीं किया। उनको धन-दौलत की नहीं बल्कि मान-सम्मान की ज्यादा परवाह थी। अकबर के सामने महाराणा पूरे आत्मविश्वास से टिके रहे। एक ऐसा भी समय था, जब लगभग पूरा राजस्थान मुगल बादशाह अकबर के कब्जे में था, लेकिन महाराणा अपना मेवाड़ बचाने के लिए अकबर से 12 साल तक लड़ते रहे।

महाराणा प्रताप के देशप्रेम, साहस एवं समर्पण ने उनके लोगों को प्रेरित किया। भामाशाह ने एक बार सेना के पुनर्निर्माण में मदद करने के लिए अपनी सारी बचत और सोना दान कर दिया। अपने जीवन के अंतिम वर्षों में महाराणा प्रताप ने मुगलों से कई महत्वपूर्ण स्थानों को पुनः प्राप्त किया, जिनमें देवर, कुंभलगढ़, रणकपुर और चावंड शामिल हैं। उन्होंने चावंड को अपनी नई राजधानी बनाया और अपने राज्य की स्थिति को सुधारने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने सड़कें, झीलें, मंदिर और सिंचाई प्रणालियाँ बनवाईं। महाराणा प्रताप सिर्फ योद्धा ही नहीं थे बल्कि एक अच्छे शासक भी थे। उन्होंने स्थानीय कला, कृषि और संस्कृति को महत्व दिया। उनका शासन न्याय और लोगों के कल्याण पर आधारित था। उनका निडर स्वभाव, दृढ़ता और अपनी भूमि के प्रति प्रेम उन्हें भारतीय इतिहास के सबसे महान प्रतीकों में से एक बनाता है। उन्होंने साबित कर दिया कि असली ताकत संख्या में नहीं, बल्कि चरित्र में होती है। वह अपनी बहादुरी, बलिदान और देशभक्ति के उदाहरण से पीढ़ियों को प्रेरित करते रहते हैं।

सूडोकु नवताल- 7444

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7443 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

झूठ व पाखंड को बेनकाब करने के लिये ईमानदार पत्रकारिता जरूरी

निर्मल रानी

हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने पिछले दिनों अशोका यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर अली खान के विरुद्ध एक शिकायत दर्ज की थी। जिसमें उन पर 'ऑपरेशन सिंदूर' और भारतीय सेना की महिला अधिकारियों के बारे में सोशल मीडिया पर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया था। अपनी शिकायत में रेनू भाटिया ने कहा कि प्रोफेसर खान ने अपनी पोस्ट में महिला सैन्य अधिकारियों की प्रेस ब्रीफिंग को 'दिखावा' करार दिया और यह सुझाव दिया कि सरकार मुस्लिम समुदाय के विरुद्ध काम करती है', जिसे उन्होंने अपमानजनक और अस्वीकार्य माना। इस शिकायत के आधार पर, राई थाना पुलिस ने प्रोफेसर खान के विरुद्ध बीएनएस की धारा 353, 79, 152, और 169(1) के तहत मुकदमा दर्ज किया, रेनू भाटिया की शिकायत के बाद ही 18 मई 2025 को प्रोफेसर खान की गिरफ़्तारी दिल्ली के ग्रेटर कैलाश से हुई। हालाँकि बाद में 21 मई को सुप्रीम कोर्ट से उन्हें अंतरिम जमानत भी मिल गयी।

दरअसल डॉ. अली खान जोकि अशोका यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर के साथ साथ राजनीति विज्ञान विभाग के प्रमुख भी हैं, ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के संबंध में में गत 8 मई एक सोशल मीडिया पोस्ट के द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की प्रेस ब्रीफिंग में शामिल महिला सैन्य अधिकारियों, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह, की सराहना की थी। डॉ. अली खान ने लिखा था कि 'दक्षिणपंथी टिप्पणीकारों द्वारा इन अधिकारियों की तारीफ करना अच्छा है, लेकिन यह ₹पाखंड₹ होगा यदि यह जमीन पर हकीकत में नहीं बदला। उन्होंने यह भी कहा कि इन टिप्पणीकारों को मॉब लिंचिंग, अवैध बुलडोजिंग और बीजेपी की कथित नफरत फैलाने वाली राजनीति के शिकार लोगों के लिए भी समान रूप से सुरक्षा की मांग करनी चाहिए।' इसी पोस्ट को हरियाणा राज्य महिला आयोग ने भारतीय सेना की महिला अधिकारियों का अपमान करने और सांप्रदायिक विद्वेष को बढ़ावा देने वाला माना। आयोग ने इसे राष्ट्रीय सैन्य कार्रवाइयों को बदनाम करने की कोशिश करार दिया, जिसके बाद ही डॉ. अली खान के विरुद्ध प्राथमिकी व गिरफ़्तारी जैसी त्वरित कार्रवाई हुई।

इस घटनाक्रम के बाद ही हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया से मीडिया ने जानना चाहा कि डॉ. अली खान के बयान में गलत क्या है ? इत्तेफाक से उनका सामना इंडिया टुडे टेलीवीजन चैनल पर इंटरव्यू लेने वाली पत्रकार प्रीति चौधरी से हो गया। इस इंटरव्यू में जब एंकर प्रीति चौधरी ने रेनू भाटिया से पूछा कि अली खान ने सैन्य महिला अधिकारियों का अपमान कैसे किया? तो रेनू भाटिया बगलें झाँकने लगीं और सवाल का स्पष्ट जवाब नहीं दे पाईं। उन्होंने कहा, 'एक व्यक्ति सिर्फ ऊपर और नीचे दो लाइनें आर्मी और देश के लिए लिखकर, उसके बाद सारा मीनिंग...' और फिर बात को अस्पष्ट छोड़ दिया। जब उनसे एंकर प्रीति चौधरी द्वारा बार बार पूछा गया कि अली खान की कथित आपत्तिजनक दो लाइनें क्या थीं, तो उन्होंने जवाब में कहा, 'आप प्लीज मुझे उसका मतलब बता दीजिए, जिसमें उन्होंने कहा है कि सरकार ने ऐसा किया। उसका क्या मतलब है और किसके लिए कहा।' इसके अलावा, रेनू भाटिया ने प्रोफेसर अली खान के परिवार के कथित पाकिस्तान फंडिंग कनेक्शन का जिक्र किया जोकि उनकी सोशल मीडिया पोस्ट से बिलकुल भिन्न था। बहरहाल इस इंटरव्यू में रेनू भाटिया की अस्पष्ट प्रतिक्रियाओं व उनके अस्पष्ट जवाब व अपनी ही शिकायत को न्यायसंगत न बता पाने के कारण सोशल मीडिया पर उनकी काफी आलोचना हुई इसके लिये वे ट्रोलिंग का शिकार भी हुईं। साक्षात्कार के दौरान उनकी असहजता व उनका लाजवाब हो जाना इस बात का सुबूत था कि उन्होंने जो भी किया था वह पूर्वाग्रह, विद्वेष व वैमनस्य से प्रेरित था।

परन्तु इससे बड़ा सवाल यह है कि रेनू भाटिया को बेनकाब करने का काम किसने किया ? निश्चित रूप से यह साहस इंडिया टुडे टेलीवीजन की पत्रकार प्रीति चौधरी ने ही दिखाया जिन्होंने बार बार रेनू भाटिया को दर्पण दिखाया और उनसे यही पूछती रहीं कि 'बताइये डॉ खान के बयान में सेना या महिलाओं का अपमान कहाँ और किस पंक्ति में नजर आता है ?' दरअसल देश को आज ऐसी ही निष्पक्ष पत्रकारिता की जरुरत है। 'गोदी मीडिया' ने तो भारतीय मीडिया को केवल सनसनीखेज और पक्षपातपूर्ण बनाकर रख दिया है। आज दुनिया के बड़े अखबार,पत्रकार और विश्लेषक भारतीय न्यूज चैनल्स और कुछ समाचार पत्रों को 'हाइपर-नेशनलिस्ट' या सरकार-समर्थक कवरेज करने वाला बताते हैं तथा इसकी आलोचना करते हैं। अनेक भारतीय चैनल्स पर चीख-चिल्लाकर बहस करने की शैली या अतिरंजित हेडलाइंस को पत्रकारिता जगत में अव्यवसायिक माना जाता है। भारतीय मीडिया को लेकर एक धारणा यह भी है कि भारत में स्वतंत्र पत्रकारिता पर सरकारी और कॉरपोरेट दबाव बढ़ रहा है। इन्हीं कारणों से 'रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' जैसे संगठनों ने भारत की प्रेस स्वतंत्रता रैंकिंग में गिरावट को उजागर किया है। 2025 में भारत विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में 161 वें स्थान पर था। इतना ही नहीं बल्कि पश्चिमी मीडिया में अक्सर इस बात पर भी चर्चा होती है कि भारतीय पत्रकारों को धमकियां, कानूनी कार्रवाइयां, या सेंसरशिप का सामना करना पड़ता है।

13 जनवरी 2023 को सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस के.एम. जोसेफ और जस्टिस बी.वी. नागरत्ना की पीठ ने नफरती भाषणों से संबंधित एक मामले की सुनवाई के दौरान टेलीविजन चैनल्स की भूमिका पर गंभीर टिप्पणी की थी। पीठ ने कहा था कि टीवी समाचार सामग्री पर नियामकीय नियंत्रण की कमी एक 'बड़ा खतरा' है, क्योंकि चैनल टीआरपी की दौड़ में एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हुए समाज में विभाजन पैदा कर रहे हैं।

दैनिक पंचांग

29 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

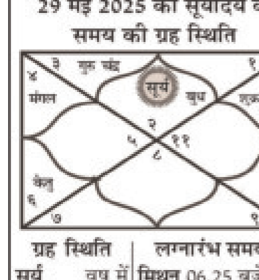

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.25 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कर्क	08.38 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	10.55 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.06 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.17 बजे से
शुक्र	मीन में	वृश्चिक	17.32 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.48 बजे से
राहु	मीन में	मकर	21.53 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	23.40 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मीन	01.12 बजे से
		मेष	02.43 बजे से
		वृष	04.23 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 149 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 23.19 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 22.39 बजे को समाप्त।
योग शूल 15.47 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 12.32 बजे तदनन्तर गर 23.19 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 01.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 37'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872359
जूलियन दिन 2460824.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज
तारीख 01
विशेष महाराणा प्रताप जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

इंडियन प्रोगेसिव स्कूल के बच्चों ने मैट्रिक की परीक्षा में लहराया परचम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर : प्रखंड के रुपायडीह पंचायत अंतर्गत संचालित इंडियन प्रोगेसिव स्कूल पातिशाले के छात्र आनंद यादव पिता शंभू यादव कोडरमा जिला में नौ वां स्थान 472 अंक लाकर अपना शानदार पहचान बनाते हुए स्कूल सहित जिला का नाम रोशन किया है। वहीं कशीश रंजन 464, अमरजीत यादव 446, रोहित कुमार 445, जुनैद अंसारी 444, कोमल कुमारी 443, लक्ष्मी कुमारी 432, तहसीन रज्जा 421, रवि कुमार 418, रेशमा परवीन 414, अकरम अंसारी 408, पुष्पा कुमारी 407 अंक प्राप्त किया है। बता दें कि आप विद्यालय इस पूरे क्षेत्र में बेहतर परिणामों के लिए जाना जाता है। यहां के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं काफी मेहनती हैं। जिसका यह परिणाम पूरे क्षेत्र में देखने को मिला। छात्र आनंद कुमार ने मैट्रिक्स की परीक्षा में कोडरमा जिला के इतिहास में अपना नाम दर्ज कर लिया है जिससे पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। वहीं नौ वां स्थान लाने से बेको पंचायत के पंसस प्रतिनिधि अजय यादव, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि भोला यादव, विद्यालय के निदेशक ललन यादव, विद्यालय के प्राचार्य मकबूल अंसारी, शिक्षक सदाम अंसारी, रोहित यादव, अजय राणा, आशीष यादव, रंटु पांडेय, गौतम यादव, रेणु कुमारी, संजू कुमारी, बैजनाथ यादव, आसमां परवीन, कौलेशवर राणा, विभा बाला, सुनील कुमार आदि ने मिठाई खिलाकर उज्जवल भविष्य कि कामना किया।

ब्राइट फ्युचर प्लस 2 उच्च विद्यालय सिमरिया के चार बच्चों ने किया जिला टॉपर

मरकच्चो : पिछले कई वर्षों से ब्राइट फ्युचर प्लस 2 उच्च विद्यालय सिमरिया मरकच्चो ने जिला टॉप 10 में चार बच्चों ने अपना स्थान बनाने का रिकॉर्ड जारी रख रहा है। इस वर्ष भी वार्षिक माध्यमिक परीक्षाफल 2025 में भी जिला टॉपर में विद्यालय के 4 विद्यार्थियों ने स्थान प्राप्त किया है। जैक रांची द्वारा जारी रिजल्ट में विद्यालय की छात्र सचिन कुमार ने 474 अंक प्राप्त कर जिला में चौथा स्थान प्राप्त की है। जबकि रोहित कुमार ने 475 अंक प्राप्त कर छठा स्थान,अभिषेक कुमार 474 अंक प्राप्त कर 7 वां व राजदीप साव 471 अंक प्राप्त कर 10 वां स्थान प्राप्त किया है। इस शानदार प्रदर्शन पर विद्यालय परिवार ने बुधवार को उत्तीर्ण बच्चों के साथ कार्यक्रम आयोजित कर मिठाई खिलाकर स्वागत किया। वहीं विद्यालय के अन्य छात्र छात्राओं का प्रदर्शन भी उत्कृष्ट रहा है। जिसमें चांदनी परवीन 470, नीलेश कुमार 468, प्रियंका कुमारी 468, प्रियंका 468, सुमन कुमारी 462, अजीत कुमार 462, अफरोज आलम 460 अंक प्राप्त कर विद्यालय के शिक्षकों एवं अभिभावकों का मान बढ़ाया है। विद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य सह निदेशक शुरेश प्रसाद यादव, व्यवस्थापक महेंद्र प्रसाद यादव, प्राचार्य उमेश कुमार दास ने जानकारी दी कि मैट्रिक परीक्षा 2025 में कुल 115 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया था जिसमें 114 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी से व 1 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुवा। 18 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक नम्बर प्राप्त व अन्य विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से 60 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। विद्यालय के शत प्रतिशत रिजल्ट पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पूर्व प्राचार्य सह निदेशक शुरेश प्रसाद यादव,व्यवस्थापक महेंद्र प्रसाद यादव प्राचार्य उमेश कुमार दास व शिक्षकों ने इसका श्रेय विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की कड़ी मेहनत एवं अभिभावकों के उचित मार्ग निर्देश को दिया है। विद्यालय परिवार ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। वहीं अभिभावकों ने विद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। इस मौके पर शिक्षक ललन प्रसाद राणा,जितेंद्र कुमार साव, बसन्त कुमार साव,अजय कुमार सिन्हा,अनिल कुमार,राजू प्रसाद यादव समेत विद्यालय सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

शारदा विद्या मंदिर के विद्यार्थियों ने 10वीं बोर्ड परीक्षा में किया बेहतर प्रदर्शन

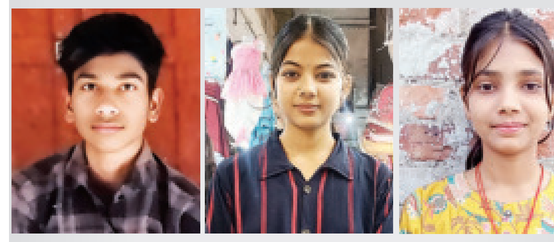

जयनगर : प्रखंड के अंतर्गत संचालित शारदा विद्या मंदिर योगियाटिल्हा का दसवीं बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन रहा। वहीं जैक द्वारा आयोजित माध्यमिक बोर्ड परीक्षा 2025 में कल 76 विद्यार्थियों ने परीक्षा में सम्मिलित हुए थे जिसमें से सभी विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए। 76 विद्यार्थियों में से 15 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त किए तथा 56 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। वहीं सन्नी कुमार पंडित पिता संजय पंडित ने 470 अंक लाकर विद्यालय का टॉपर रहा, ऋषिदेव कुमार पिता मनोज यादव मैं 465 अंक लाकर द्वितीय स्थान लाया, एवं नीति भारती पिता अवधेश पंडित तृतीय स्थान पर रही। वहीं 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों में से शीतल कुमारी पिता किशोर पंडित, प्रिंस कुमार पिता अनिल पंडित, दीपेश शर्मा पिता पुना शर्मा, सुमित कुमार अनीश कुमार प्रीति कुमारी प्रभाकर कुमार प्रियंका कुमारी अशोक कुमार अनूप राणा सहित कई विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। वहीं मौके पर विद्यालय के प्राचार्य विजय कुमार यादव सहित सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य का कामना किए।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का रिजल्ट शत प्रतिशत

मरकच्चो : प्रखंड मुख्यालय मरकच्चो स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का मेट्रिक परिक्षा 2025 का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा। जैक द्वारा माध्यमिक वार्षिक परिक्षाफल में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के सभी छात्राओ ने प्रथम ,द्वितीय व तृतीय श्रेणी से उत्रीण होकर अपने स्कूल के साथ साथ अपने माँ बाप का नाम रोशन किया है। प्राचार्य सह वार्डेन उषा टोपनो व हुश्न आरा ने बतायी की विद्यालय से 71 छात्राओं ने परीक्षा में सम्मिलित हुवे थे और सभी उत्तीर्ण हो गए। जिसमें आशा कुमारी 399 राजनंदनी कुमारी 373 संजना कुमारी 349 दिव्यानी कुमारी 347 कालिका कुमारी 344 नेहा कुमारी 335 ज्योति कुमारी 331 अंक लाकर प्रथम श्रेणी से 27,द्वितीय श्रेणी से 39 व तृतीय श्रेणी से 05 छात्रा उत्तीर्ण होकर कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में पठन -पाठन में प्रतियोगी भावना जागृत किया है। विधालय के प्राचार्य सह वार्डेन आशा टोपनो व लिपिक हुश्न आर ने छात्राओ को बधाई देते हुवे उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। वहीं विद्यालय की सहायक शिक्षिका अनीता रानी, ललिता कुमारी, उपेंद्र सिंह, शीला कुमारी ,विनीता कुमारी ,अर्जुन कुशवाहा, कृष्ण कुमार पांडे , कैलाश यादव, डालो महतो ने भी छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

एक नजर

शर्म नहीं सम्मान है यह औरत की पहचान है : अर्चना ज्वाला

कोडरमा : शर्म नहीं सम्मान है यह औरत की पहचान है अर्चना ज्वाला विश्व माहवारी स्वास्थ्य और स्वच्छता दिवस के अवसर पर जिला समाज कल्याण कार्यालय के द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत डोमचांच प्रखंड के महेशपुर पंचायत में jlps डिस्ट्रिक्ट मैनेजर विपुल बा अरशद जावेद सुधीर मुंडा के सहयोग से लगभग 200 ग्रामीण महिलाओ jlps की सक्रीय महिलाओं तथा किशोरियों के बीच सेनेटरी नैपकिन का वितरण किया गया। उपस्थित महिलाओं को बताया गया कि इन दिनों अपने स्वास्थ्य का ख्याल किस प्रकार रखें स्वच्छता के अभाव में महिला विभिन्न प्रकार की बीमारियों से ग्रसित हो सकती है। महिला एक नई पीढ़ी की सृजन करता है अतः उन्हें अपने स्वास्थ्य और स्वच्छता का पूरा ध्यान रखना चाहिए पौष्टिक आहार का सेवन करना चाहिए किसी भी तरह की बीमारी की आशंका की स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। प्रत्येक महिला के बैग में कार्यालय में विद्यालयों तथाकॉलेज में सेनेटरी नैपकिन की व्यवस्था होनी चाहिए हमें या किसी और महिला को आवश्यकता पड़ने पर तुरंत सहायता प्रदान कर सके ऐसी स्थिति में मानसिक तनाव या भयभीत नहीं होना चाहिए तथा ऐसी स्थिति में कठिन कार्य न करके आराम करना चाहिए जिसे शरीर को हानि न पहुंचे।

टेम्पू और हाइवा की टक्कर में एक महिला की हुई

मरकच्चो : नवलशाही थाना क्षेत्र के कोडरमा - गिरिडीह मुख्यमार्ग पर कानीकेंद जंगल मां चन्चालनी धाम गेट के समीप (चौकीदार सेड) के पास सब्जी लोड टेम्पू में हाइवा की टक्कर से एक महिला की मौत हो गई। जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना बुधवार दोपहर की है। दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई। जिसकी पहचान सुमा देवी उम्र 40 वर्ष पति छोटन साव वहीं घायलों की पहचान प्रीतम मेहता उम्र 60 वर्ष पिता स्व. बाबूलाल मेहता, पुरण कुमार मेहता उम्र 30 वर्ष पिता लालू मेहता,लालू मेहता उम्र 65 वर्ष पिता भेखलाल मेहता,कृष्णा साव उम्र 14 वर्ष पिता छोटन साव सभी साकिन फुलवरिया थाना नवलशाही निवासी के रूप में किया गया। मिली जानकारी के अनुसार सभी लोग टेम्पू में सब्जी लोड कर घोड़थम्भा बाजार सब्जी बेजने जा रहे थे। इसी दौरान कानीकेंद जंगल के पास टेम्पू में पीछे से एक हाइवा ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे टेम्पू दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घटना की सूचना नवलशाही पुलिस को मिलते हीं सभी घायलों को सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया गया है।

शपथ पत्र

मैं, मरनी देवी, (Marni Devi) पति- स्व० गिरधारी यादव उम्र करीब 71 वर्ष, धर्म- हिन्दू, राष्ट्रीयता- भारतीय, पेशा- गृहणी, साकिन ग्राम- चिगलाबर पंचायत- डुमरडीहा, पोस्ट- बेकोबार, थाना- कोडरमा, जिला- कोडरमा राज्य झारखण्ड शपथ पूर्वक एफिडेविट नंबर 163 दिनांक -10-02-2025 को ब्यान करती हूँ :-

1. यह कि मैं उपरोक्त पते की स्थायी निवासी हूँ।

2. यह कि मेरा आधार कार्ड नं०- 3737 0370 9494 है। जिसमें मेरा नाम प्रेमी देवी (Premi Devi) दर्ज है जो कि गलत है।

4. यह कि मेरा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, शाखा हिरोडीह के बचत खाता संख्या- 11617268979 में एवं वोटर आई डी कार्ड में मेरा नाम मरनी देवी (Marni Devi) है, जो कि सत्य वो सही है।

5. यह कि प्रेमी देवी (Premi Devi) उर्फ मरनी देवी, (Marni Devi) दोनों नाम मेरा ही है, तथा दोनों नामों से जानी व पहचानी जाती हूँ।

कोडरमा स्टेशन परिसर में चलाया गया स्वच्छता अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के सातवें दिन धनबाद मंडल के अंतर्गत धनबाद, गोमो, पारसनाथ, कोडरमा, डाल्टनगंज एवं गढ़वा रोड स्टेशनों पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। स्टेशनों पर फूड स्टॉल वेंडर्स का निरीक्षण किया गया तथा उन्हें सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने के लिए जागरूक किया गया। धनबाद, गोमो, कोडरमा, डाल्टनगंज और सिंगरौली स्टेशनों पर स्थापित बोतल क्रशिंग मशीनों की जांच की गई और यात्रियों को इन मशीनों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। कोडरमा स्टेशन परिसर में स्वच्छता अभियान के तहत यात्रियों व आम लोगों को प्लास्टिक छोड़ने और प्रकृति से जुड़ने का संदेश दिया गया। स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने हेतु गैर-प्लास्टिक इको-फ्रेंडली कटलरी के प्रयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया गया। साथ ही यह अपील की गई कि लोग बाजारों में जाते समय कपड़े का थैला लेकर जाएं ताकि प्लास्टिक की आदत को बदला जा सके। स्टेशन परिसर में गीले व सूखे कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे कचरा प्रबंधन को प्रभावी बनाया जा सके।

सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारना हमारी प्राथमिकता : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा के नवपदस्थापित उपायुक्त ऋतुराज कार्यभार ग्रहण करते ही जिले के सभी विभागीय पदाधिकारियों के साथ समाहरणालय सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस अवसर उन्होंने सभी को निर्देशित किया कि वे राज्य सरकार की जनकल्याणकारी एवं विकासोन्मुखी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करें ताकि आमजनों को त्वरित एवं सुगमता से प्राप्त हो सके। उपायुक्त ने कहा कि सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन केवल दायित्वों नहीं, बल्कि एक सामाजिक उत्तरदायित्व है, जिसे सभी पदाधिकारियों को पूर्ण निष्ठा और पारदर्शिता के साथ निभाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए जिम्मेदारी संबंधित पदाधिकारीयों की होगी । वे स्वयं नोडल पदाधिकारी की भुमिका निभाते हुए कार्यों की निगरानी करेंगे। उन्होंने कार्यालय संचालन की गुणवत्ता पर बल देते हुए सभी कार्यालय को स्वच्छ, व्यवस्थित एवं सुसंचालित करने का निर्देश दिया। साथ ही प्रत्येक कार्यालय से कमीर्यों की अद्यतन सूची एवं उनके कार्य दायित्वों पर तत्काल रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिये। उपायुक्त ने बताया कि भविष्य में सभी विभागों का नियमित रूप से समीक्षा बैठक आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त ऋतुराज ने समाहरणालय स्थित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थापना शाखा, नजारत शाखा, नीलाम पत्र शाखा, आपूर्ति विभाग, जिला पंचायती राज विभाग, निर्वाचन शाखा, राजस्व शाखा, कल्याण शाखा, योजना शाखा, विधि शाखा, सामान्य शाखा, भु-अर्जन कार्यालय, कोषागार, सामाजिक सुरक्षा कोषांग समेत अन्य विभागों का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय में कमीर्यों की उपलब्धता व उनके कार्य दायित्व, कागजातों का संधारण समेत कार्यालय से संबंधित सभी कार्यों की जानकारी लिये।

चलन्त लोक अदालत सह विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, राँची के निर्देश के आलोक में, जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वावधान में चलन्त लोक अदालत सह कानूनी जागरूकता का आयोजन मरकच्चो प्रखण्ड मुख्यालय में किया गया। मुख्य अतिथि प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार सहित सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। सभी अतिथियों को प्लांट पौट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने कहा कि समाज का कोई भी व्यक्ति साधन के आभाव में न्याय से वंचित नहीं रह सकता। लोगो के मौलिक अधिकारों के संरक्षण के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार कृत संकल्पित है। उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा प्रदान की जाने वाली सभी सुविधाओं के बारे में लोगों को अवगत कराया तथा उन्होंने कहा कि कानून की जानकारी सभी को होनी चाहिए, कानून की जानकारी नहीं होने के कारण लोगों को बहुत सारी परेशानियों को झेलना पड़ता है। सचिव गौतम कुमार ने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिसके द्वारा समाज के सभी कुरीतियों को दुर किया जा सकता है तथा जागरूकता के माध्यम से ही लोग अपने अधिकारों को प्राप्त कर सकते हैं 'मरकच्चो के बी डी ओ हुलास महतो ने कहा कि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओ का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुचाने के प्रति प्रखंड प्रशासन पूरी तरह कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि अनाथ एवं बेसहारा बच्चों को मदद करने के उद्देश्य से चलाई गई योजना झारखण्ड फोस्टर केयर एंड स्पांसरशिप स्कीम की शुरूआत झारखण्ड में ही की गई है, हम सबो को जागरूक होकर इसका भरपूर लाभ उठाना चाहिय। मरकच्चो के अंचलाधिकारी परमेश्वर कुशवाहा ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा लोगों को हर प्रकार की कानूनी सहायता उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि लोग आपस में छोटी-छोटी बातों को लेकर झगड़ जाते है जिसके कारण वे अपने समय एवं पैसे को बर्बाद करते है, लोगों को इनसे बचने की जरुरत है। एल ए डी सी एस के अधिवक्ता नवल किशोर ने बाल विवाह, दहेज प्रताड़ना, एसिड अटैक तथा घरेलु हिंसा अधिनियम से सम्बंधित कई महत्वपूर्ण जानकारी दी। एल ए डी सी एस के अधिवक्ता राजेंद्र मंडल ने कहा कि डायन कह कर किसी को प्रताड़ित करना कानूनन जुर्म है। उन्होंने कहा कि लड़के और लड़कियों को समान रूप से शिक्षा दिया जाना चाहिए ,बच्चे इस देश के भविष्य है। वही पैनल अधिवक्ता अंशु यामिनी ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय एवं कल्याणकारी योजनाओ का लाभ मुहैया कराने में जिला विधिक सेवा प्राधिकार काफी लाभकारी साबित होता है। मरकच्चो के प्रखंड प्रमुख विजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कार्यक्रम की भूरी भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए न्यायालयकर्मी रणजीत कुमार सिंह ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार के गठन एवं कार्यक्रमों के बारे में काफी विस्तार से बताया। इस अवसर पर दर्जनों लाभुको के बीच कल्याणकारी योजनाओ का लाभ अतिथियों के कर कमलो से मुहैया कराया गया। मौके पर न्यायालयकर्मी संतोष कुमार सिंह, पारा लीगल वोलेनटियर महेश्वरी प्रसाद कुशवाहा, विकास कुमार रजक, नीरज राम, मुकेश प्रसाद, दिवाकर रौशन, पिंकी कुमारी, ललिता देवी, मनोरमा कुमारी, सुनील यादव, बेदु साव, राधा कुमारी, लखपति दास सहित भारी संख्याँ में लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

कस्तूरबा बालिका आवासीय विद्यालय काराखुट का परीक्षा परिणाम रहा शानदार

डोमचांच : झारखंड अधिविद्य परिषद रांची द्वारा घोषित वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2025 में झारखंड बालिका विद्यालय आवासीय काराखुट का परीक्षा परिणाम शानदार रहा। इस विद्यालय से 54 विद्यार्थियों में 40 प्रथम व 14 द्वितीय श्रेणी से पास किया परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा.रानी कुमारी 423 अंक लाकर विद्यालय टॉपर रही। वहीं लवली कुमारी ने 404, दीपिका कुमारी ने 367, गंगोत्री कुमारी ने 365, शकीना खातून ने 361, अनिता कुमारी ने 350, मुन्नी कुमारी ने 345, मनीषा कुमारी ने 336, राधा कुमारी ने 335, फैजिया कुमारी ने 332 अंक लाकर विद्यालय का नाम रौशन किया। इस मौके पर विद्यालय के वार्डेन सह शिक्षिका विभा कुमारी ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

10वीं बोर्ड परीक्षा में जानवी राज ने स्कूल में तीसरा स्थान प्राप्त कर किया नाम रौशन

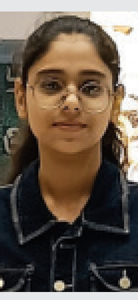

रामगढ़ : जैक 10वीं बोर्ड परीक्षा 2025 के परिणामों में भुरकुंडा स्थित पावन क्रूस स्कूल ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र में अपनी शैक्षणिक श्रेष्ठता साबित की है। स्कूल से इस वर्ष कुल 104 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की। यह परिणाम स्कूल के लिए गर्व और प्रसन्नता का विषय बना हुआ है। वहीं पावन क्रूस की क्षात्रा जानवी राज ने 93 .8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर रामगढ़ जिले में सातवां और स्कूल में तीसरा स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रौशन किया है। उनकी सफलता यह साबित करती है कि परिश्रम, अनुशासन और समर्पण के साथ किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। जानवी राज ने कहा की मेरी सफलता का श्रेय मेरे माता पिता के साथ साथ मेरे सारे शिक्षको को जाता है। जिन्होंने मुझपर विश्वास जताया और सफल होने के लिए मुझे हमेशा प्रेरित किया। आज मेरे नंबर अच्छे आयें है। तो उसमे मेरे सभी बड़ो का आशीर्वाद और छोटो का स्नेह शामिल है। मेरा लक्ष्य अभी पूरा नहीं हुवा है मुझे और कठिन परिश्रम करना है और इससे भी अच्छे अंक लाने की कोशिश करना है।

ओबीसी घोषणा-पत्र परामर्श कार्यक्रम में शामिल हुईं अंबा प्रसाद

भुरकुंडा : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नई दिल्ली में ओबीसी घोषणा-पत्र परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभर से ओबीसी के नेता चिंतक और सामाजिक न्याय के लिए संघर्षरत कई गणमान्य लोग शामिल हुए। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव सह पूर्व विधायक बड़कागांव विधानसभा अंबा प्रसाद भी उक्त कार्यक्रम में शामिल हुई। कार्यक्रम के दौरान ओबीसी घोषणा-पत्र परामर्श को उन्होंने संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल एवं झारखंड के ओबीसी समाज से जुड़े मुद्दों और उनके हिस्सेदारी की बात को प्रमुखता से रखा। अंबा प्रसाद ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से जातिगत जनगणना और ओबीसी समाज की हिस्सेदारी को लेकर जो स्पष्ट और दृढ़ आवाज उठाई जा रही है, उसने सामाजिक न्याय की लड़ाई को नई गति दी है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल विमर्श नहीं, बल्कि ओबीसी समाज को उसका हक दिलाने की ठोस कार्ययोजना तैयार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

सांसद मनीष जायसवाल जी के मार्गदर्शन में जरूरतमंदों को मिल रही है मदद : धनंजय

हजारीबाग : लोकसभा के सांसद मनीष जायसवाल जी के मार्गदर्शन एवं सांसद प्रतिनिधि (मीडिया) धनंजय कुमार पुटूस जी के प्रयास से एक कैंसर पीड़ित मरीज को उसके इलाज हेतु सरकार से 4,81,823 (चार लाख इक्यासी हजार आठ सौ तेईस रुपये) की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। ज्ञात हो कि कुछ दिन पूर्व रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में निवास करने वाले एक कैंसर पीड़ित के परिजनों ने अधिवक्ता विधान सिंह के साथ धनंजय कुमार पुटूस जी के जनता दरबार में इलाज में सहयोग के लिए आवेदन दिया था। मामले की गंभीरता को समझते हुए धनंजय कुमार पुटूस जी ने इसे तुरंत संज्ञान में लेते हुए सांसद मनीष जायसवाल जी के मार्गदर्शन में तत्परता के साथ आवश्यक पहल की। जिसके फलस्वरूप पीड़ित को सहयोग मिल सका। इस मानवीय सहयोग के लिए सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस ने बुधवार को सांसद मनीष जायसवाल जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सहयोग देने हेतु सिविल सर्जन डॉ. महालक्ष्मी प्रसाद, सिविल सर्जन कार्यालय के हेड क्लर्क नरेश राम एवं क्लर्क अरविंद कुमार व अधिवक्ता विधान सिंह को भी धन्यवाद ज्ञापित किया, जिनकी समन्वित भूमिका से यह सहायता समय पर स्वीकृत हो सकी। धनंजय कुमार पुटूस ने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में सांसद मनीष जायसवाल जी के मार्गदर्शन वे हम सब सदैव तत्पर रहते हैं और यह प्रयास आगे भी जारी रहेगा ताकि समाज के प्रत्येक जरूरतमंद तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाया जा सके।

कराटेकार आस्था सिंह को भदानीनगर ओपी प्रभारी ने किया सम्मानित

भुरकुंडा : कराटे कोच सेंसाई कंचन दास से प्रशिक्षण लेने वाली 17 वर्षीय एथलेटिक्स खिलाड़ी सह ए ला एंग्लाइज सीनियर सेकेंडरी प्लस टू की छात्रा आस्था सिंह के उपलब्धियां को देखते हुए भदानीनगर ओपी प्रभारी ब्रह्मव्रत कुमार ने बुधवार को मेडल और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। मौके पर उन्होंने कहा पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद भी जरूरी है। बेहतर प्रदर्शन कर खेलो में भी करियर बनाया जा सकता है। कोच कंचन दास ने बताया कि शॉटपुट और जैवलिन खिलाड़ी आस्था सिंह इसी माह 10 से 11 मई को रजरप्पा में आयोजित रामगढ़ जिला जूनियर एथलेटिक्स में गोला फेंक तथा भाला फेंक में दो रजत पदक जीतकर रामगढ़ जिला का नाम रोशन की है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन दौड़ लगाने वाली आस्था सिंह पिछले स्टेट एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में भी रजत पदक जीतकर पूरे झारखंड का नाम रोशन कर चुकी है।

जिले में 1500 लाभुकों का कराया गया अबुआ आवास का गृह प्रवेश

▶ लाभुकों को प्रेशर कुकर शॉल भेंट कर किया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के सदर प्रखंड के नरोत्तमपुर पंचायत के रामचन्द्रपुर गांव में अबुआ आवास योजना के चार लाभुकों को पक्का मकान मिला। माननीय विधायक पाकुड़ निसात आलम व उपायुक्त मनीष कुमार व उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, सांसद प्रतिनिधि, जिला परिषद सदस्य, कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं मुखिया सहित सभी जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से लाभुक के नवनिर्मित अबुआ आवास का फीता काटकर व नारियल फोड़ कर गृह प्रवेश कराया। लाभुक ने माननीय मुख्यमंत्री जी व जिला प्रशासन के प्रति अपना आभार जताया। कहा कि हमलोगों के पास रहने के लिए पक्के का मकान नहीं था। कच्चे मकान में किसी तरह गुजर बसर करते थे। सरकार के मदद से आज हमलोगों के पास पक्का का मकान बन गया। वहीं महेशपुर विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी, उपायुक्त पाकुड़ मनीष कुमार एवं झामुमो नेत्री उपासना मरांडी ने महेशपुर व धर्मखांपाड़ा गांव में बुधवार को अबुआ आवास का दो लाभुको का नारियल फोड़कर व फीता काट कर गृह प्रवेश कराया। मैके पर विधायक और उपायुक्त ने बताया कि जिले भर में 1500 अबुआ आवास का गृह प्रवेश कराया गया। महेशपुर लाभुक संजय राउत और धर्मखांपाड़ा गांव के लाभुक हासान शेख को अबुआ आवास योजना के तहत आवास मिला था। आज पाकुड़ जिला के सभी प्रखण्डों में अबुआ आवास योजना के लाभुकों के गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूरे जिले में 1500 लाभुकों का गृह प्रवेश कराया गया। सभी प्रखण्ड़ों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं वरीय पदाधिकारियों ने लाभुकों को गृह प्रवेश करवाया। पाकुड़ प्रखंड में 500, हिरणपुर प्रखंड में 200, लिट्टीपाड़ा में 250, अमड़ापाड़ा में 100, महेशपुर प्रखंड में 300, पाकुड़िया प्रखंड में 150 लाभुकों ने अपने अबुआ आवास में गृह प्रवेश किया।

एक नजर

मोटरसाइकिल दुर्घटना में एक युवक का मौके पर मौत

साहिबगंज/बोरियो : बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत एक युवक का मोटरसाइकिल दुर्घटना में मौके पर ही मौत हो गया। मिली जानकारी के अनुसार वालेडीह से जाने वाले मोड़ के पास मोटरसाइकिल का अचानक संतुलन खो देने के कारण मोटरसाइकिल सवार चालक बीच सड़क पर गिरकर गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गया। घटना की सूचना राहगीरों की मदद से बोरिया पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही बोरियो पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल भेज दिया गया। जहां पोस्टमार्टम करने के उपरांत शवगृह में शव को रख दिया गया।

जहरीले सांप के काटने से एक युवक हुआ मूर्छित

साहिबगंज: एक युवक को जहरीले सांप के काटने से हुआ मूर्छित। मिली जानकारी के अनुसार छोटी सोलबांधा मठिया निवासी स्वर्गीय लक्ष्मण यादव का 20 वर्षीय पुत्र गोविंद कुमार यादव अपने घर के बगल में पोखर के रास्ते से जाने के दौरान किसी जहरीले सांप ने बीते मंगलवार की रात्रि 8:00 बजे के लगभग पैर में काट लिया। वहीं परिजनों की मदद से गोविंद कुमार यादव को इलाज के लिए आनन-फानन में सदर अस्पताल साहिबगंज लाया गया।

हाथी ने पीडीएस दुकान सहित कई घरों को किया क्षतिग्रस्त

ईचागढ़ : सरायकेला-खरसावां जिला के ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के सितु गांव में दो हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने रंजीत साहू का सरकारी राशन दुकान का दरवाजा तोड़कर दुकान में रखे चावलों को अपना निवाला बनाया। हाथियों ने गीता देवी का खपड़ैल घर का छप्पर को तोड़ दिया एवं घर को क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं हाथियों ने कार्तिक दास, मृत्युंजय दास सहित कई ग्रामीणों का घर व दरवाजा को क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं समाजसेवी किरीटी दास ने कहा कि वन विभाग भटके हाथियों को क्षेत्र से भगाएं एवं क्षतिग्रस्त घरों का समुचित मुआवजा दे। बताया जा रहा है कि कुटाम पहाड़ में 5 -7 कि संख्या में हाथियों का झुंड डेरा जमाया हुआ है। शाम ढलते ही हाथियों का झुंड गांव की ओर कुच कर जाते हैं। वहीं हाथियों ने मकानों व फसलों को अपना निशाना बना रहे हैं।

विधायक व सीएस ने किया नवीनीकृत एसडीएच का उद्घाटन एवं निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मुख्यमंत्री रख-रखाव योजना के अंतर्गत अनुमंडलीय अस्पताल (एस डी एच), राजमहल का नवीनीकरण कार्य संपन्न किया गया। इस योजना के अंतर्गत अस्पताल में रंग-रोगन, ब्रांडिंग, चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता, एवं मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया गया, जिससे मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकें। आज नवीनीकृत एस डी एच का संयुक्त उद्घाटन विधायक, राजमहल एमटी राजा एवं सिविल सर्जन साहिबगंज द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने परिसर का भ्रमण कर नए बदलावों को देखा तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की एवं कुछ पहलुओं पर अस्पताल प्रशासन को आवश्यक सुधारात्मक सुझाव दिए। उद्घाटन उपरांत विधायक एवं सिविल सर्जन द्वारा अस्पताल के विभिन्न विभागों जैसे ओपीडी, इमरजेंसी, पैथोलॉजी, वार्ड्स, अल्ट्रासाउंड और सफाई व्यवस्था आदि का गहन निरीक्षण किया गया।

अवैध विदेशी शराब के साथ एक युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : बुधवार को विश्वसनीय स्रोत से मिली जानकारी के आधार पर बरहरवा आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार के नेतृत्व में ट्रेन संख्या 13409 मालदा किऊल इंटरसिटी एक्सप्रेस से एक व्यक्ति अंकित कुमार उम्र बीस वर्ष, पिता उपेन्द्र प्रसाद साव नयागंज, कोतवाली थाना, जिला मुंगेर, बिहार निवासी को भारी मात्रा में विदेशी अवैध शराब के साथ रंगेहाथों छापामारी दल ने पकड़ा है। छापामारी दल में एएसआई दीपक कुमार राय, एएसआई मुन्ना पर्वत, एचसी एस.के.घोष, सभी आरपीएफ, सीआईबी मालदा, एएसआई बाबुल दास, सीपीडीएस टीम-ए मालदा के स्टाफ, ट्रेन एस्कॉर्टिंग इंचार्ज एएसआई मोहम्मद आई. आलम और आरपीएफ पोस्ट बरहरवा से एएसआई जलेश्वर कुमार दुबे एवं अन्य आरपीएफ स्टाफ के साथ बरहरवा आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार शामिल थे। जिनके नेतृत्व में ट्रेन नंबर 13409, मालदा किऊल इंटरसिटी एक्सप्रेस में बरहरवा रेलवे स्टेशन पर अवैध रूप से शराब ले जाने के खिलाफ छापेमारी सह तलाशी की गई। छापेमारी के दौरान जब ट्रेन बरहरवा रेलवे स्टेशन पर पहुँची तो रेडिंग पार्टी ने देखा कि जीएस कोच संख्या ईआर 193422 सी में एक व्यक्ति एक पिट्ठू बैग और दो हैंड बैग के साथ इधर - उधर घूम रहा था। शक होने पर, उसे रोककर बैगों का तलाशी लिया गया, तो तीनों बैग खोलने पर भारी मात्रा में टेट्रा पैक ऑफिसर चॉइस एलीट व्हिस्की विदेशी शराब से भरे हुए थे। पूछने पर उसने अपनी पहचान अंकित कुमार पुत्र उपेंद्र प्रसाद साव नयागाँव, थाना कोतवाली, जिला मुंगेर, बिहार के रूप में बताई। उसके बाद उस उक्त व्यक्ति को हिरासत में लिया गया और शराब के साथ ट्रेन से नीचे उतारा। आगे जाँच के दौरान प्राप्त शराब के गिनती करने पर कुल 245 टेट्रा पैक ऑफिसर चॉइस एलीट व्हिस्की पाया गया। शराब की कुल कीमत 31850 रुपये है। आगे पूछने पर उसने बताया कि वह अपने निजी लाभ के लिए बिहार क्षेत्र में कहीं भी बेचने के लिए सभी शराब ले जाता है।

खदान क्षेत्र में फायरिंग, एक घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गोड्डा : ईसीएल की खुली राजमहल खनन परियोजना के तहत तालझारी खदान क्षेत्र मंगलवार की देर रात को गोलियों की गूंज से थर्रा उठा, जब लगभग 40 की संख्या में अज्ञात हमलावरों ने खदान क्षेत्र में घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग और पथराव किया। इस हिंसक घटना में एक सावेल ऑपरेटर घायल हैं। घटना के संबंध में महाप्रबंधक सतीश मुरारी ने बताया कि यह पहला मौका है जब इतनी बड़ी मात्रा में गोला-बारूद का प्रयोग किया गया है। उन्होंने बताया कि हमलावर ह्यमसालाह्ललेकर खदान में दाखिल हुए और लगभग 40 राउंड फायरिंग की। हमलावरों ने एक डंपर के टायर में आग लगाने का भी प्रयास किया। फायरिंग के दौरान ऑपरेटर दीपक मंडल जान बचाकर जैसे-तैसे केबिन में छुपा, लेकिन हमलावरों ने उसके ऊपर भी गोली चला दी। गोली केबिन के कांच को चीरते हुए उसके कान के पास जा लगी, जिससे वह घायल हो गया। उसे गंभीर अवस्था में इलाज के लिए दुर्गापुर भेजा गया है। बताया जाता है कि 20 से अधिक लोग खदान के ऊपर से अचानक हमला कर रहे थे, जिससे अफरा-तफरी मच गई और मजदूर इधर-उधर भागने लगे। बताया जा रहा है कि यह घटना जानबूझकर डर का माहौल फैलाने और राजमहल कोल परियोजना के विस्तार को रोकने के उद्देश्य से की गई है। उल्लेखनीय है कि तालझारी मौजा में 325 एकड़ और पहाड़पुर मौजा में 175 एकड़ जमीन का अधिग्रहण ईसीएल की ओर से किया गया है। इनमें से लगभग 275 एकड़ जमीन का मुआवजा तालझारी के लोगों को तथा 80 एकड़ का मुआवजा पहाड़पुर के ग्रामीणों को दिया जा चुका है। जानकारी के अनुसार, जमीन अधिग्रहण को लेकर लंबे समय से स्थानीय ग्रामीणों और परियोजना प्रबंधन के बीच तनाव बना हुआ है। हमले की वजह भी यह माना जा रहा है। घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया स्थानीय थाना में जारी है। वहीं, पूरे मामले से निपटने के लिए ईसीएल प्रशासन ने आपात बैठक बुलाई है, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा और आगे की रणनीति तय की जाएगी। इस घटना ने परियोजना क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं और प्रशासन पर दबाव बना दिया है कि वह ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए। कुछ वर्ष पूर्व इसी प्रकार के एक मामले में तालझारी गांव के लोगों ने गंभीर रूप से कदम उठाते हुए थाना प्रभारी पर भी गोली चलाई थी जिसमें वह बाल बाल बच गए थे।

पाच्चु मंडल हत्याकांड में पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : तालझारी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराजपुर डाकबंगला खन्ता के पास में हुई गोलीकांड मामले का पदार्फाश करते हुए पुलिस ने चार दिन के अंदर मुख्य आरोपी शेख दानिश उर्फ बमशी अली को गिरफ्तार कर लिया है जिसकी जानकारी राजमहल एसडीपीओ ने प्रेस कांफ्रेंस कर दिया। वही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विमलेश त्रिपाठी ने आपने कार्यालय कक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले का खुलासा करते हुए बताया की 22 मई की करीब 07.00 बजे संध्या तालझारी थाना अंतर्गत डाकबंगला खन्ता के पास महाराजपुर के पाच्चु मंडल पिता स्व० बेचन मंडल का गोली मार दी गयी, जिसे ईलाज हेतु सदर अस्पताल, साहेबगंज भेजा गया था। जख्मी का ईलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया गया था। उक्त घटना के सम्बंध में मृतक के पत्नि के ब्यान के आधार पर तालझारी थाना काण्ड सं० 69/25 धारा 103(1)/3 (5) भा०न्या०स० एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जिसके अनुसंधान के करम में इस काण्ड में संलिप्त अपराधकमीर्यो के गिरफ्तारी एवं घटना में प्रयुक्त हथियार के बरामदगी हेतु पुलिस अधीक्षक साहेबगंज के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजमहल के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन कर अपराधियों के सभी सम्भावित जगह पर सघन छापामारी किया गया। अनुसंधान के क्रम में इस काण्ड के मुख्य प्राथमिकी अभियुक्त शेख दानिश उर्फ बमशी अली, पिता नसरूद्दीन शेख उर्फ नसवा शेख, सा० मोतीझरना डाकबंगला, थाना तालझारी, जिला साहेबगंज को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

एक दिवसीय दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का किया आयोजन

▶ 840 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, 292 अभ्यर्थियों का अंतिम रूप से हुआ चयन

▶ रोजगार मेला में कुल नियोजकों ने लिया भाग

▶ 178 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग जिला नियोजनालय सह मांडल कैरियर सेंटर पाकुड़ द्वारा बाजार समिति में दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन किया गया। जिसमें आठवीं से ग्रेजुएट पास युवक-युवतियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त मनीष कुमार व उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, जिला नियोजनालय पदाधिकारी राहुल कुमार, सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव व राजेडी जिला अध्यक्ष के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। उपायुक्त मनीष कुमार ने रोजगार मेले में आये बेरोजगार युवक/युवतियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि निजी कंपनियों में कई ऐसे पोस्ट होते हैं जिसके लिए युवाओं को प्रशिक्षित होना जरुरी है। रोजगार मेला में अलग अलग राज्यों से कई कंपनियां पहुंची है। कंपनियों के खाली पड़े पदों पर अभ्यर्थियों को उनकी योग्यता व कौशल के अनुरूप बहाल किया जाएगा। कोई भी जॉब छोटा या बड़ा की श्रेणी में हमें नहीं आंकना चाहिए। उपायुक्त ने कम्पनियों से अपील किया कि पाकुड़ के युवा को मौका जरूर दें। उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया ने अपने संबोधन में कहा कि आज नियोजनालय, पाकुड़ के सौजन्य से रोजगार मेला का आयोजन किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को उनके अभिरुचि एवं शैक्षणिक योग्यता के अनुसार नौकरी प्रदान करना है।

मदरसा में शिक्षा बहाली में अनियमितता को लेकर उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : प्रखंड क्षेत्र के नया जुहीबोना एवं हस्तीपाड़ा के ग्रामीणों एवं अभ्यर्थियों ने मंगलवार को उपायुक्त साहेबगंज को ज्ञापन सौंपा, जिसमें मदरसा दिनिया जाबेदिया नया जुहीबोना में हो रही शिक्षक बहाली प्रक्रिया में पर अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए है। ज्ञापन में कहा गया है कि मदरसा के प्रधान मौलवी, सचिव एवं अध्यक्ष ने मिलीभगत कर अपने-अपने रिश्तेदारों की नियुक्ति कराने की साजिश रची है। ज्ञापन में बताया गया है कि जिन चार महिलाओं की नियुक्ति सुनिश्चित की जा रही है, वे सभी पदधारियों के निकट संबंधी हैं—जैसे कि सचिव हेमाईतुर रहमान की पत्नी सविना यासमीन, अध्यक्ष की पुत्रियां मुकसेमा खातून और तकसीमा खातून, तथा सचिव की रिश्तेदार अजमीरा खातून। ग्रामीणों का कहना है कि बहाली की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है और इसमें भारी अनियमितता हो रही है। आरोप है कि इससे अन्य उम्मीदवारों से 20 लाख रुपये की मांग की गई है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि मदरसा को नियमविरुद्ध तरीके से ग्राम नया जुहीबोना से हटाकर ग्राम हस्तीपाड़ा में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां पहले से ही एक सरकारी मदरसा और विद्यालय मौजूद हैं। इससे नया जुहीबोना क्षेत्र के बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि बच्चों की उपस्थिति की फर्जी एंट्री की जा रही है और मध्यान्ह भोजन योजना का संचालन भी ठीक तरीके से नहीं हो रहा है। साथ ही, अंत में, ग्रामीणों ने उपायुक्त से मांग की है कि वर्तमान मदरसा कमेटी को तत्काल प्रभाव से भंग किया जाए और शिक्षक बहाली प्रक्रिया को तब तक रद्द किया जाए, जब तक कि नई कमेटी का गठन नहीं हो जाता है।

संक्षिप्त खबरें

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा को लेकर भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली

साहिबगंज/बोरियो : प्रखंड के आरके प्लस टू हाईस्कूल मैदान में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ को लेकर आज बुधवार दिनांक 28 मई 2025 को भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा यज्ञ स्थल से निकल कर बोरिया ग्वाला मोड़, मेन रोड होते हुए पूरे बाजार का भ्रमण करते मोरंग नदी तक गई। मोरंग नदी में कलश में जल भरकर पुनः वापस यज्ञ स्थल तक आई। कलश शोभा यात्रा में पीला वस्त्र धारण किए हुए कुमारी कन्याओं एवं महिलाएं शामिल हुई। कलश शोभा यात्रा गाजे बाजे के साथ निकली। कलश शोभा यात्रा के बाद प्लस टू हाई स्कूल के मैदान में 29 मई से 4 जून तक सात दिवसीय तक भागवत कथा का आयोजन होगा। कथा वाचक वृंदावन के गोपाल भाई ओझा है। इस मौके पर नंदेश्वर प्रसाद, राजेश यादव, मोहन रक्षित, सुनील, मंगल पेंटर आदि अन्य श्रद्धालु गण शामिल थे।

सड़क दुर्घटना में एक युवक घायल

साहिबगंज : तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत महाराजपुर बाफर टोला में मंगलवार की देर शाम को भैंस से टकरा जाने से एक बाईक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जहां स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। उधर सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ पिंकु चौधरी के देखरेख में इलाज किया गया। वही बाईक सवार घायल युवक की पहचान राजमहल थाना क्षेत्र निवासी सुधीर मंडल के 35 वर्ष पुत्र धर्मराज मंडल के रूप में हुई है। उधर घायल बाईक सवार युवक धर्मराज मंडल ने बताया कि मंगलवार की शाम वो राजमहल से अपने ससुराल चानन साहिबगंज जा रहे थे जहां अचानक महाराजपुर बाफर टोला के समीप भैंस आ गया और जोरदार टक्कर मार दिया जिससे वो घायल हो गया। वही घायल बाईक सवार युवक के सिर पर गंभीर चोट लगी है जिसका सदर अस्पताल में चिकित्सक के देखरेख में इलाज किया जा रहा है।

माहवारी जागरूकता को लेकर विस्तृत रूपरेखा तैयार तिथि-वार गतिविधियों के सफल संचालन पर जोर

साहिबगंज : बुधवार को साहिबगंज जिले में 'चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो' अभियान का शुभारंभ उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में किया गया। इस अभियान का उद्देश्य माहवारी से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना, सही जानकारी देना और समाज में सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन लाना है। अभियान की शुरूआत प्रतीकात्मक रूप से रेड डॉट चैलेंज के माध्यम से की गई, जो माहवारी स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है। बैठक में 28 मई से 11 जून 2025 तक आयोजित होने वाली तिथि-वार गतिविधियों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि अभियान का संचालन प्रभावी और सफल ढंग से हो सके। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों और कर्मचारियों को माहवारी स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। यह शपथ समाज में माहवारी के प्रति खुले और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के संकल्प के रूप में ली गई।इस अवसर पर सदर डीएसपी विजय कुस्वाहा, जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी उमेश कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, कनीय अभियंता, सहायक अभियंता, सभी जिला समन्वयक, प्रखंड समन्वयक सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने अभियान की सफलता सुनिश्चित करने हेतु समर्पित भाव से सहयोग करने का आश्वासन दिया।

एक झोपड़ी से पुलिस ने महिला का शव किया बरामद

बरहरवा : थाना पुलिस ने मंगलवार को थाना क्षेत्र के चौलिया ग्राम स्थित एक झोपड़ी नुमा मकान से एक तकरीबन 20 वर्षीय महिला का शव बरामद किया है। महिला की पहचान राधा देवी पति सीटू लैया के रूप में किया गया। वहीं ग्रामीणों के अनुसार राधा देवी उक्त झोपड़ी नुमा आवास में सास, ससुर, छोटा देवर एवं बगल वाली झोपड़ी में ननद और नंदोषी के साथ रहती थी। पति कोलकाता मजदूरी करने गया है। सुबह किसी बात को लेकर परिवार में विवाद हुआ था और उक्त महिला ने फंदे से झूल कर आत्महत्या कर लिया। परंतु मौके पर जब पुलिस पहुँची तो मृतिका का शव जमीन पर लेटा हुआ पाया गया। जानकारी के मुताबिक उक्त परिवार बिहार के बताए जाते हैं। जो वर्तमान में झोपड़ी नुमा आवास बनाकर चौलिया ग्राम में जीवन यापन कर रहे हैं। वहीं महिला का शादी तकरीबन एक वर्ष पूर्व हुआ था। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु राजमहल भेज दिया है। मौके पर बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह, थाना अवर निरीक्षक रामप्रवेश दास, सीदाम रविदास सहित अन्य पुलिस बल मौजूद रहे।

अलग करना है तो मोदी से जाकर पैसे मांगो

ठेलेवाला-फुटपाथी रिश्तेदार कहकर बुलाते थे; आज 2.5Cr की कंपनी के CEO, 25 शहरों में कारोबार

पूर्णिया। 'बेटे को बाहर पढ़ा लिखाकर क्या फायदा, आखिर में फुटपाथ पर ठेला ही लगा रहा है। बड़े शहरों में बेटे को भेजकर इतने रुपए उड़ाए ही, थोड़े और खर्च कर किराना दुकान खुलवा देते।' 'ताने मारता हुआ कोई मेरे पिता के सामने मुझे ठेलेवाला कहता था, तो कोई फुटपाथी कहकर पुकारता था। जब मैं घर लौटता था तो पिता और भाई कहते थे कि ये काम छोड़ दो, आखिर में तुम्हें निराशा हाथ लगेगी।' 'बिजनेस स्टार्ट करने के लिए लोन मिलने में समय लग रहा था तो दोस्तों से मदद मांगी, उन्होंने पैसे तो नहीं दिए बल्कि सलाह दे दी कि तू जो करने की सोच रहा, इसके लिए तो तू 'मोदी जी' से ही पैसे मांग।'हम तुम्हारी कोई मदद नहीं कर सकते। कल को तेरा ये बिजनेस डूबा, तो फिर तू कहेगा पत्तों से बने ड्रेस बनाऊंगा। तू खुद तो ठहरा जंगली। स्कूल टाइम वाला नाम भूल गया क्या? सॉरी यार, हम तुम्हारी कोई मदद नहीं कर सकते।' एक समय ऐसा था, जब मेरे दोस्त ये बातें मुझे बोलते थे, लेकिन अब समय आया है कि वही दोस्त दूसरों के सामने मेरी मिसाल देते हैं। जब मेरी हिम्मत जवाब दे रही थी, तब मां मेरे साथ खड़ी थी। आखिर में भाई और पिताजी ने भी हौसला बढ़ाया। भाई के सेविंग्स और PMEGP के मिले लोन से 2022 में बांस से बने प्रोडक्ट का बिजनेस खड़ा किया। 3 साल में आज मेरी कंपनी का टर्नओवर 1 करोड़ पहुंच गया है, जबकि मार्केट वेल्यू 2.50 करोड़ है। इस वक्त 300 से अधिक प्रोडक्ट देश के 25 स्टेटस में भेजे जा रहे हैं। कंपनी के लिए 40 लोगों की टीम काम कर रही है। मैं बिहारी में आज कहानी पूर्णिया के रहने वाले 28 साल के सत्यम सुंदरम की मैं सत्यम सुंदरम मूल रूप से मुंगेर जिले के लखनपुर गांव के रहने वाला हूं। कहानी शुरू होती है 2001 से। मेरे पिता का ट्रांसफर पूर्णिया हो गया था। उनके साथ मैं भी डीएम आवास के पास श्रीनगर हाता इलाके में रहने आ गया। 4 सदस्यों वाले परिवार में दो बेटों मैं सबसे बड़े था। पिता मनोज कुमार पोद्दार बिहार पुलिस में चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी हैं। मां आशा अनुरागिनी सत्यम के साथ उनके काम में हाथ बंटाती हैं। मेरा छोटा भाई शिवम सुंदरम HDFC बैंक में असिस्टेंट मैनेजर हैं। मैंने 10वीं और 12वीं की पढ़ाई पूर्णिया से हुई। पटना से BBA किया। पटना में पढ़ने वाले लाखों युवाओं की तरह मुझ पर भी सरकारी नौकरी का प्रेशर था। पिता चाहते थे कि मैं सरकारी सेवा में जाऊं। मैंने अपना पूरा एफर्ट लगाया और BPSC की परीक्षा दी। हालांकि थोड़े से अंतर से मैं असफल हो गया। परिवार वालों और दोस्तों ने दूसरी कोशिश करने को कहा, लेकिन मेरी अब सरकारी नौकरी में जाने की इच्छा नहीं थी। अब मुझे MBA करना था। साल 2019 में आगे की पढ़ाई के लिए कोलकाता चला गया। पिता ने काफी उम्मीदों से मुझे आगे की पढ़ाई के लिए कोलकाता भेजा। मैंने भी मेहनत में कोई कमी नहीं की। पिता पर बोझ बनने की जगह MBA की पढ़ाई के दौरान जब मुझे इंटर्नशिप का मौका मिला तो 1 महीने की जगह ब्रिटानिया, ITC और बर्जर जैसी कंपनी में 3 महीने तक इंटर्नशिप किया। टाइम की परवाह किए बिना सबकुछ भूलकर उन्होंने बिजनेस और मार्केटिंग की स्किल सीखी। अपनी मेहनत से जहां इंटर्नशिप किया, वहां का सेल करीब 10 फीसदी तक बढ़ा दिया। मेरी मेहनत से प्रभावित होकर पेड इंटर्नशिप का मौका मिला। मुझे ब्रिटानिया, ITC और बर्जर पेंट्स जैसी 7 कंपनियों से प्री-प्लेसमेंट ऑफर मिला। बर्जर ने सालाना 20 लाख पैकेज का ऑफर दिया। इंटर्नशिप के दौरान बिजनेस से होने वाली ग्रोथ को देखकर मैंने ये ठान लिया था कि मुझे खुद का बिजनेस सेटअप करना है और मैंने 20 लाख रुपए के पैकेज का ऑफर ठुकरा दिया। मैं अपने बिजनेस की शुरूआत कोलकाता से ही अपने कुछ दोस्तों के साथ मिलकर करना चाहता था, लेकिन मां चाहती थीं कि मैं पूर्णिया लौट जाऊं और पूर्णिया से ही बिजनेस की शुरूआत करूं। साल 2021 के आखिर में मैं पूर्णिया आ गया। लोकल रिसोर्सेज का इस्तेमाल करते हुए कुछ अलग हटकर करना चाहता था। मैंने घर पर रहकर कुछ दिनों तक गूगल की मदद से सर्च करना शुरू किया। यूट्यूब की मदद ली। इसी दौरान मुझे बांस का ख्याल आया। मैंने पाया कि पूर्णिया ही नहीं बल्कि सीमांचल और कोसी में बांस की बहुत बड़े पैमाने पर खेती होती है। मैंने सोचा कि क्यों न इस बांस को प्लास्टिक के विकल्प के तौर पर सामने लाया जाए। साल 2022 के मिड में मैंने PMEGP लोन के लिए अप्लाई किया। इस लोन के लिए मुझे 5 महीने तक स्टाफ ऑफिस दौड़ाते रहे। इसी बीच एक ब्रोकर से मेरी मुलाकात हुई। उसने मुझसे 50 हजार रुपए मांगे और काम करवाने की गारंटी दी।

जब उसने रिश्वत मांगी तो मैं उस पर भड़क गया। f

बिहार विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत होगी

कांग्रेस सांसद रंजीत रंजन ने जन सुराज को बीजेपी की टीम बताया, बोली- जनता सब समझ चुकी है

पूर्णिया। में कांग्रेस से राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन ने जन सुराज को बीजेपी की इ टीम बताया है। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'जनता इस बात को अच्छी तरह समझ चुकी है। इससे इंडिया गठबंधन को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला और न ही नुकसान होने वाला है। बिहार में इंडिया बनाम NDA की लड़ाई है। तीसरा कोई नहीं है। इस बार के बिहार विधानसभा चुनाव में इंडिया ही जीतेगा।' इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर बिहार की सभी महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए मां बहन मान योजना के तहत दी जाएगी। देश में जहां भी इंडिया गठबंधन और कांग्रेस की सरकार है, वहां इस तरह की योजना अन्य नामों से चल रही है। भाजपा सरकार ने महिलाओं के लिए आज तक कुछ नहीं किया है। बिहार में महिलाएं सुरक्षित भी नहीं है। ये योजना न केवल आर्थिक राहत देगी, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में मदद करेगी।बीजेपी पर निशाना साधते हुए रंजीत रंजन ने कहा, 'ये जुमले वाली पार्टी है। हकीकत में उनकी एक भी योजना धरातल पर नहीं दिख रही है। अब लोग इस सरकार से परेशान हो चुके हैं। सरकार ने जितनी भी योजनाएं शुरू की, इनमें से एक का भी फायदा सही मायनों में जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच रहा है। सीमांचल और कोसी में बाढ़ और कटाव की स्थिति है। समय पर बाढ़ और कटाव निरोधी कार्य न होने से आशियाना उजाड़ने को मजबूर हैं। ये लोग अपने घर से बेघर हो गए हैं। मजबूरन पलायन कर रहे हैं।'दिल्ली में 2008 में लाडली योजना शुरू हुई थी कांग्रेस पार्टी महिलाओं के अधिकार और सशक्तिकरण के लिए काम करती रही है। देश में लाडली योजना की शुरूआत सबसे पहले कांग्रेस ने की थी। दिल्ली में शीला दीक्षित सरकार ने 2008 में लाडली योजना शुरू की। इसके तहत बेटी के जन्म के समय 3600 और कक्षा 1 से 12 तक की पढ़ाई के लिए 25000 की सहायता दी जाती थी।

12वीं कक्षा पूरी करने पर बैंक खाते में एक लाख का मैच्योरिटी अमाउंट सीधे आ जाता था।

भोजपुर में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

भोजपुर। के नवादा थाना क्षेत्र में पिता की डांट से नाराज होकर छात्र ने फांसी लगा ली। अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में मौत हो गई। मृतक निखिल कुमार(20) बक्सर के भदारा गांव का रहने वाला था। परिवार के साथ किराए के घर में जैन कॉलेज के पास रहता था। मृतक की मां ने बताया कि बेटा आईपीएल में सट्टा लगाता था। काफी पैसा हार चुका था। घर के लोग बहुत परेशान थे। मंगलवार देर शाम मोहल्ले में अपने दोस्त के साथ बैठा था। इस दौरान उसके पिता ने दोस्तों के सामने उसे बहुत डांटा। कुछ देर बाद घर आया। मेरे से खाना मांगकर खिया। पिता ने दोबारा फटकार लगाते हुए कहा कि आज के बाद तुम्हें कुछ नहीं मिलेगा। खाने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया। काफी देर बाद कमरे के अंदर झांककर देखा तो फंदे से लटक रहा था। आनन-फानन में उसे अस्पताल लेकर हुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

पीएम मोदी 30 मई को बिक्रमगंज में करेंगे जनसभा

कैमूर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 मई को शाहाबाद क्षेत्र के बिक्रमगंज में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री डॉ प्रेम कुमार खुद गांव-गांव जाकर लोगों को इस सभा में शामिल होने का निमंत्रण पत्र दे रहे हैं। डॉ प्रेम कुमार ने जानकारी दी कि यह प्रधानमंत्री मोदी का ऑपरेशन सिंदूर के बाद बिहार का पहला दौरा है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर से पहले भी प्रधानमंत्री ने बिहार से ही आतंकवाद के खिलाफ चेतावनी दी थी। ऑपरेशन में सेना ने आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट कर दिया, जिसमें सैकड़ों आतंकवादी मारे गए थे।। भारत आतंकवाद के खिलाफ सख्त- डॉ प्रेम कुमार सहकारिता मंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया आज भारत के साथ खड़ी है, और प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा देशवासियों को और अधिक संकल्पित करने वाला होगा। मंत्री ने कहा, डॉ प्रेम कुमार इन दिनों कैमूर के चारों विधानसभा क्षेत्रों में भ्रमण कर रहे हैं। वे गांव-गांव, पंचायत स्तर पर जाकर व्यक्तिगत रूप से लोगों को प्रधानमंत्री की सभा में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी का बिहार आना गर्व की बात है। हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक लोग उनकी बातों को सुनें और देश की नीतियों और उपलब्धियों को समझें। पीएम की सभा को लेकर प्रशासन सतर्क बिक्रमगंज में होने वाली सभा को लेकर स्थानीय प्रशासन भी सतर्क है।

राजद की माई बहन योजना पर प्रशांत किशोर का तंज

महिलाओं को 2500/- मासिक के वादे पर बोले- जेब में 100 और वादा 150 देने का

सीवान। बिहार की राजनीति में चुनावी बिगुल बज चुका है और सियासी दलों ने वादों की झड़ी लगा दी है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की ओर से प्रस्तावित माई बहन योजना जिसके तहत राज्य की महिलाओं को हर महीने 2500 देने का वादा किया गया है, अब विपक्षी हमलों के केंद्र में है। सीवान में जन सुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर (PK) ने इस योजना पर कड़ा तंज कसते हुए इसे वित्तीय रूप से असंभव करार दिया। एक जनसभा में उन्होंने कहा,कुछ लोग कह रहे हैं कि उनकी सरकार बनी तो हर महिला को 2500 महीना देंगे। ये सुनकर हमारी पार्टी के लोग भी कहने लगे कि भैया, हम लोगों को भी ऐसा कुछ बोलना चाहिए ! - प्रशांत किशोर, संस्थापक, जन सुराजप्रशांत किशोर ने जनसभा में आंकड़ों के जरिए यह समझाने की कोशिश की कि यह योजना बजटीय व्यावहारिकता से परे है। उन्होंने कहा, बिहार की जनसंख्या करीब 13 करोड़ है, जिनमें लगभग 6 करोड़ महिलाएं हैं। अगर बच्चियों को अलग करें तो करीब 5 करोड़ वयस्क महिलाएं बनती हैं। अगर हर महिला को 2500 प्रति माह दिए जाएं, तो सालाना खर्च 1.54 लाख करोड़ हो जाएगा। जबकि राज्य का कुल बजट ही करीब 1 लाख करोड़ है। - प्रशांत किशोर, संस्थापक, जन सुराज प्रशांत किशोर ने जनता से अपील करते हुए कहा कि, आप लोग इस योजना के नाम पर वोट तो दे देंगे, लेकिन जब वादा पूरा नहीं होगा तो कहेंगे कि वादा खिलाफी हो गई। इसलिए मैं पहले ही कह रहा हूं कि ये लोग वादा खिलाफी करेंगे। जेब में 100 हैं और वादा 150 देने का कर रहे हैं। प्रशांत किशोर के इस बयान के बाद बिहार की सियासत में हलचल बढ़ गई है। समर्थक इसे सच्चाई की आवाज बता रहे हैं, वहीं विरोधियों का कहना है कि जनता को भ्रमित करने की कोशिश की जा रही है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि राजद इस तंज का क्या जवाब देता है और जनता इस बहस में किस पक्ष को ज्यादा तवज्जो देती है।

दरभंगा शहर को कांग्रेस राष्ट्रीय प्रवक्ता ने गांव बदतर बताया

शमा बोली- 25 साल से बीजेपी के सांसद, आज तक विकास नहीं किया

दरभंगा। में कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास के दावे पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि जब वह दिल्ली से दरभंगा एयरपोर्ट पर उतरीं और बाहर निकलीं, तो कुछ दूरी तय करने के बाद अपने साथियों से पूछा कि दरभंगा सिटी कितनी दूर है। जवाब मिला- हम जहां हैं, यही दरभंगा सिटी है। इस पर उन्होंने कहा कि मैं तो दरभंगा शहर ढूंढ रही थीं, लेकिन यह तो गांव से भी बदतर स्थिति में है। शमा मोहम्मद ने कहा कि यहां पिछले 25 साल से बीजेपी के सांसद है। 20 साल से बीजेपी-जदयू की सरकार है। फिर भी दरभंगा में विकास के नाम पर कुछ नहीं हुआ। दरअसल शमा दरभंगा में राजद की 'माई बहन मान योजना' की कांग्रेस फं-डटर में री-लॉन्चिंग के लिए पहुंची थीं। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार बनी तो बिहार की हर महिला को हर महीने 2500 रुपए सीधे खाते में दिए जाएंगे। इसके लिए घर-घर जाकर फॉर्म भरवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि फॉर्म को सुरक्षित रखना जरूरी है, ताकि सरकार बनने पर योजना का लाभ मिल सके। तेज प्रताप यादव और अनुष्का यादव प्रकरण पर उन्होंने कहा कि मैं राजद की प्रवक्ता नहीं। शमा मोहम्मद ने बीजेपी पर महिला विरोधी होने का आरोप लगाया। उन्होंने बृजभूषण शरण सिंह का नाम लेते हुए कहा कि जब देश की महिला पहलवान ही सुरक्षित नहीं हैं, तो दरभंगा की आम महिलाएं कैसे सुरक्षित होंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अब तक बृजभूषण पर कार्रवाई क्यों नहीं की। उन्होंने कहा कि पॉक्सो एक्ट के तहत उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पीड़िता और उसके परिवार पर दबाव बनाया गया, इसलिए अब वे अदालत में पलट गए हैं। उन्होंने सवाल किया कि कोई महिला झूठा आरोप क्यों लगाएगी, जब तक उसके साथ कुछ गलत न हुआ हो। न्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन बिहार की महिलाओं को सशक्त करने के लिए 'माई बहन मान योजना' लेकर आई है। इसके तहत सरकार बनने पर महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने न तो पार्टी को तोड़ा है, न ही गठबंधन को। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने महाराष्ट्र में एनसीपी और शिवसेना को तोड़ा, लेकिन कांग्रेस ऐसा नहीं करती। उन्होंने कहा कि बीजेपी सिर्फ बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा देती है, करती कुछ नहीं। कांग्रेस महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना चाहती है। उन्होंने माय बहन मान योजना का कूपन भी दिखाया, जिसमें राहुल गांधी और मेनका गांधी की तस्वीरें थीं। उन्होंने कहा कि पुरुषों को भी इससे राहत मिलेगी, क्योंकि जब महिलाओं के पास पैसा होगा, तो परिवार में शांति और संतुलन रहेगा। शमा मोहम्मद ने बीजेपी पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने महाराष्ट्र में तीन महीने पहले योजना शुरू की, तो पांच साल पहले क्यों नहीं की? उन्होंने कहा कि बीजेपी सिर्फ चुनाव जीतने के लिए योजनाएं लाती है। दरभंगा में 25 साल से बीजेपी का विधायक और सांसद है, फिर भी यहां विकास नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि यह सवाल बीजेपी और जदयू से पूछा जाना चाहिए।

संक्षिप्त डायरी

दरभंगा में मधुबनी के टीचर की हत्या

दरभंगा। के सिंघवाड़ा इलाके में अपराधियों ने एक टीचर की गोली मारकर हत्या कर दी। सुबह करीब 6 बजे साइकिल से स्कूल जा रहे थे। इस दौरान भरवाड़ा-कमतौल मार्ग पर स्कूल से 500 मीटर पहले गोली मार दी। मृतक मंसूर आलम(49) मधुबनी के तीसी परसौनी गांव के रहने वाले थे।पिछले 15 साल से नासीरगंज प्राथमिक स्कूल में पोस्टिंग थी। परिवार के साथ शंकरपुर इलाके में किराए के घर में रहते थे। घटना के विरोध में लोगों ने सड़क जाम कर दिया। मामले की सूचना पर एसडीपीओ सदर-2 कमतौल ज्योति कुमारी घटनास्थल पर पहुंची। जांच के लिए ऋडछ की टीम को बुलाया गया है। इलाके में तनाव का माहौल है। एसडीपीओ कमतौल ज्योति कुमारी ने बताया कि शिक्षक मंसूर आलम को एक गोली सिर में और दूसरी पीठ में लगी है। लोगों को समझा-बुझाकर जाम खुलवा दिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए उटउळ भेजा गया है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। मृतक के तीन बेटियां और दो बेटे हैं। दो बेटियों की शादी हो चुकी है। ग्रामीण जाकिरुल्लाह ने बताया कि मंसूर आलम बहुत शरीफ इंसान थे। किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। हत्याकांड की सही तरीके से जांच होनी चाहिए। अगर ऐसे लोगों की हत्या होगी तो आम लोग कैसे सुरक्षित रहेंगे। स्थानीय अमोल यादव ने कहा कि यह बहुत ही निंदनीय घटना है। सरकार को इस पर संज्ञान लेना चाहिए। किसी की जान लेना कहां तक उचित है। 24 घंटे के अंदर अपराधियों की गिरफ्तारी होनी चाहिए। सुनसान जगह पर गोली मारी गी है। किसी ने अपराधियों को देखा नहीं है।

पटना में हर्ष फायरिंग का वीडियो वायरल

पटना। के बिक्रम थाना क्षेत्र में एक गृह प्रवेश समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग का वीडियो सामने आया है। वीडियो में एक शख्स राइफल से फायरिंग करता दिख रहा है। पालीगंज अनुमंडल के ऊढ-2 उमेश्वर चौधरी ने इस मामले की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि वीडियो मिलने के बाद संबंधित थानाध्यक्ष को जांच के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह वीडियो किस गांव का है और कब का है। थाना प्रभारी के अनुसार अभी तक स्थानीय थाने में इस घटना की कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस फायरिंग करने वाले व्यक्ति की पहचान करने में लगी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि फायरिंग में इस्तेमाल किया गया हथियार लाइसेंसी है या अवैध। दरअसल, बिहार में हर्ष फायरिंग पर प्रतिबंध है। पटना पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले रही है। हर्ष फायरिंग को लेकर बिहार में कड़े कानून भी बनाए गए हैं लाइसेंसी हथियार हो या गैर लाइसेंसी किसी से भी फायरिंग करने का अनुमति नहीं है। हर्ष फायरिंग में मौत के कई मामले भी सामने आ चुके हैं।

मैट्रिक में आया सेकंड डिवीजन, आहत छात्रा ने लगाई फांसी

वैशाली। में एक 17 वर्षीय छात्रा ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना देसरी थाना क्षेत्र अंतर्गत जाफराबाद गांव से सामने आई। मृतका ईशा कुमारी (17) है, जिसने हाल ही में जारी मैट्रिक परीक्षा परिणाम में सेकंड डिवीजन हासिल किया था। इस वजह से ईशा मानसिक रूप से परेशान थी। कमरे में फंदे से लटकी मिली छात्रा परिजनों ने बताया कि ईशा सुबह से अपने कमरे में थी। जब काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला, तो मां ने आवाज दी और दरवाजा खोलने की कोशिश की। जब भीतर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो खिड़की से झांककर देखा, जहां वह फंदे से लटकी मिली। तुरंत परिवार में कोहराम मच गया। परिजन शव का अंतिम संस्कार करने के लिए ले जा रहे थे। तभी सूचना मिलने पर पहुंची देसरी थाना पुलिस ने हस्तक्षेप कर मौके से शव को कब्जे में लिया। इसके बाद पोस्टमॉर्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने आगे की प्रक्रिया पूरी की। चार बहनों में सबसे छोटी थी ईशा मृतका के पिता निशांत कुमार पासवान ने बताया कि ईशा चार बहनों में सबसे छोटी थी और उसका एक छोटा भाई भी है। परिवार में सभी बहनों ने पहले फर्स्ट डिवीजन प्राप्त किया था। ईशा का परिणाम अपेक्षानुसार न आने से वह तनाव में थी, लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि वह ऐसा कदम उठा लेगी। परिजनों के अनुसार, घर में किसी प्रकार का विवाद नहीं था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार, जांच जारी देसरी थाना अध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने समय रहते शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। प्राथमिक जांच में आत्महत्या का कारण परीक्षा परिणाम से असंतोष बताया गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वैशाली DM ने लालगंज और गोरौल में किया दौरा

वैशाली। के जिलाधिकारी यशपाल मीणा ने लालगंज और गोरौल प्रखंड की विभिन्न पंचायतों का दौरा किया। उन्होंने आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने नल-जल योजना, राशन कार्ड योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का जायजा लिया। साथ ही, आंगनबाड़ी केंद्रों सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं की स्थिति भी देखी। निरीक्षण के दौरान विकास आयुक्त कुंदन कुमार और एसडीएम सदर रामबाबू बैठा भी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए निरंतर निगरानी और स्थानीय अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। अधिकारियों को दिया निर्देश ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को अपनी समस्याएं बताई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सभी योजनाओं की नियमित समीक्षा करने और समस्याओं का तुरंत समाधान करने का निर्देश दिया। इस दौरे से प्रशासन और जनता के बीच संवाद मजबूत हुआ है।

कोणार्क, ओडिशा राज्य का एक प्रमुख शहर है, जो अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह शहर खासकर अपने प्रसिद्ध कोणार्क सूर्य मंदिर के लिए जाना जाता है, जो यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है। कोणार्क न केवल अपने मंदिरों और वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति भी पर्यटकों को आकर्षित करती है।

यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय

कोणार्क यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है, जब मौसम ठंडा और सुखद रहता है। गर्मियों में यहाँ का तापमान बढ़ सकता है, जिससे यात्रा में असुविधा हो सकती है।

कोणार्क एक अद्भुत ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल है, जो अपनी प्राचीन वास्तुकला, सूर्य मंदिर और समुद्र तट के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ की शांति, प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर पर्यटकों को आकर्षित करती है। अगर आप भारतीय इतिहास, संस्कृति और वास्तुकला के प्रति रुचि रखते हैं, तो कोणार्क एक अवश्य देखे जाने योग्य स्थान है। यह जगह हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

कोणार्क की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति पर्यटकों को करती है आकर्षित

कोणार्क सूर्य मंदिर : स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण

कोणार्क का प्रमुख आकर्षण है कोणार्क सूर्य मंदिर। यह मंदिर भगवान सूर्य को समर्पित है और 13वीं शताब्दी में राजा नरसिंहदेवश्च द्वारा बनवाया गया था। यह मंदिर अपनी विशाल और अद्भुत वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर की संरचना एक विशाल रथ (रथ का रूप) की तरह बनाई गई है, जो सूर्य देवता की यात्रा को दर्शाता है। इसके चार पहिये और घोड़े की मूर्तियाँ अत्यधिक बारीकी से बनायी गई हैं।

कोणार्क सूर्य मंदिर के दीवारों पर उकेरी गई चित्रकला और शिल्पकला भारतीय स्थापत्य का एक अद्वितीय उदाहरण है। यहाँ की मूर्तियाँ और नक्काशी दर्शाती हैं कि उस समय के शिल्पकारों ने कितना उच्च स्तर का कला कौशल हासिल किया था। यह मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह भारतीय शिल्पकला और वास्तुकला का अद्वितीय उदाहरण भी प्रस्तुत करता है।

कोणार्क बीच

कोणार्क का एक और प्रमुख आकर्षण है यहाँ का सुंदर समुद्र तट, जिसे कोणार्क बीच कहा जाता है। यह समुद्र तट अपनी शांत और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। पर्यटक यहाँ सूर्योदय और सूर्यास्त का अद्भुत दृश्य देख सकते हैं। यह समुद्र तट उन लोगों के लिए आदर्श है जो समुद्र के नजदीक शांति और सुकून की तलाश करते हैं। साथ ही, यहाँ विभिन्न जल क्रीड़ाओं का भी आनंद लिया जा सकता है, जैसे कि स्विमिंग, बोटिंग और वाटर स्पोर्ट्स।

कोणार्क की ऐतिहासिक धरोहर

कोणार्क में केवल सूर्य मंदिर ही नहीं, बल्कि अन्य ऐतिहासिक स्थल भी हैं जो इस क्षेत्र के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व को दर्शाते हैं। कोणार्क म्यूजियम में पर्यटक इस क्षेत्र के इतिहास और संस्कृति के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यहाँ की पुरानी मूर्तियाँ, शिल्पकला और अन्य पुरातात्विक वस्तुएं इस क्षेत्र की समृद्ध धरोहर को उजागर करती हैं।

कोणार्क महोत्सव

कोणार्क नृत्य महोत्सव हर साल दिसंबर महीने में आयोजित किया जाता है। इस महोत्सव में ओडिशा के पारंपरिक नृत्य रूपों, जैसे कि ओडिसी नृत्य, के शानदार प्रदर्शन होते हैं। यह महोत्सव कोणार्क सूर्य मंदिर के पास खुले आकाश के नीचे आयोजित होता है, जहाँ पर्यटक और कलाकार एक साथ ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव मनाते हैं। यह महोत्सव कला और संस्कृति प्रेमियों के लिए एक अद्भुत अनुभव होता है।

नजदीकी पर्यटक स्थल

कोणार्क के आसपास कई अन्य दर्शनीय स्थल भी हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। चिलिका झील जो एशिया की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील है, केवल 30 किलोमीटर दूर स्थित है। यह झील अपने प्राकृतिक सौंदर्य और पक्षी अभयारण्य के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ आप बोटिंग का आनंद ले सकते हैं और पक्षियों को देख सकते हैं। इसके अलावा, पुरी और भुवनेश्वर जैसे अन्य पर्यटन स्थल भी कोणार्क के पास स्थित हैं, जो धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

गोवा घूमने का बना रहे प्लान तो जरूर एक्सप्लोर करें पांडवों की गुफा, ऐसे पहुंचे यहां

गोवा में घूमने के लिए वैसे तो कई अच्छी जगहें हैं। कई लोगों को लगता है कि गोवा सिर्फ अपने खूबसूरत समुद्र तटों के लिए जाना जाता है। लेकिन ऐसा नहीं है। गोवा अपने सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक आकर्षणों के लिए भी फेमस है। गोवा को बीच के नाम से इसलिए भी जाना जाता है, क्योंकि यहां के समुद्र तट काफी फेमस है। साथ ही यहां की नाइटलाइफ भी काफी ज्यादा फेमस है। अक्सर गोवा को बीच डेस्टिनेशन के रूप में प्रमोट किया जाता है। वहीं सोशल मीडिया, फिल्मों और ट्रैवल एजेंसियों के प्रचार में अधिकतर पार्टीज, बीच और वाटर स्पोर्ट्स को दिखाया जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गोवा की अरवलम गुफाओं के बारे में बताने जा रहे हैं।

अरवलम गुफा

बताया जाता है कि अवरलम गुफा महाभारत में पांडवों के वनवास के दौरान रुकने का स्थान था। यही वजह है कि इस गुफा को पांडव गुफा भी कहा जाता है। इन गुफाओं की वास्तुकला हिंदू और बौद्ध प्रभाव से जुड़ी हुई लगेंगी। यह गुफा अवरलम झरने की तरफ जाने वाले रास्ते में पड़ती है। यह गोवा में घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है।

लोकेशन

गोवा के नॉर्थ गोवा में संकेलिम के पास स्थित है।

पणजी से यह गुफा करीब 29 किमी की दूरी पर है। यहां पर पहुंचने में करीब 40 मिनट का समय लग सकता है।

अरवलम गुफा से कुछ दूरी पर अवरलम झरना और रुद्रेश्वर मंदिर भी है। आप यहां के नजारे भी देख सकते हैं।

ऐसे पहुंचे अरवलम गुफा

अगर आप थिविम रेलवे स्टेशन से आ रहे हैं, तो यह करीब 20 किमी की दूरी पर है। यहां पर पहुंचने में आपको करीब 30 मिनट का समय लग सकता है।

अरवलम गुफा से गोवा का नजदीकी डाबोलिम एयरपोर्ट से लगभग 45 किमी है।

आप गोवा में कही भी जाने के लिए कैब बुक कर सकते हैं। आपको मापसा या पणजी से कैब और बस मिल जाएगी।

आप चाहें तो बाइक रेंट पर लेकर घूम सकते हैं।

प्रकृति, रोमांच और सांस्कृतिक विविधता का संगम है पतरातू घाटी

झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 35-40 किलोमीटर दूर स्थित पतरातू घाटी एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो अपने घुमावदार रास्तों, हरे-भरे जंगलों, शांत झीलों और सांस्कृतिक विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यह घाटी रांची, रामगढ़ और हजारीबाग की पहाड़ियों के बीच स्थित है, जो इसे एक आदर्श सप्ताहांत गंतव्य बनाती है।

प्रमुख आकर्षण

1. पतरातू डैम और झील

पतरातू डैम, नलकारी नदी पर स्थित है, जिसे मूल रूप से पतरातू थर्मल पावर स्टेशन की जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया था। आज यह झील नौका विहार, पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए एक प्रमुख आकर्षण बन गई है। झील के किनारे स्थित पतरातू लेक रिसॉर्ट पर्यटकों को आरामदायक आवास और जल क्रीड़ा की सुविधाएँ प्रदान करता है।

2. घुमावदार घाटी मार्ग

पतरातू घाटी का सड़क मार्ग अपने हेयरपिन मोड़ों और हरे-भरे दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है। यह मार्ग ड्राइविंग और बाइकिंग के शौकीनों के लिए एक रोमांचक अनुभव प्रदान करता है।

3. प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवन

घाटी में घने जंगल, पहाड़ियाँ और जलप्रपात हैं, जो ट्रेकिंग, हाइकिंग और बर्ड वॉचिंग के लिए उपयुक्त हैं। यहाँ भारतीय जंगली भैंस, बार्किंग डियर और स्लॉथ बियर जैसे वन्यजीव पाए जाते हैं।

4. सांस्कृतिक विविधता

पतरातू क्षेत्र में संथाल और उरांव जैसे जनजातीय समुदाय निवास करते हैं, जिनकी सांस्कृतिक परंपराएँ और त्योहार पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

कैसे पहुँचें

सड़क मार्ग : रांची से पतरातू घाटी तक एनएच-33 के माध्यम से पहुँचा जा सकता है। यह मार्ग लगभग 35 किलोमीटर लंबा है और यात्रा के दौरान सुंदर दृश्य देखने को मिलते हैं।

रेल मार्ग : निकटतम रेलवे स्टेशन पतरातू है, जो घाटी से लगभग 4 किलोमीटर दूर स्थित है।

वायु मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची है, जो घाटी से लगभग 70 किलोमीटर दूर है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च: इस अवधि में मौसम सुखद होता है, जो यात्रा और बाहरी गतिविधियों के लिए उपयुक्त है।

जुलाई से सितंबर : मानसून के दौरान घाटी हरे-भरे परिदृश्य से भर जाती है, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

यात्रा सुझाव

घाटी के घुमावदार रास्तों पर सावधानीपूर्वक ड्राइव करें, विशेषकर बारिश के मौसम में।

रात के समय यात्रा से बचें, क्योंकि कुछ क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

स्थानीय संस्कृति और पर्यावरण का सम्मान करें; कचरा न फैलाएँ और वन्यजीवों को परेशान न करें। पतरातू घाटी झारखंड का एक छिपा हुआ रत्न है, जो प्राकृतिक सौंदर्य, रोमांच और सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। यदि आप शहरी जीवन की भागदौड़ से दूर एक शांत और सुंदर स्थान की तलाश में हैं, तो पतरातू घाटी आपकी यात्रा सूची में अवश्य होनी चाहिए।

आईपीएल के पहले क्वालीफायर में जीत के साथ फाइनल में जगह बनाने उतरेंगी आरसीबी और पंजाब किंग्स

मुलांपुर (एजेंसी)। आईपीएल के पहले क्वालीफायर में गुरुवार को पंजाब किंग्स का मुकाबला अपने घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। ये दोनो ही टीमें अंक तालिका में शीर्ष दो में रहीं हैं। ऐसे में इनके पास इस मैच के बाद भी खिताबी मुकाबले में जगह बनाने के लिए अवसर है। इसको देखते हुए दोनो ही टीमें निडर होकर मुकाबले में उतरेंगी। दोनो ही टीमों के 19-19 अंक हैं पर रन रेट बेहतर होने के कारण पंजाब पहले जबकि आरसीबी दूसरे स्थान पर है। दोनो ही टीमों ने इस सत्र की शुरुआत से ही काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में दोनो ही जीत की प्रबल दावेदार हैं।

पंजाब किंग्स की टीम करीब एक दशके बाद प्लेऑफ में पहुंची है। इससे पहले वह साल 2014 में प्लेऑफ में पहुंची थी। ऐसे में उसका लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर खिताब जीतना रहेगा। उसके कप्तान श्रेय अय्यर और कोच रिकी पोंटिंग काफी अनुभवी हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। वहीं दूसरी ओर आरसीब की टीम क बार नॉकआउट चरण हारी है, इसलिए उसका लक्ष्य इस बार खिताब के सूखे को समाप्त करना रहेगा। उसके पास विराट कोहली जैसा अनुभीव खिलाड़ी है जिसका लाभ उसे मिलेगा। अंतिम लीग मैच में उसने लखनऊ सुपरजायंस के खिलाफ मैच में 228 रनों का लक्ष्य भी आसानी से हासिल कर लिया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी अच्छी है।

वहीं श्रेयस अपना लगातार दूसरा खिताब जीतना चाहेंगे। पिछले सत्र में उन्होंने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को फाइनल में जीत दिलायी थी। इस बार नये कोच रिकी पोंटिंग के साथ मिलकर श्रेयस ने पंजाब टीम को बदलकर रख दिया है। टीम ने लीग चरण में शुरू से लेकर आखिर तक अच्छा प्रदर्शन किया है। कोच और कप्तान खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लेने में सफल रहे। प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य की सलामी जोड़ी ने अय्यर और जोश इंगलिस जैसे खिलाड़ियों के लिए रन बनाना आसान कर दिया है। वहीं फिनिशर शशांक सिंह भी अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभा रहे हैं। मार्कस स्टोइनिस ने भी बल्लेबाजी में अच्छा योगदान दिया है। पंजाब की कमजोरी केवल गेंदबाजी विभाग है। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मार्को यानसन की स्वदेश वापसी के बाद टीम का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हुआ है। यानसन ने पावरप्ले और डेथ ओवरों में अच्छे ओवर फेंके हैं। ऐसे में टीम को उनकी कमी खलेगी। काइल जैमीसन भी अब तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं हालांकि टीम के मुख्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजई को यानसन की जगह शामिल किया जा सकता है। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल उंगली की चोट के कारण पिछले दो मैचों में नहीं खेल पाए थे। वह इस अहम मैच से वापसी कर सकते हैं। अपनी फ्रेंचाइजी के लिए लंबे समय से बेहतरीन तेज गेंदबाज रहे हैं और उन्होंने खेल के सभी चरणों में अच्छा प्रदर्शन किया है।

दूसरी ओर आरसीबी की टीम को तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की वापसी से राहत मिली है। हेजलवुड का प्रदर्शन इस सत्र में काफी अच्छा रहा है। हेजलवुड के अलावा टिम डेविड भी टीम में हैं जिसका भी लाभ आरसीबी को मिलेगा। आरसीबी के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने अंतिम लीग मैच में जबरदस्त पारी खेली थी। जिसे अब वह दोहराना चाहेंगे। रजत पाटीदार के चोटिल होने के कारण जितेश टीम की कप्तानी कर रहे है।

टीम के पास फिल साल्ट जैसा आक्रामक बल्लेबजा है जिसपर अंकुश लगाना पंजाब के लिए आसान नहीं होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स = श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), नेहल वढेरा, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, मार्को जानसन, हरप्रीत बराड़, काइल जैमीसन, विजयकुमार विशक, अर्शदीप सिंह

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु = जितेश शर्मा (कप्तान और विकेटकीपर), फिलिप साल्ट, विराट कोहली, मयंक अग्रवाल, लियाम लिविंगस्टोन, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, यश दयाल, नुवान तुषारा, सुयश शर्मा।

यहां इस बार खेले गए चार मैचों की पहली पारी में केवल एक बार 200 रन बने हैं पर पंजाब किंग्स की टीम को यहां घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। वहीं आरसीब ने इस बार दूसरे मैदानों मे सबसे अधिक मैच जीत हैं जिससे उसका भी आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। दोनो ही टीमों का लक्ष्य जीत से फाइनल में जगह बनाना रहेगा हालांकि इस मैच में हारने वाली टीम को एक ओर अवसर मिलेगा। वह दूसरे क्वालीफायर की विजेता से खेलेगी।

सात्विक-चिराग की जीत से वापसी, लक्ष्य चोटिल होने के कारण बाहर

सिंगापुर (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी ने बुधवार को यहां सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत के साथ वापसी की जबकि लक्ष्य सेन को निराशा हाथ लगी और उन्हें चोटिल होने के कारण शुरुआती दौर के मुकाबले के बीच में ही मैच छोड़ना पड़ा।

चिराग की पीठ की चोट के कारण मार्च में ऑल इंग्लैंड ओपन से हटने के बाद यह जोड़ी पहली बार कोर्ट पर उतरी थी लेकिन उन्होंने शानदार खेल का प्रदर्शन किया तथा मलेशिया के चूंग होन जियान और मुहम्मद हाइकाल को केवल 40 मिनट के अंदर 21-16, 21-13 से हराया। यह 41वीं रैंकिंग वाली मलेशियाई जोड़ी पर सात्विक और चिराग की दूसरी जीत थी।

भारतीय जोड़ी वर्तमान में विश्व में 27वें स्थान पर है। इस महीने की शुरुआत में यह जोड़ी सुदीरमन कप में भी नहीं खेली थी, क्योंकि सात्विक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। इससे पहले वे इस सत्र में मलेशिया ओपन और इंडिया ओपन दोनों में सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

भारत के नंबर एक एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन को चीनी ताइपे के लिन चुन-यी के खिलाफ अपने पहले दौर के मुकाबले के दौरान चोट के कारण बाहर होना पड़ा। वर्तमान में विश्व में 17वें स्थान पर काबिज सेन ने अच्छी शुरुआत की और पहला गेम 21-15 से जीता। लेकिन विश्व में 19वें नंबर के लिन ने वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-17 से जीतकर स्कोर बराबर कर दिया।

निर्णायक गेम में सेन चोट के कारण रिटायर होने से पहले 5-13 से पीछे चल रहे थे। सेन की चोट की वास्तविक प्रकृति के बारे में पता नहीं चल पाया है। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रूथविका शिवानी गड्डे ने चेन झी यी और फ्रांसेस्का कॉर्बेट की अमेरिकी जोड़ी को 35 मिनट में 21-16, 21-19 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। महिला एकल में आकर्षि कश्यप विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी चीन की हान यू से 58 मिनट तक चले मुकाबले में 21-17, 13-21, 7-21 से हार गईं।

जितेश की पारी आईपीएल के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है : टॉम मूडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी टॉम मूडी ने कहा कि मंगलवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ जितेश शर्मा की असाधारण पारी इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है।

कार्यवाहक कप्तान जितेश ने 33 गेंदों पर नाबाद 85 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल के पहले क्वालीफायर में पहुंचा दिया। जब विराट कोहली का विकेट गिरने के बाद जितेश क्रीज पर आए, तब आरसीबी को 228 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 52 गेंदों पर 105 रन की जरूरत थी। जितेश ने इससे पहले वर्तमान सत्र में कोई अर्धशतक नहीं लगाया था लेकिन उन्होंने महत्वपूर्ण मौके पर आकर्षक पारी खेली। मूडी ने कहा, 'मेरे लिए यह पारी आईपीएल के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है। हमने युवा और अनुभवी खिलाड़ियों की कुछ बेहतरीन पारियां देखी हैं, लेकिन यह पारी वाकई उल्लेखनीय है।' उन्होंने कहा, 'परिस्थितियां पूरी तरह से प्रतिकूल थी लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया और मैच का पासा पलट दिया। उन्होंने पूरी चतुराई से बल्लेबाजी की। वह जिस तरह से खेल रहे थे उसे देखकर लग रहा था कि वह इससे पहले भी कई बार ऐसा कर चुके हैं।'

पंत की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं था: जहीर खान

लखनऊ (एजेंसी)। ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र में भले ही अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटोर (मार्गदर्शक) जहीर खान ने कहा है कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं रहा। मेगा नीलामी में 27 करोड़ रुपए की भारी भरकम कीमत पर खरीदे गए पंत ने 13 पारियों में सिर्फ 269 रन बनाए।

उन्होंने टीम के सत्र के आखिरी मैच में 61 गेंदों पर 118 रन बनाए लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार का सामना करना पड़ा। जहीर ने मैच के बाद कहा, 'उन्होंने कप्तान के रूप में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। यह पूरे सत्र में हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा। बल्ले से उनका प्रदर्शन निश्चित रूप से उनके लिए सीखने वाला अनुभव रहा, क्योंकि इस तरह का सत्र उनके लिए काफी महत्वपूर्ण था।' उन्होंने कहा, 'लेकिन उनकी योग्यता और क्षमता पर किसी को कोई संदेह नहीं था।'

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि इस आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज को शानदार प्रदर्शन करते हुए सत्र का अंत करते देखना अच्छा लगा। जहीर ने कहा, 'हमें खुशी है कि उन्होंने बहुत अच्छे प्रदर्शन के साथ सत्र का समापन किया। उनकी क्षमता ऐसी है और वे खेल पर बहुत प्रभाव डाल सकते हैं।'

लखनऊ के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा तथा वह छह जीत और आठ हार के साथ सातवें स्थान पर रहा। प्रमुख गेंदबाजों की चोटों के कारण उसकी लय और निरंतरता बाधित हुई। जहीर ने कहा, 'जब आप आईपीएल सत्र की शुरुआत करते हैं, तो आपका पहला लक्ष्य प्लेऑफ के बारे में सोचना होता है, कि आप वहां कैसे पहुंचेंगे। हमारे कुछ मुख्य गेंदबाज चोटिल होने के कारण बाहर हो गए थे और हमने इन चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी तरफ से अच्छे प्रयास किये। हमारे बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया और यह हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा।'

भारत ने अर्जेंटीना को पेनल्टी शूटआउट में हराया

रोसारियो (अर्जेंटीना)। गोलकीपर और कप्तान निधि ने लगातार चार गोल बचाए जिससे भारत ने चार देशों के जूनियर महिला हॉकी टूर्नामेंट में मेजबान अर्जेंटीना को मैच 1-1 से बराबर छूटने के बाद पेनल्टी शूटआउट में 2-0 से हराया। कनिका (44वें मिनट) ने निर्धारित समय में भारत के लिए एकमात्र गोल किया, जबकि लालरिनपुई और लालथंतलुआंगी ने शूटआउट में गोल करके टूर्नामेंट के अपने तीसरे मैच में भारत को जीत दिलाई। अर्जेंटीना ने अच्छी शुरुआत की। मिलग्रोस डेल वैले (10वें मिनट) ने घरेलू टीम को पहले क्वार्टर में बढ़त दिलाई जबकि भारत ने तीसरे क्वार्टर में कनिका के गोल से स्कोर बराबर किया। भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को चिली से होगा।

धोनी के साये में विकसित नहीं हो पा रहे सीएसके के नये कप्तान : बांगर

मुम्बई(।पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर ने आरोप लगाया है कि कि महेन्द्र सिंह धोनी के कारण चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में कोई नया नेतृत्व नहीं उभर रहा है। बांगर के अनुसार धोनी के साये में पहले रविंद्र जडेजा धोनी और उसके बाद रुतुराज गायकवाड़ कप्तान के तौर पर विकसित नहीं हो पाए। बांगर ने कहा है कि धोनी की मौजूदगी से अन्य खिलाड़ियों में स्वाभाविक नेतृत्व क्षमता विकसित इसलिए नहीं हो पा रही है क्योंकि अन्य खिलाड़ी धोनी की नकल करने लगते हैं। उन्होंने कहा कि रुतुराज और जडेजा धोनी के साए में हुए अपनी सोच विकसित नहीं कर पाये। ये दोनो ही धोनी की मानसिकता की नकल करते करने के कारण आगे नहीं बढ़ पा रहे। बांगर की ये बात काफी हद तक सही भी नजर आत है जब भी सीएसके प्रबंधन ने अपनी टीम में नए नेतृत्वकर्ता को आगे किया है वह धोनी के भरोसे काम करने लगता है। इसी कारण सीएसके पिछले दो सत्र से असफल हो रही है। सीएसके पहले कभी नौवें स्थान से नीचे नहीं रही, लेकिन आईपीएल 2025 में हर टीम से वह पीछे हो गयी। सीएसके के लिए एकमात्र सकारात्मक पक्ष युवा खिलाड़ियों, डेवाल्ड ब्रेविस और आयुष म्हात्रे का अच्छा प्रदर्शन रहा है।

गौतम गंभीर ने मानी रोहित शर्मा की ये बात, इस शख्स की टीम में कराई वापसी

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2025 खत्म होने के बाद टीम इंडिया इंग्लैंड का दौरा करेगी। जहां उसे 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस सीरीज से पहले टीम इंडिया में एक अहम शख्स की एंट्री हुई है। इस शख्स का नाम है टी दिलीप जो कि भारतीय क्रिकेट टीम के फील्डिंग कोच हैं। टी दिलीप का कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया था और टीम इंडिया से अलग हो गए थे लेकिन अब एक बार फिर वो टीम से जुड़ गए हैं। वो अगले एक साल तक भारतीय टीम के साथ रहेंगे। बता दें कि, टी दिलीप का सेलेक्शन रोहित शर्मा के कारण हुआ है। रोहित शर्मा ने टी दिलीप के सेलेक्शन के लिए हेड कोच गौतम गंभीर से बातचीत की।

दरअसल, क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित शर्मा ने बीसीसीआई और हेड कोच गौतम गंभीर से निजी तौर पर बातचीत की और टी दिलीप को टीम इंडिया से जुड़वाया। रोहित शर्मा ने टेस्ट से रिटायरमेंट लेने से पहले बीसीसीआई और गंभीर से बातचीत कर उन्हें मनाया कि टी दिलीप को दोबारा फील्डिंग कोच बनाया जाए। मंगलवार को इस तरह की खबरें आई थी कि बोर्ड को टी दिलीप का कोई रिप्लेसमेंट नहीं मिला इसलिए उन्हें दोबारा फील्डिंग कोच बना दिया है। टी दिलीप को अप्रैल में अभिषेक नायर के साथ टीम इंडिया से बाहर कर दिया था। अब टी दिलीप एक साल तक भारतीय टीम के साथ रहेंगे।

टी दिलीप पिछले तीन सालों से भारतीय टीम के साथ हैं। उन्हें पहली बार साल 2021 में टीम इंडिया से जोड़ा गया था। वो भारतीय खिलाड़ियों के काफी करीब भी हैं। इसलिए इंग्लैंड जैसी बड़ी सीरीज के लिए उन्हें दोबारा टीम में रखना अच्छी बात है।

भारत से हार के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ी ने खोया आपा, किया अभद्र व्यवहार

स्पोर्ट्स डेस्क। अंडर-16 डेविस कप में भारत से हार के बाद पाकिस्तान के खिलाड़ी का गैर खेल-भावना वाला व्यवहार आक्रोश का कारण बन रहा है। मैच के तीन दिन बाद सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो सामने आया है। भारत ने कजाकिस्तान के श्यामकेंट में एशिया-ओशिनिया जूनियर डेविस कप (अंडर-16) टूर्नामेंट में 11वें स्थान के प्लेऑफ मैच में पाकिस्तान को 2-0 से हरा दिया। प्रकाश सरन और तवीश पाहवा ने अपने एकल मैचों में सीधे सेटों में जीत हासिल की, जिससे भारत फाइनल स्टैंडिंग में अपनी जगह पक्की की। मैच के बाद खिलाड़ी हाथ मिलाने के लिए आगे आते हैं और इस दौरान पाकिस्तान खिलाड़ी हाथ को खींच कर तेजी से भारतीय खिलाड़ी के हाथ पर मारने की कोशिश करता है। एक बार चूकने के बाद वह दूसरी बार प्रयास करता है और इसमें सफल भी होता है। इसके बाद रैफरी द्वारा उसे बुलाया भी जाता है। इस कदम की व्यापक रूप से निंदा की गई और इसे अपमानजनक और खेल की भावना के खिलाफ बताया गया। भारत की पाकिस्तान पर जीत 9वें-12वें स्थान के प्लेऑफ में न्यूजीलैंड से 1-2 से मामूली हार के बाद हुई, जहां भारतीय जोड़ी ने युगल रबर में तनावपूर्ण सुपर टाई-ब्रेक (9-11) खो दिया।

श्रेयस अय्यर को क्यों नहीं चुना? गौतम गंभीर ने दिया 4 शब्दों में जवाब

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बुधवार को श्रेयस अय्यर के इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम से बाहर होने पर सवालों को टाल दिया, लेकिन उन्होंने बीसीसीआई की तारीफ की, जिन्होंने देश के सशस्त्र बलों के प्रमुखों को 3 जून को अहमदाबाद में होने वाले आईपीएल फाइनल में आमंत्रित किया है। अय्यर, जो शानदार फॉर्म में हैं, को 20 जून से लीड्स में शुरू होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम में जगह नहीं मिली। भारत की कप्तानी युवा शुभमन गिल करेंगे, जबकि ऋषभ पंत उनके डिप्टी होंगे। अय्यर के बारे में पूछे जाने पर, जिन्होंने पंजाब किंग्स को आईपीएल प्ले-ऑफ में पहुंचाया, गंभीर का संक्षिप्त जवाब था कि मैं चयनकर्ता नहीं हूं। पूर्व बीजेपी सांसद गंभीर ने बीसीसीआई की उस पहल की जमकर तारीफ की, जिसमें सशस्त्र बलों के तीनों प्रमुखों को आईपीएल फाइनल में आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह एक अविश्वसनीय कदम है। हम अक्सर बीसीसीआई की कई बातों पर आलोचना करते हैं, लेकिन यह कुछ ऐसा है जो अविश्वसनीय है। बीसीसीआई ने यह पहल की है कि पूरा राष्ट्र एक है और पूरे राष्ट्र को सशस्त्र बलों को उनके बिना शर्त योगदान के लिए सलाम करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि बीसीसीआई ने ऐसा कदम उठाकर बहुत सम्मान अर्जित किया है और सबसे महत्वपूर्ण यह है कि हमारे सशस्त्र बल, जो बिना शर्त हमारी मदद करते हैं, हमें बचाते हैं और हमारी रक्षा करते हैं, उन्हें इसका श्रेय जाता है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी थल सेना प्रमुख हैं, एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी नौसेना प्रमुख हैं, और एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह वायु सेना प्रमुख हैं।

भारत के खिलाफ श्रृंखला में होगी क्रॉली और पोप की असली परीक्षा : ज्योफी बॉयकॉट

लंदन - अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज ज्योफी बॉयकॉट इस बात से सहमत नहीं हैं कि जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक बनाने के बावजूद इंग्लैंड के जैक क्रॉली और ओली पोप अपनी 'तकनीकी और मानसिक समस्याओं' से उबर चुके हैं और उनका मानना है कि उन्हें असली चुनौती अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में मिलेगी। क्रॉली के लिए पिछले कुछ महीने काफी कठिन रहे हैं। न्यूजीलैंड में वे संघर्ष करते रहे, जहां उनका औसत 9 से कम रहा और वे सभी छह पारियों में मैट हेनरी के हाथों आउट हुए। पोप के लिए भी 2024 उतार-चढ़ाव भरा रहा। हैदराबाद में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में 196 रन की शानदार पारी खेलने के बाद उनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा। बॉयकॉट ने डेली टेलीग्राफ में अपने कॉलम में लिखा, 'हम अभी इस नतीजे पर नहीं पहुंच सकते हैं कि क्रॉली और पोप ने अपनी तकनीकी और मानसिक समस्याओं को सुलझा लिया है, जो उनके करियर को प्रभावित कर रही थीं, क्योंकि जिम्बाब्वे की गेंदबाजी बहुत औसत दर्जे की थी।' इंग्लैंड के शीर्ष तीन बल्लेबाजों क्रॉली, बेन डकेट और पोप ने शतक लगाए, जिससे मेजबान टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अपनी पारी छह विकेट पर 565 रन बनाकर समाप्त घोषित की। इंग्लैंड ने यह एकमात्र टेस्ट मैच पारी और 45 रन से जीता था। बॉयकॉट ने कहा, 'वे मध्यम गति के गेंदबाज थे, जो क्रॉली और पोप की बल्लेबाजी में किसी भी तरह की खामी को उजागर करने के लिए पर्याप्त अच्छे नहीं थे। हमें भारत के खिलाफ श्रृंखला तक इंतजार करना होगा, ताकि यह देखा जा सके कि बेहतर गेंदबाजों के खिलाफ वास्तव में कोई सुधार हुआ है या नहीं। यह उनके लिए असली परीक्षा होगी और इससे हम बेहतर आकलन कर सकते हैं कि वह अभी किस स्थिति में हैं।' भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला का पहला मैच 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। इंग्लैंड को इसके बाद एशेज श्रृंखला खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है जिसका पहला मैच 21 नवंबर को शुरू होगा।

इंग्लैंड का टेस्ट दौरा भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है : पुजारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी शीर्ष क्रम बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि इंग्लैंड का आगामी 5 मैचों का टेस्ट दौरा भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। उन्होंने 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए चुने गए युवा खिलाड़ियों के समूह का हवाला दिया। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद टेस्ट खेलने के नए युग में कदम रखने के लिए भारत के पास क्रमशः शुभमन गिल और ऋषभ पंत के रूप में एक नया कप्तान और उप-कप्तान है। ऐतिहासिक रूप से, भारत ने इंग्लैंड में 19 में से केवल तीन श्रृंखलाएं जीती हैं जिसमें आखिरी बार 2007 में राहुल द्रविड़ ने टीम की कप्तानी की थी।

उन्होंने कहा, 'भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज हमेशा से ही टीम के धैर्य और अनुकूलनशीलता का सही माप रही है। पिछले 100 वर्षों में भारत ने इंग्लैंड की धरती पर खेली गई 19 सीरीज में से केवल 3 में ही जीत हासिल की है, जो इस बात पर प्रकाश डालता है कि यह प्रतियोगिता हमारे लिए कितनी चुनौतीपूर्ण रही है। एक युवा और गतिशील टीम के साथ, यह दौरा भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ का प्रतिनिधित्व करता है। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि यह समूह किस तरह से इस अवसर पर आगे बढ़ता है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए नए मानक स्थापित करता है।'

एजबेस्टन, लॉर्ड्स, ओल्ड ट्रैफर्ड और द ओवल भारत-इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला के शेष खेलों के लिए अन्य स्थल हैं। बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला भारत के लिए एक नए आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की शुरुआत भी करती है। भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर इरफान पठान ने गिल की अगुवाई वाली टीम का समर्थन किया है कि वह इंग्लैंड दौरे पर मिलने वाली कड़ी चुनौतियों का सामना करेगी। पठान को प्रसारकों के कवरेज के लिए पैनलिस्ट के रूप में देखा जाएगा, जिनकी टेस्ट श्रृंखला के लिए अभियान की टैगलाइन 'ग्राउंड तुम्हारा, जीत हमारी' है।

पठान ने कहा, 'नई पीढ़ी के आगे आने के साथ, टीम इंडिया न केवल विरासत को आगे बढ़ा रही है, वे हमारे क्रिकेट इतिहास में एक नया अध्याय लिख रहे हैं। ग्राउंड तुम्हारा, जीत हमारी, इस टीम के निडर रवैये और लचीलेपन को पूरी तरह से दर्शाता है। मुझे विश्वास है कि इस टीम में सबसे कठिन चुनौतियों का सामना करने और देश भर में प्रशंसकों की एक नई लहर को प्रेरित करने की प्रतिभा और दृढ़ संकल्प है।'

कानपुर मेट्रो परियोजना- तुर्की कंपनी के भागने से ठेकेदारों में हड़कंप

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर मेट्रो परियोजना में संलग्न तुर्की कंपनी गुलेरमक के निर्माण कार्य के दौरान भागने की घटना ने स्थानीय ठेकेदारों और प्रशासन में हड़कंप मचा दिया है। ठेकेदारों के अनुसार कंपनी ने अपने बकाया भुगतान को लंबित रखा है और उन्हें धोखा दिया है। इस पर ठेकेदारों ने प्रशासन से त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है। यूपीएमआरसी के संयुक्त महाप्रबंधक ने इस मामले पर अपने दृष्टिकोण साझा किया और ठेकेदारों के बकाया भुगतान के विवरण दिए। उन्होंने यह भी बताया कि अगर गुलेरमक भुगतान में विफल रही, तो उन्हें राशि को ठेकेदारों को जारी करने के लिए बाध्य किया जाएगा। ठेकेदारों ने अपने बकाया भुगतान का विवरण साझा किया, जिसमें मेट्रो मार्बल के 3.70 करोड़, रेडिएंट सर्विसेज के 1.20 करोड़, श्रेयांस इन्फाटेक के 1.70 करोड़, एस इंटीरियर के 74.80 लाख, एमडी एहसान पेंटर के 39.80 लाख, विनोद गुप्ता एंटरप्राइजेज के 8.54 लाख, नंदन प्रीफैब के 29.50 लाख और श्री बालाजी एंटरप्राइजेज के 21.50 लाख रुपये शामिल हैं। ठेकेदारों का कहना है कि कंपनी ने बार-बार भुगतान का आश्वासन दिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। यूपीएमआरसी के एक व ?रिष्ठ अ ?धिकारी ने बताया कि गुलेरमक ने कानपुर मेट्रो के कॉरिडोर-1 के चार स्टेशनों का निर्माण कार्य पूरा किया था, और इसके लिए यूपीएमआरसी ने कंपनी को पूरा भुगतान कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये ठेकेदार गुलेरमक के सब-कॉन्ट्रैक्टर्स हैं, और अनुबंध के अनुसार मेट्रो ने 5 प्रतिशत राशि रिजर्व में रखी है, जो एक वर्ष बाद जारी की जाएगी। यदि गुलेरमक ठेकेदारों को भुगतान करने में विफल रहती है, तो यूपीएमआरसी इस राशि को ठेकेदारों को जारी करने के लिए बाध्य होगी।

कर्नल सोफिया पर विवादित बयान मामले की सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह द्वारा दिए गए विवादित बयान पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में एक अहम मोड़ आ सकता है। कोर्ट इस मामले में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए थे। इस प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता शामिल हैं, ने पहले ही विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की थी। एसआईटी ने अपनी पहली स्टेटस रिपोर्ट सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दी है। पीठ ने सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री से इस रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लेने के निर्देश दिए हैं।

क्या है विवाद - मध्य प्रदेश की मोहन सरकार में मंत्री विजय शाह ने सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर सार्वजनिक मंच से विवादित टिप्पणी की थी, जिसे सेना, महिला संगठनों और विपक्षी दलों ने अपमानजनक और असंवैधानिक बताया था। इस बयान ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा की थीं।

चीनी सेना ने ताइवान के पास सैन्य दबाव बढ़ाया, विमान और युद्धपोत देखे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। ताइवान की हवाई क्षेत्र और आसपास के इलाकों में चीन के 31 सैन्य विमान, 1 पोत और 9 नौसैनिक जहाज देखे गए हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि चीन की सेना ने ताइवान के पास सैन्य दबाव और बढ़ा दिया है। इनमें से 22 विमान ताइवान स्ट्रेट की मीडियन लाइन पार कर ताइवान के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्रों में घुसे। मंत्रालय ने कहा कि ताइवान की सेना ने हालात पर नजर रखी और जवाबी कार्रवाई की। एक दिन पहले भी एमएनडी ने बताया था कि 61 चीनी विमानों ने सुबह 8:15 बजे तक उड़ान भरी और कई ने मीडियन लाइन पार की थी। इसके साथ ही कई नौसैनिक जहाज भी देखे गए थे। बढ़ते खतरे के बीच ताइवान की सेना युद्ध तैयारी को प्राथमिकता दे रही है। रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू के अनुसार, नए हथियारों के साथ सैनिकों को नए प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने कहा कि देश को लंबी लड़ाई के लिए तैयार रहना होगा और हथियारों का भंडार बनाना जरूरी है।

ऑपरेशन सिंदूर नहीं चलाते तो दूसरी बार आतंकी हमला कर देते : सांसद मिश्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा ने ऑपरेशन सिंदूर के पीछे की वजह बताते हुए कहा कि 22 अप्रैल को आतंकियों ने पहलगाम में हमला कर 27 निर्दोषियों को मार डाला। इसके बाद एक और हमले की साजिश करने लगे। ऐसे में यदि ऑपरेशन सिंदूर नहीं चलाते तो दूसरा हमला भी आतंकी कर देते। मनन मिश्रा ने 27 मई को कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआर कांगो) में कहा, 22 अप्रैल को पहलगाम की घटना के बाद भारत ने 15 दिनों तक इंतजार किया। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद थी कि पाकिस्तान खुद आतंकियों के खिलाफ एक्शन लेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके उलट, हमारी खुफिया एजेंसियों ने बताया कि आतंकी फिर से भारत में हमले की तैयारी कर रहे हैं। तभी, 7 मई को भारत ने आतंकी ठिकानों पर हमला किया, जिसमें 100 आतंकी मारे गए। मिश्रा आतंकी हमले पर दुनिया को भारत का पक्ष बताने के लिए अलग-अलग देशों में गए 7 में से एक डेलिगेशन का हिस्सा हैं। शिवसेना सांसद श्रीकांत एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में एक डेलिगेशन ने मंगलवार को कांगो के सांसदों और नेताओं के सामने भारत का पक्ष रखा। मनन मिश्रा इसी डेलिगेशन में शामिल हैं जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था।

अमरनाथ यात्रा को लेकर फारूक अब्दुल्ला ने की अपील, कहा- बाबा भोलेनाथ आपका इंतजार कर रहे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ फारूक अब्दुल्ला ने श्री अमरनाथ की वार्षिक तीर्थयात्रा के लिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में श्रद्धालुओं को आमंत्रित करते हुए कहा कि यहां भोलेनाथ आपका इंतजार कर रहे हैं। इसके साथ उन्होंने स्थानीय लोगों से कहा कि हमें अपनी आर्थिकी के लिए पर्यटन पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। अगर हमें इस रियासत को आगे लेकर चलना है तो हमें उन टिकाऊ कारोबारी क्षेत्रों में आगे बढ़ना होगा, जो हमें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में समर्थ रहें।

पहलगाम में पत्रकारों के साथ बातचीत में डॉ फारूक अब्दुल्ला ने बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले और उसके बाद पाकिस्तानी गोलाबारी से जम्मू-कश्मीर के पर्यटन को पहुंचे नुकसान का उल्लेख करते हुए कहा कि बेशक कश्मीर दुनिया का सबसे खुबसूरत जगह है। यहां दुनियाभर के पर्यटक आना चाहते हैं, पर्यटन में यहां बड़ी संभावना है, लेकिन इसके साथ एक मुसीबत यह भी है कि अगर एक गोली कहीं चल जाए तो लोग भागते हैं। मैंने करगिल में देखा, लोग भाग गए। हमारी सरकार थी। लोगों ने सामान गिरवी रखकर, बैंक लोन लेकर अपने होटलों को ठीक किया, टैक्सी वालों ने टैक्सी खरीदे। हर एक ने अपने आप को आगे बढ़ाने के लिए कदम उठाए। बीते कुछ वर्ष से यहां पर्यटन जोर पकड़ रहा था और लोगों को इस वर्ष उम्मीद थी कि यहां करोड़ों की तादाद में देशी विदेशी सैलानी आएंगे।

उन्होंने आतंकियों को इंसानियत और कश्मीरियत का सबसे बड़ा दुश्मन बताते हुए कहा कि उन दरिंदो को यह सब नजर नहीं आया है, जिन्होंने ने यह कत्ल किया, उन्हें यह नहीं दिखा कि इन मासूमों का क्या होगा? इनके पास अल्लाह के सिवा कुछ नहीं है, यह खुबसूरती (वादी) ही इन मासूम लोगों को मिली है और वह इसी से रोजी रोटी कमाते हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले की जितनी निंदा की जाए कम है। जो हुआ, हमें उसका अफसोस है। इसमें हमारा कोई कसूर नहीं है, यह हमने नहीं किया। मैं पूरे वतन के लोगों से यह कहना चाहता हूं कि आप वापस आइए, हम आपका इंतजार कर रहे हैं। हम ही नहीं, यहां भोलेनाथ भी आपका इंतजार कर रहे हैं। श्री अमरनाथ की यात्रा होने वाली है, ज्यादा से ज्यादा आइए, हर तरफ से आइए, जब आप यहां से होकर अपने घर जाएंगे तो बताएंगे कि आपने कितनी खूबसूरती देखी है और किस तरह लोग यहां इंतजार कर रहे हैं।

गुजरात समेत सीमावर्ती 4 राज्यों में गुरुवार को फिर होगी मॉक ड्रिल

अहमदाबाद। यूं तो भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम हो चुका है, हालांकि दोनों देशों के बीच तनाव बरकरार है। वैसे भारतीय सेना पड़ोसी पाकिस्तान को माकूल जवाब देने को पूरी तरह मुस्तैद है। देश के लोगों को भी किसी भी हालात में सतर्क रखने के लिए कल यानी गुरुवार को फिर एक बार मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया है। इसके अंतर्गत देश के चार सीमावर्ती राज्य गुजरात, पंजाब, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर में मॉक ड्रिल की जाएगी। जिसमें शाम 5 से 8 बजे तक सिविल डिफेंस द्वारा मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। लोगों को युद्ध की स्थिति के बारे में जागरूक किया जाएगा। गत 7 मई को गुजरात में कुल 19 स्थानों पर यह मॉक ड्रिल आयोजित की गई थी। जिसमें सूरत, वडोदरा, काकरापार पहली श्रेणी में, अहमदाबाद, भुज, जामनगर, भावनगर, कांडला, नलिया, अंकलेश्वर, गांधीनगर, ओखा, वाडिनार दूसरी श्रेणी में और तीसरी श्रेणी में मेहसाणा, नर्मदा, भरूच, डांग, कच्छ और नवसारी जिले शामिल थे। गुजरात ही नहीं बल्कि केन्द्र सरकार ने 7 मई को देश के 244 जिलों में मॉक ड्रिल करने की घोषणा की थी। दूसरी ओर 6-7 मई की रात को भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई कर दी थी। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान में नौ आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमले किये, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गये थे। अब पाकिस्तान में 12 और आतंकवादी ठिकानों की सूची तैयार है। पीओके से लेकर पाकिस्तान के अंदर तक आतंकवाद की जड़ों को खत्म करने के लिए अभियान चल रहा है। भारतीय सेना स्पष्ट कर चुकी है ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है। मतलब साफ है कि जब तक पड़ोसी देश में छिपे आतंकवादियों को नेस्तनाबूद नहीं कर दिया जाता तब तक ऑपरेशन सिंदूर जारी रहेगा।

यूपी ने 24 घंटे में 10 एनकाउंटर, पुलिस चला रही ऑपरेशन लंगडा अभियान

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस ने 24 घंटे में 10 एनकाउंटर किए। पुलिस की इस कार्रवाई से हिस्ट्रीशीटरों में डर पैदा कर दिया है। उत्तर प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ पुलिस का ऑपरेशन एनकाउंटर जारी है। राज्य में क्राइम क्रंटोल के लिए यूपी पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। पुलिस ताबड़तोड़ एनकाउंटर कर रही है। यूपी पुलिस ने प्रदेश में 24 घंटे में 10 शहरों में एनकाउंटर किए। इस मुठभेड़ में कई बड़े-बड़े बदमाश पकड़े गए जिनकी पुलिस को लंबे समय से तलाश कर रही थी।

लखनऊ में जहां पुलिस ने रेप के आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है, वहीं गाजियाबाद में सिपाही की हत्या के आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। शामली में 25 हजार का इनामी बदमाश पकड़ाया है। वहीं झांसी में भी पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। बुलंदशहर, बागपत, आगरा, जालौन, बलिया और उन्नाव में भी एनकाउंटर के बाद पुलिस ने कई अपराधियों को पकड़ा है।

ऑपरेशन लंगड़ा पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ चलाया जा रहा एक अभियान है, जिसमें अपराधियों को गिरफ्तार करने और अपराध को नियंत्रित करने के लिए पुलिस मुठभेड़ों में अपराधियों को पकड़ने की कोशिश करती है। अगर अपराधी भागने या जवाबी कार्रवाई करते हैं, तो पुलिस उनके पैरों में गोली मारकर उन्हें लंगड़ा कर देती है, ताकि वे भविष्य में अपराध करने में असमर्थ हो जाएं।

इस रणनीति को अनौपचारिक रूप से ऑपरेशन लंगड़ा कहा जाता है, क्योंकि इसका फोकस अपराधियों को शारीरिक रूप से अक्षम करना है, जिससे उनमें पुलिस का खौफ बना रहे। इस ऑपरेशन के कारण कई हिस्ट्रीशीटर अपराध छोड़कर सामान्य जीवन जीने लगे हैं। यह रणनीति अपराध नियंत्रण में प्रभावी मानी जा रही है, लेकिन इसकी कार्यशैली और नैतिकता पर भी चर्चा होती रही है।

मैंने ही मोदी सरकार से नोटबंदी की सिफारिश की थी! चंद्रबाबू नायडू ने कहा- इसकी फिर से जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने 500 रुपये और उससे अधिक मूल्य के नोटों को बंद करने का आह्वान करते हुए कहा कि इस तरह के कदम से भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी और वित्तीय लेनदेन में पारदर्शिता बढ़ेगी। वाईएसआर कड़प्पा जिले में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के वार्षिक महानाडु सभा में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नायडू ने 500 रुपये, 1,000 रुपये और 2,000 रुपये जैसे बड़े नोटों को बंद करने की वकालत की और डिजिटल भुगतान को और अधिक बढ़ावा देने का आह्वान किया।

चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि जब मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को डिजिटल करेंसी की रिपोर्ट दी थी, तो मैंने उनसे एक ही बात कही थी कि जरूरत है 500, 1000 और 2000 के नोट छापना बंद कर दीजिए। डिजिटल करेंसी को सक्षम बनाइए और बढ़ावा दीजिए। मेरा उनसे यही सुझाव है कि फिर अगर कोई भ्रष्टाचार होगा तो हम आसानी से उसका पता लगा लेंगे। उन्होंने इस अवसर पर एक बार फिर केंद्र सरकार से इस सिफारिश पर कार्रवाई करने का आग्रह किया और कहा कि दुनिया अब तेजी से डिजिटल मुद्रा की ओर बढ़ रही है। आज इस सभा से मैं एक बार फिर अनुरोध करना चाहता हूं, आज डिजिटल करेंसी का ज़माना है।

नायडू ने कहा कि अगर किसी को पार्टी के कामों के लिए चंदा देना होता था तो हमें लिस्ट देखनी पड़ती थी, लेकिन अब सिर्फ़ एक क्यूआर कोड से कार्यकर्ता और आम जनता चंदा दे सकती है। 500, 1000 और 2000 के नोट बाँटने की ज़रूरत नहीं है। प्रस्ताव पर जनता से समर्थन का आह्वान करते हुए नायडू ने उपस्थित समर्थकों से उच्च मूल्य वाले नोटों को रद्द करने के पक्ष में हाथ उठाकर तालियां बजाने का आग्रह किया।

जो बीजेपी नेता नहीं कर रहे वह शशि थरुर कर रहे : उदित राज

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने पार्टी सांसद शशि थरूर की तीखी आलोचना करते हुए उन्हें बीजेपी का सुपर प्रवक्ता बताया है और उन पर पीएम मोदी और केंद्र सरकार के पक्ष में बोलने का आरोप लगाया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान की पोल खोलने और आतंकवाद विरोधी अपने रुख के लिए समर्थन जुटाने बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों को विदेश भेजा है, जिसमें एक प्रतिनिधिमंडल कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी शामिल थे। शशि थरूर के प्रतिनिधिमंडल में बीजेपी, झामुमो, टीडीपी और शिवसेना समेत कई राजनीतिक दलों के सांसद शामिल हैं। उन्होंने अमेरिका, गुयाना और पनामा जैसे देशों का दौरा किया है, जहां उन्होंने सांसदों, थिंक टैंक, मीडिया और प्रवासी लोगों से बातचीत की और आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरों के खिलाफ एकजुट भारतीय मोर्चा पेश किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर की आलोचना करते हुए उदित राज ने कहा कि बीजेपी नेता जो नहीं कह रहे हैं। वह शशि थरूर कर रहे हैं। उन्होंने पिछली सरकारों के योगदान के बारे में शशि थरूर की समझ पर भी सवाल उठाया और पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की भारतीय सशस्त्र बलों का श्रेय लेने के लिए आलोचना की। थरूर ने भारत को निशाना बनाकर लगातार आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की और कहा कि हाल के वर्षों में एक अहम बदलाव का मतलब है कि आतंकवादी अब समझ गए हैं कि उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी।

कैश कांड: जस्टिस वर्मा की बढ़ी मुश्किलें, मॉनसून सत्र में सरकार ला सकती है महाभियोग प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैश कांड में बुरी तरह फंसे दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की जांच समिति द्वारा लगाए गए आरोपों को गंभीर मानते हुए केंद्र सरकार आगामी मॉनसून सत्र में महाभियोग ला सकती है। 3 मई को सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि 14 मार्च को जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास में आग लगने के बाद वहां नकदी की बड़ी मात्रा में गड्डियां मिलीं। सरकारी सूत्रों के अनुसार, सरकार मॉनसून सत्र में यह प्रस्ताव लाएगी। दोनों सदनों के अध्यक्षों से अनुरोध किया जाएगा और विपक्ष से भी इस मामले पर सहमति ली जा सकती है। रिपोर्ट के बाद जस्टिस वर्मा से इस्तीफा मांगा गया, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया है। उन्हें 20 मार्च को ट्रांसफर करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजा गया था। उन्होंने 5 अप्रैल को शपथ तो ली लेकिन अब तक उन्हें कोई न्यायिक कार्य नहीं सौंपा गया है।रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने जांच रिपोर्ट की एक प्रति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश के साथ भेजी थी। बता दें कि जांच समिति 22 मार्च को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) द्वारा गठित की गई थी। जिसमें पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस जी एस संधवालया और कर्नाटक हाईकोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस अनु सिवरमन शामिल थीं। बता दें कि संसदीय कानून के मुताबिक, महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए लोकसभा में कम से कम 100 सांसद और राज्यसभा में कम से कम 50 सांसदों के द्वारा प्रस्ताव को समर्थन मिलनी चाहिए। इसके बाद दोनों सदनों में कम से कम दो-तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित होना चाहिए।कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि अभी तक उन्हें सरकार की ओर से कोई औपचारिक संपर्क नहीं किया गया है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि सभापति जगदीप धनखड़ और अध्यक्ष ओम बिरला विपक्षी नेताओं से संपर्क कर सर्वसम्मति बनाने की कोशिश करेंगे।

इमरान प्रतापगढ़ी को रांची में "राष्ट्रीय वक्फ योद्धा" सम्मान से नवाजा गया

एजेंसी

रांची : मशहूर शायर, राज्यसभा सांसद एवं कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी को राजधानी रांची में राष्ट्रीय वक़्फ योद्धा के सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान रांची के मुस्लिम बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकताओं, सक्रिय संगठनों और आध्यात्मिक गुरुओं द्वारा उन्हें प्रदान किया गया। राजकीय अतिथिशाला, मोराबादी में आयोजित इस सम्मान समारोह और आत्ममंथन बैठक में दर्जनों प्रबुद्धजन शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में वक़्फ संपत्तियों की रक्षा, अल्पसंख्यक अधिकारों की चर्चा और सामाजिक एकता को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल मोख्तार खान और झारखंड अल्पसंख्यक कांग्रेस के राज्याध्यक्ष मंजूर अंसारी ने की। संचालन नदीम खान और तनवीर अहमद ने किया। धन्यवाद ज्ञापन सामाजिक कार्यकर्ता तारिक मुजीबी और अंजुमन इस्लामिया रांची के लीगल सेल अध्यक्ष अधिवक्ता अजहर खान ने किया। इस अवसर पर सांसद इमरान प्रतापगढ़ी का पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र देकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। बैठक और सम्मान समारोह में भाग लेने वालों में शामिल थे। डॉ. सैयद इकबाल हुसैन (पूर्व उपाधीक्षक, सदर अस्पताल रांची) प्रो. परवेज अख्तर, प्रो. अनवर अली (मौलाना आजाद कॉलेज)

इंजीनियर शाहनवाज खान (अटव ओल्ड बॉयज यूनियन) डॉ. असगर मिसबाही (जमीयत उलमा-ए-हिंद झारखंड) खालिद खलील (महासचिव, झारखंड तंजीम) डॉ. एम. तौसीफ (खठव ओल्ड बॉयज यूनियन) अधिवक्ता अजहर खान, मो. जाकिर अंसारी, नेहाल अहमद, औरंगजेब खान, साजिद उमर, मो. जावेद, मुन्नवर अली भुट्टो, फिरोज जिलानी, मतीउर रहमान, मो. बब्बर, सयैद जफर, मो. फहीम, असफर खान, अकरम राशिद, शाहनवाज अब्बास आदि।

ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ सहित 14 राज्यों में 2 जून तक होगी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में 28 मई से 2 जून तक बारिश, बिजली गिरने और 70 किमी/घंटा तक की तूफानी हवाएं चलने का अनुमान है। हिमाचल प्रदेश में 27 और 28 मई को ओलावृष्टि की संभावना है। उत्तराखंड में 28 मई से 2 जून तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। राजस्थान और जम्मू के कुछ क्षेत्रों में 28 मई को लू (हीटवेव) की चेतावनी भी दी गई है।

ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और विदर्भ में 31 तक बारिश और आंधी का पूर्वानुमान है। ओडिशा में 27 और 29 मई को बहुत भारी बारिश हो सकती है, जबकि विदर्भ और पश्चिम बंगाल में 29-30 मई को बारिश की संभावना है। उत्तर भारत में अगले दो दिनों तक तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि और फिर 4-5 दिनों में गिरावट का अनुमान है। मध्य भारत में तीन दिनों तक कोई खास बदलाव नहीं, इसके बाद तापमान 2-3 डिग्री तक बढ़ सकता है। पूर्व भारत में 5 दिनों तक कोई बड़ा बदलाव नहीं दिखेगा।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आगामी 2 जून तक देश के विभिन्न भागों में भारी बारिश, आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाओं को लेकर चेतावनी जारी की है। दक्षिण भारत, पश्चिमी तट, पूर्वोत्तर भारत, पूर्वी एवं मध्य भारत के साथ-साथ उत्तर भारत के कई राज्यों में यह असर देखने को मिलेगा। कुछ इलाकों में अत्यधिक भारी वर्षा और गरज-चमक के साथ तूफानी हवाएं चलने की संभावना है। वहीं कुछ क्षेत्रों में लू का भी खतरा बना हुआ है। केरल एवं माहे के साथ-साथ तटीय कर्नाटक में 28 मई से 2 जून तक गरज-चमक और 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के साथ बहुत भारी वर्षा की संभावना है। वहीं, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 28 मई से 2 जून तक लगातार भारी से बहुत भारी बारिश संभव है। आंध्र प्रदेश, रायलसीमा और तेलंगाना में भी अगले पांच दिनों तक बौछारें, आंधी और 50-70 किमी/घंटा की रफ्तार तक पहुंचने वाली तेज हवाएं चलने की संभावना है। तेलंगाना में 28-29 मई को बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।गुजरात में 70 किमी/घंटा तक की तूफानी हवाएं चल सकती हैं। कोंकण और घाट क्षेत्रों में अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना जताई गई है। अगले सात दिनों तक पूर्वोत्तर राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक और बिजली गिरने की संभावना है। मिजोरम (28 मई), असम और मेघालय (29-30 मई) को लेकर अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**